खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 07 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-216

रंगरलियाँ महंगी पड़ी

तरुण को 10 साल जेल

मुंबई, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

यौन उत्पीड़न मामले में पूर्व पत्रकार एवं तहलका पत्रिका के संस्थापक संपादक तरुण तेजपाल को बॉम्बे हाई कोर्ट ने दोषी करार देते हुए 10 वर्ष की कठोर कैद तथा लाखों रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। सजा सुनाए जाने से पहले अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें विस्तार से सुनीं।

तेजपाल की ओर से अदालत को बताया गया कि उनके विरुद्ध कोई अन्य आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। यह उनका पहला अपराध है तथा वर्ष 2013 की घटना के बाद से वह जमानत पर हैं। उनके अधिवक्ता ने न्यूनतम सजा देने तथा आत्मसमर्पण के लिए आठ सप्ताह का समय देने का अनुरोध किया।

वहीं, सॉलिसिटर जनरल ने अदालत से अधिकतम सजा देने की मांग की। उन्होंने दलील दी कि तेजपाल पीड़िता के लिए पिता समान भूमिका में थे और पीड़िता द्वारा स्पष्ट रूप से मना किए जाने के बावजूद उन्होंने अपराध दोहराया। अभियोजन पक्ष ने यह भी कहा कि तेजपाल की ओर से अपने कृत्य के प्रति किसी प्रकार का पछतावा नहीं दिखा। सजा सुनाते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि घटना को लगभग 13 वर्ष बीत चुके हैं। इस अवधि में तेजपाल के विरुद्ध इसी प्रकार के किसी अन्य दुराचार या शिकायत का कोई मामला सामने नहीं आया। अदालत ने यह भी कहा कि दोनों पक्षों को अपने जीवन में आगे बढ़ जाना चाहिए था।

अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 376(2)(एफ) के तहत 10 वर्ष की कठोर कैद और 5 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। धारा 376(2)(के) के तहत भी 10 वर्ष की कठोर कैद और 5 लाख रुपये जुर्माने का आदेश दिया। इसके अतिरिक्त धारा 354 के तहत एक वर्ष की कठोर कैद एवं 10 हजार रुपये जुर्माना, धारा 354ए के तहत एक वर्ष की कठोर कैद एवं जुर्माना तथा धारा 354बी के तहत तीन वर्ष की कठोर कैद की सजा सुनाई गई। ▶10पर

एनडीए को झटका!

टीएमसी मुस्लिम सांसद दूर-दूर

कोलकाता, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में मुर्शिदाबाद के तीन सांसदों अबू ताहिर खान, खलीलुर रहमान और यूसुफ पठान की रणनीति चर्चा का विषय बनी हुई है। तीनों सांसद पहले तृणमूल कांग्रेस से अलग हुए एक बड़े गुट के साथ नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हुए थे। हालांकि, उन्होंने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में औपचारिक रूप से शामिल होने से फिलहाल दूरी बनाए रखी है।

बताया जा रहा है कि तीनों सांसद नई दिल्ली में एनडीए की उच्चस्तरीय संसदीय बैठकों में भाग नहीं ले रहे हैं। वे केवल राज्य एवं केंद्र सरकार के साथ प्रशासनिक और जनहित से जुड़े मुद्दों पर ही संवाद बनाए हुए हैं।

राजनीतिक गठबंधन पर टिप्पणी से किया इनकार

अपने भविष्य के राजनीतिक कदमों के बारे में पूछे जाने पर अबू ताहिर खान और खलीलुर रहमान ने किसी भी राजनीतिक गठबंधन पर टिप्पणी करने से इनकार किया।

जंगीपुर के सांसद खलीलुर रहमान ने कहा, हमें गृह मंत्री के साथ दो मुद्दों पर चर्चा करनी थी। हम किसी अन्य विषय पर कुछ नहीं कह सकते। इससे संकेत मिलता है कि तीनों सांसद व्यापक राजनीतिक गठबंधन की बजाय मुद्दों के आधार पर बातचीत को प्राथमिकता दे रहे हैं।

बताया गया कि एनसीपीआई के तीनों सांसदों ने पश्चिम बंगाल की मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तीनों सांसद केवल विकास कार्यों, मतदाता सूची में सुधार और अपने संसदीय क्षेत्रों से जुड़े प्रशासनिक विषयों पर ही बातचीत कर रहे हैं, ताकि उन पर विचारधारा से समझौता करने का आरोप न लगे।

मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल का अल्पसंख्यक बहुल और राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। ऐसे में इन सांसदों के लिए भारतीय जनता पार्टी के साथ औपचारिक रूप से जुड़ना उनके पारंपरिक मतदाताओं के बीच राजनीतिक जोखिम पैदा कर सकता है। इसी कारण वे केंद्र सरकार के हर निर्णय का बिना शर्त समर्थन करने से भी बच रहे हैं।

करीब 20 सदस्यों वाले एनसीपीआई समूह के भीतर तीन सांसदों की अलग रणनीति यह संकेत देती है कि बंगाल में क्षेत्रीय राजनीतिक समीकरण राष्ट्रीय गठबंधनों से अधिक प्रभावी बने हुए हैं।

राजनीतिक जानकारों के अनुसार, ये सांसद नीतिगत मांगों के लिए केंद्र सरकार तथा स्थानीय विकास कार्यों के लिए राज्य के प्रशासनिक तंत्र से संवाद बनाए रखते हुए मुद्दों पर आधारित तटस्थता की नीति अपना रहे हैं। यह रणनीति बंगाल की पारंपरिक दोध्रुवीय राजनीति को नई दिशा दे सकती है।

स्थानीय पहचान को मिल रही प्राथमिकता

विश्लेषकों का मानना है कि जैसे-जैसे पश्चिम बंगाल आगामी चुनावों की ओर बढ़ रहा है, मुर्शिदाबाद के इन तीन सांसदों की रणनीति यह दर्शाती है कि मजबूत स्थानीय पहचान और संवेदनशील सामाजिक समीकरण वाले क्षेत्रों में राजनीतिक गठबंधन हमेशा स्थायी नहीं होते। ऐसे क्षेत्रों में स्थानीय जनसमर्थन और क्षेत्रीय हित ही राजनीतिक रणनीति का प्रमुख आधार बने रहते

कथित निवेश घोटाला

बीआरएस नेता रूपा रेड्डी गिरफ्तार

ओमप्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 06 अगस्त।

नार्सिंगी थाना क्षेत्र में कथित निवेश, प्लॉट और मकान दिलाने के नाम पर लोगों से बड़ी रकम वसूलने के आरोपों का सामना कर रही बीआरएस महिला नेता रूपा रेड्डी को नार्सिंगी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, विभिन्न शिकायतों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। हालांकि, मामले में विस्तृत आधिकारिक बयान और जांच रिपोर्ट का इंतजार है।

तांडूर की रहने वाली रूपा रेड्डी नार्सिंगी थाना क्षेत्र के तिरुमला हिल्स में निवास करती हैं और स्थानीय स्तर पर एक राजनीतिक दल से जुड़ी रही हैं। कुछ समय पहले उन्होंने मणिकोंडा नगर पालिका परिषद का चुनाव भी लड़ा था, जिसमें वह मामूली अंतर से हार गई थीं। ▶10पर

विधायक बेटा – संतोषगौड़ मिडिया से बातचीत करते हूए

एनकाउंटर, हत्या और...

अतीक का बेटा हादसे का शिकार

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

माफिया डॉन और पूर्व सांसद अतीक अहमद के परिवार पर पिछले तीन वर्षों से लगातार दुखद घटनाओं का सिलसिला जारी है। पहले उमेश पाल हत्याकांड के बाद पुलिस कार्रवाई में उसके बेटे असद अहमद की मौत हुई। इसके दो दिन बाद पुलिस हिरासत में अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अब अतीक के बेटे आबान की सड़क हादसे में मौत हो गई है। बताया गया कि आबान अपने भाई अली अहमद से मिलने जेल जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ। लगातार हुई इन घटनाओं के बाद एक बार फिर यह सवाल उठने लगा है कि अतीक अहमद के परिवार में अब कौन-कौन सदस्य शेष हैं।

24 फरवरी 2023 को प्रयागराज में बसपा के पूर्व विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल तथा उनके दो सरकारी सुरक्षाकर्मियों की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। ▶10पर

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दें

बांग्लादेश शेख हसीना के भाषण के लाइव प्रसारण पर भारत से खफा

ढाका (बांग्लादेश)

देश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को नई दिल्ली में मीडिया के साथ लाइव बातचीत करने की अनुमति देने पर बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने भारत से नाराजगी जताई है। बांग्लादेश का कहना है कि इस कदम से देश के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। इससे दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध बनाने की कोशिशों को धक्का लगा है।

रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि ढाका ने नई दिल्ली को पहले ही अपनी चिंता से अवगत करा दिया था। चेतावा गया था कि इस तरह का कार्यक्रम दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों को फिर से बेहतर बनाने की कोशिशों को कमजोर कर सकता है।

मंत्रालय ने कहा, बांग्लादेश इस बात से नाराज है कि भगोड़ी और नरसंहार की दोषी शेख हसीना को नई दिल्ली में मीडिया के साथ लाइव बातचीत करने की अनुमति दी गई। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि हसीना और उनके साथियों ने इस मंच का इस्तेमाल बांग्लादेश के खिलाफ किया। मंत्रालय ने अफसोस जताया कि बांग्लादेश की पूर्व की चिंताओं और इसके संभावित राजनयिक नतीजों के बावजूद इस कार्यक्रम को होने दिया गया।

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया कि जुलाई क्रांति की दूसरी बरसी पर हुई यह मीडिया बातचीत बांग्लादेश की संप्रभुता का अपमान है और जुलाई 2024 के आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों का भी अपमान है। बयान में हसीना पर जुलाई-अगस्त 2024 की हिंसा के बारे में संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट को नकारने का आरोप भी लगाया। बयान के अनुसार, बांग्लादेश के लोग जुलाई क्रांति के आदर्शों के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

बयान में नई दिल्ली के साथ संबंधों पर ढाका का रुख दोहराते हुए मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश, भारत के साथ रचनात्मक, द्विपक्षीय फायदे और भविष्योन्मुखी संबंध बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। ये संबंध संप्रभु समानता, आपसी सम्मान, एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में दखल न देने और राष्ट्रीय सम्मान पर आधारित होंगे। हालांकि, मंत्रालय ने कहा कि 2013 में हुई बांग्लादेश-भारत प्रत्यर्पण संधि के तहत हसीना की वापसी के लिए बांग्लादेश के बार-बार किए गए अनुरोध का अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

उल्लेखनीय है कि अगस्त 2024 में शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से ढाका और नई दिल्ली के बीच संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। छात्रों के नेतृत्व में हुए बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश से भागने के बाद से हसीना भारत में रह रही हैं। सरकार ने द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि का हवाला देते हुए बांग्लादेश में कानूनी कार्यवाही का सामना करने के लिए उनकी वापसी की बार-बार मांग की है। ढाका ने कई मौकों पर भारत से हसीना के सार्वजनिक बयानों पर चिंता जताई है।

न्यूज़ब्रीफ

लंदन में भारतीय दूतावास के सामने प्रदर्शन, कश्मीर का राग अलापा

लंदन। लंदन में भारतीय दूतावास के सामने बुधवार को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने की बरसी पर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारी इस अवसर पर कश्मीर का राग अलापने से भी नहीं चूके। इस बरसी को यौम-ए-इस्तेहाल कश्मीर (कश्मीर शोषण दिवस) का नाम दिया। यह महत्वपूर्ण है कि भारत सरकार ने 5 अगस्त 2019 को राष्ट्रपति के आदेश पर अनुच्छेद 370 और 35ए के ज्यादातर प्रावधानों को निष्प्रभावी कर दिया था। इसके बाद से जम्मू-कश्मीर में पहले मुकाबले शांति है। पाकिस्तान के चैनल दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने इस अवसर पर कश्मीर और पाकिस्तान के झंडे लहराए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर को भारत से लेकर रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया गया लंदन स्थित भारतीय दूतावास पाकिस्तान विरोधी और कश्मीर-विरोधी गतिविधियों में शामिल है। प्रदर्शनकारियों ने कश्मीर में मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ध्यान देने की मांग की। प्रदर्शन में ब्रिटिश-कश्मीरी और पाकिस्तानी समुदाय के लोगों ने हिस्सा लिया। महत्वपूर्ण है कि 2019 के बाद हर साल 5 अगस्त को पाकिस्तान प्रायोजित ऐसे प्रदर्शन होते हैं।

बांग्लादेश में 14 वर्षीय छात्र को जेल भेजा गया, अवामी लीग ने लगाया सत्ता का दुरुपयोग का आरोप

ढाका। बांग्लादेश की एक अदालत ने आतंकवाद विरोधी कानून के तहत दर्ज मामले में 14 वर्षीय स्कूली छात्र को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। इस कार्रवाई को लेकर विपक्षी अवामी लीग ने सरकार पर सत्ता के दुरुपयोग और न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप का आरोप लगाया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, मोहम्मद रिमोन नामक छात्र लक्ष्मीपुर जिले के रामगति उपजिला स्थित चार मेहर अजीजिया हाई स्कूल में 10वीं कक्षा का विद्यार्थी है। बचाव पक्ष के वकील अब्दुर राब सुमोन ने बताया कि छात्र की आयु जन्म प्रमाणपत्र के अनुसार 14 वर्ष दो माह है। उन्होंने मानवीय आधार पर जमानत की मांग की थी, लेकिन अदालत ने इसे खारिज कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने 02 अगस्त को रिमोन को उसके गांव से गिरफ्तार किया। हालांकि, प्राथमिकी में उसका नाम और उम्र अलग दर्ज की गई थी। बाद में जांच अधिकारी ने दस्तावेजों में संशोधन कर नाम और आयु को नाबालिग के अनुरूप दर्ज किया।

पुरातत्वविदों ने खोजी 1200 वर्ष पुरानी बेहद दुर्लभ कब्र

अंकारा। पुरातत्वविदों ने लगभग 1200 वर्ष पुरानी एक बेहद दुर्लभ कब्र की खोज की है, जिसने वैज्ञानिक समुदाय का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। यह कब्र तुर्की के प्राचीन शहर इफिसस में आर्टेमिस मंदिर के निकट एक परित्यक्त रोमन शौचालय के नीचे मिली है। इस पत्थर की कब्र में, समय से पहले जन्मे दो जुड़वां शिशुओं के कंकाल आश्चर्यजनक रूप से सुरक्षित अवस्था में मिले हैं। पुरातत्वविदों का मानना है कि यह खोज उस दौर की सामाजिक और धार्मिक परंपराओं, विशेष रूप से शिशु मृत्यु दर और दफनाने की प्रथाओं को समझने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। आस्ट्रियन एकेडमी आफ साइंसेज की शोधकर्ताओं, कैरोलिन पार्टियोट और लिली जब्राना ने इन कंकालों का विस्तृत विश्लेषण किया। उनके अनुसार, यह कब्र आठवीं से नौवीं शताब्दी के बीच की है। दोनों शिशुओं के कंकाल एक-दूसरे के पास सावधानीपूर्वक रखे मिले और उनकी हड्डियों के आकार से अनुमान लगाया गया कि उनका जन्म गर्भावस्था के लगभग सात या साढ़े सात महीने में ही हो गया था, यानी वे समय से पहले जन्मे थे। यह अपने आप में उस काल की चिकित्सा और जन्म संबंधी चुनौतियों को दर्शाता है, जब शिशु मृत्यु दर काफी अधिक थी। विश्लेषण के दौरान, एक शिशु की गर्दन में एक अतिरिक्त पसली पाई गई, जिसे वैज्ञानिक भाषा में सुपरन्यूमेरी सर्वाइकल रिब कहा जाता है।

यूरोप के जंगलों में लगी आग बनी त्रासदी जंगल बने राख, लाखों लोग हुए बेघर

यह समस्या जलवायु परिवर्तन और मानव गतिविधियों का एक खतरनाक मेल

मैड्रिड

यूरोप के जंगलों में लगी भीषण आग एक त्रासदी बन चुकी है। फ्रांस और स्पेन जैसे देशों में तीन लाख से ज्यादा लोगों को घर छोड़ना पड़ा है, जबकि लाखों एकड़ जंगल जलकर राख हो गए हैं। इस आग को बुझाने की अंतर्राष्ट्रीय कोशिशें भी नाकाम हो रही हैं, वैज्ञानिक इसके पीछे कई जटिल कारणों को जिम्मेदार बता रहे हैं। यह समस्या केवल एक चिंगारी का नतीजा नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन और मानव गतिविधियों का एक खतरनाक मेल है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक इस तबाही का एक अजीब कारण अत्यधिक बारिश है। सर्दियों में हुई भारी बारिश से घास, झाड़ियां और छोटे पौधे तेजी से उगते हैं, जो गर्मियों में भीषण गर्मी और सूखे के कारण सूखकर ज्वलनशील ईंधन बन जाते हैं। इस स्थिति को हाइड्रोक्लाइमेटिक व्हिपलैश कहा जाता है, जिसमें मौसम कुछ ही महीनों में अत्यधिक गीले से अत्यधिक सूखे में बदल जाता है, जिससे आग का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसके अतिरिक्त, यूरोप के कई देशों में बड़े पैमाने पर पाइन और यूकेलिप्टस जैसे पेड़ लगाए गए, जो अपनी अच्छी कमाई के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, इन पेड़ों की सूखी पत्तियां और उनमें मौजूद तेल आग को बेहद तेजी से फैलाने में सहायक होते हैं, जिससे आग कुछ ही घंटों में बेकाबू हो जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ दशकों में यूरोप के कई ग्रामीण इलाके खाली हो गए हैं, जहां लोग शहरों की ओर पलायन कर गए हैं। खेती-बाड़ी और चरागाहों की कमी से जंगल और रिहायशी इलाकों के बीच जो प्राकृतिक अवरोध बनते थे, वे अब खत्म हो गए हैं। इन जगहों पर सूखी घास और झाड़ियां उग आई हैं, जो आग के लिए अतिरिक्त ईंधन का काम करती हैं। हाल के वर्षों में कुछ जंगल की आग इतनी प्रचंड रही है कि उन्होंने फायर स्टार्म का रूप ले लिया है। आग से उठने वाली बेहद गर्म हवा और धुआं ऊपर जाकर तूफानी बादलों में बदल जाता है।

दुनिया की 35 प्रतिशत बंदूक संबंधित मौतें अमेरिका में : रिपोर्ट

न्यूयार्क। अमेरिका में रोजाना 130 से अधिक लोग फायरआर्म्स से होने वाली चोटों के कारण अपनी जान गंवाते है, चाहे वह आत्महत्या हो या मामूली झगड़ों में गोलीबारी। अमेरिका लगातार बंदूक हिंसा की घटनाओं से जूझ रहा है, जहां आइडाहो के टि्वन फाल्स और सिएटल जैसी जगहों पर हाल ही में कई लोगों की जान जा चुकी है। ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दुनिया की 35 प्रतिशत बंदूक संबंधित मौतें अमेरिका में होती हैं, लेकिन यह राष्ट्र 235 साल पुराने एक कानूनी पेंच में फंसा हुआ है। इस समस्या की जड़ अमेरिका के संविधान का दूसरा संशोधन है, जो 1791 में आया था। यह संशोधन नागरिकों को आत्मरक्षा के लिए बंदूक रखने का संवैधानिक अधिकार देता है। यहीं से व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सामूहिक सुरक्षा के बीच एक विवादास्पद बहस छिड़ जाती है, जिसमें अक्सर व्यक्ति के अधिकार को प्राथमिकता दी जाती है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट भी बंदूक अधिकारों की रक्षा करता है, और यहां के लोग इसे एक समस्या के बजाय स्वतंत्रता और आत्मरक्षा के अधिकार के रूप में देखते हैं। देश में बंदूक संस्कृति इतनी गहरी है कि नागरिकों के पास लगभग 40 करोड़ बंदूकें हैं, जो आबादी से भी अधिक हैं। महामारी और सामाजिक अनिश्चितता के दौर में हथियारों की बिक्री में भारी तेजी आई है, जिससे इनकी पहुंच और भी आसान हो गई है। कई राज्यों में कमजोर नियंत्रण, बिना कड़े लाइसेंस के हथियार ले जाने की अनुमति और निजी व आनलाइन बंदूक बिक्री पर संघीय स्तर पर पृष्ठभूमि जांच का अभाव इस समस्या को और गंभीर बनाता है। मानसिक तनाव, कुंठा, आर्थिक असमानता और घरेलू कलह जैसे सामाजिक कारण भी लोगों को हिंसा की ओर धकेलते हैं, जबकि कुछ सामूहिक गोलीबारी करने वाले लोग प्रसिद्धि की चाह में ऐसी वारदातों को अंजाम देते हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे बड़े नेता भी संविधान के दूसरे संशोधन और बंदूक रखने के अधिकार का समर्थन करते रहे हैं। ट्रंप ने तो अपने कार्यकाल में बंदूक नियमों में व्यापक कटौती की घोषणा की थी, जिससे आनलाइन खरीद जैसी प्रक्रियाएं और भी आसान हो गईं। नेशनल राइफल एसोसिएशन (एनआरए), जो 1871 में स्थापित हुआ था, एक शक्तिशाली गन लाबी है।

नेपाल के कई प्रांतों में भारी बारिश का अलर्ट, बाढ़ और भूस्खलन का खतरा

काठमांडू

नेपाल के जल तथा मौसम विज्ञान विभाग ने देश के कई प्रांतों में भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। विभाग ने कहा है कि लगातार हो रही बारिश के कारण बाढ़, भूस्खलन जैसी आपदाओं का जोखिम बढ़ गया है।

जल एवं मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पूरे देश में बादल छाए हुए हैं। बागमती और गंडकी प्रांत के कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा हो रही है। कोशी, कर्णाली और सुदूरपश्चिम प्रांत के कुछ इलाकों में भी बारिश दर्ज की गई है। लुम्बिनी प्रांत के एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ वर्षा हो रही है।

कोशी, बागमती और गंडकी प्रांत के हिमालयी क्षेत्रों के कई स्थानों पर मध्यम वर्षा और हिमपात होने की संभावना है। वहीं, लुम्बिनी, कर्णाली और सुदूरपश्चिम प्रांत के पर्वतीय क्षेत्रों के कुछ स्थानों पर भी मध्यम वर्षा और हिमपात हो सकता है। कोशी, बागमती, गंडकी और लुम्बिनी प्रांत के पहाड़ी तथा तराई क्षेत्रों के अनेक स्थानों में गरज के साथ मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

मधेश प्रांत के भी कई हिस्सों में इसी तरह का मौसम बना रहने का अनुमान है। कर्णाली प्रांत के पहाड़ी क्षेत्रों तथा सुदूरपश्चिम प्रांत के पहाड़ी और तराई क्षेत्रों के कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है।

विभाग ने विशेष रूप से चेतावनी दी है कि बागमती और गंडकी प्रांत के हिमालयी, पहाड़ी और तराई क्षेत्रों, कोशी प्रांत के हिमालयी एवं पहाड़ी क्षेत्रों तथा मधेश और लुम्बिनी प्रांत के पहाड़ी और तराई क्षेत्रों के एक-दो स्थानों पर भारी से अत्यधिक वर्षा होने की अधिक संभावना है। रात को कोशी, बागमती, गंडकी और लुम्बिनी प्रांत के पहाड़ी एवं तराई क्षेत्रों तथा मधेश प्रांत के कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ मध्यम से भारी वर्षा होने की संभावना है। कर्णाली के पहाड़ी क्षेत्रों और सुदूरपश्चिम प्रांत के पहाड़ी एवं तराई क्षेत्रों के कुछ स्थानों पर भी मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। विभाग ने नागरिकों से इस दौरान सतर्क रहने और जरूरी सावधानी बरतने की अपील की है।

धरती के केंद्र से अंतरिक्ष का निकटतम बिंदु है चिम्बोराजो माउंट

क्विटो। क्या आपको पता है, पृथ्वी के केंद्र से मापने पर दक्षिण अमेरिका के इक्वाडोर में स्थित माउंट चिम्बोराजो अंतरिक्ष के सबसे निकट माना जाता है। समुद्र तल से इसकी ऊंचाई लगभग 6,268 मीटर है, जबकि माउंट एवरेस्ट 8,848 मीटर ऊंचा है। इसीलिए जब दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत की बात आती है, तो हमेशा माउंट एवरेस्ट का नाम सबसे पहले आता है। चिम्बोराजो की चोटी पृथ्वी के केंद्र से अधिक दूर है। इसका कारण यह है कि पृथ्वी पूरी तरह गोल न होकर भूमध्य रेखा के पास थोड़ी उभरी हुई है, और चिम्बोराजो इसी भूमध्य रेखा के बेहद निकट स्थित है। यह भौगोलिक विशेषता इसे अंतरिक्ष और सूर्य के अपेक्षाकृत अधिक करीब बनाती है। इस पर्वत की ढलानों पर लगभग 3,500 से 4,200 मीटर की ऊंचाई पर क्वेशुआ और पुरुहा आदिवासी समुदाय पीढ़ियों से निवास कर रहे हैं। कम आक्सीजन, कड़ाके की ठंड और कठिन परिस्थितियों के बावजूद, यहां के लोगों ने अपने जीवन को स्थानीय वातावरण के अनुरूप ढाल लिया है। वे खेती, पशुपालन और अन्य दैनिक कार्य सामान्य रूप से करते हैं, जिससे उनका जीवन प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाए हुए है।

स्कूली बस के साइज वाला मस्क का राकेट चांद से भिड़ा

न्यूयार्क

स्पेसएक्स के फाल्कन-9 राकेट का लगभग 4 टन वजनी और स्कूल बस के आकार का ऊपरी हिस्सा करीब 19 महीने तक अंतरिक्ष में भटकने के बाद चंद्रमा से टकरा गया। अनुमान है कि यह मलबा लगभग 8,700 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चंद्रमा के पश्चिमी हिस्से में स्थित आइंस्टीन क्रेटर के पास टकराया। हालांकि इस घटना की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है और वैज्ञानिक तस्वीरों के विश्लेषण के बाद ही अंतिम निष्कर्ष जारी करेंगे।

कंपनी के अनुसार यह टक्कर पूरी तरह अनजाने में हुई। बताया गया कि राकेट का ऊपरी हिस्सा जनवरी 2025 में दो चंद्र लैंडर को अंतरिक्ष में भेजे जाने के बाद पृथ्वी पर वापस नहीं लौट सका था। निचला चरण सफलतापूर्वक लौट आया, जबकि ऊपरी हिस्सा अंतरिक्ष में अनियंत्रित होकर घूमता रहा। इस दौरान सूर्य की गतिविधियों तथा पृथ्वी और चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से इसकी कक्षा बदलती गई और अंततः यह चंद्रमा की ओर बढ़ गया। वैज्ञानिकों का कहना है कि टक्कर से पृथ्वी को किसी तरह का खतरा नहीं है, लेकिन चंद्रमा की सतह पर एक नया क्रेटर बनने की संभावना है।

फिलहाल चंद्रमा की परिक्रमा कर रहे किसी भी अंतरिक्ष यान की स्थिति ऐसी नहीं थी कि वह टक्कर के समय प्रत्यक्ष तस्वीरें ले सके। अब चंद्रमा की कक्षा में मौजूद आर्बिटर बाद में उस स्थान के ऊपर से गुजरेंगे और उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरें लेकर यह पता लगाएंगे कि वहां नया गड्ढा बना है या नहीं। तस्वीरों के विश्लेषण के बाद ही इस घटना की आधिकारिक पुष्टि की जाएगी। घटना के बाद एलन मस्क ने एक एआई आधारित वीडियो साझा किया, जिसमें संभावित टक्कर का दृश्य दिखाया गया है। हालांकि यह वास्तविक फुटेज नहीं है, क्योंकि टक्कर की प्रत्यक्ष रिकार्डिंग उपलब्ध नहीं हो सकी।

चंद्रमा से मानव निर्मित यानों के टकराने की घटनाएं पहले भी होती रही हैं। वर्ष 1959 में सोवियत संघ का लूना-2 चंद्रमा तक पहुंचने वाला पहला मानव निर्मित यान था। इसके बाद अपोलो मिशनों के दौरान वैज्ञानिक अध्ययन के लिए कई राकेट चरण जानबूझकर चंद्रमा से टकराए गए। 2009 में भी एक मिशन के तहत राकेट चरण को चंद्रमा पर गिराया गया था। वहीं 2019 में भारत का चंद्रयान-2 लैंडर और इजराइल का बेरेशीट लैंडर दुर्घटनाग्रस्त हुए, जबकि 2022 में एक चीनी राकेट का हिस्सा तथा 2023 में रूस का लूना-25 भी चंद्रमा से टकराकर नष्ट हो गए। अंतरिक्ष मलबे की बढ़ती समस्या भी चिंता का विषय बनी हुई है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार जुलाई के अंत तक पृथ्वी की कक्षा में 46 हजार से अधिक अंतरिक्ष मलबे के टुकड़े मौजूद थे, जिनका कुल वजन लगभग 17 हजार टन है। वैज्ञानिकों का मानना है कि भविष्य में ऐसे अनियंत्रित मलबे की निगरानी और प्रबंधन अंतरिक्ष अभियानों के लिए बड़ी चुनौती बना रहेगा।

यूक्रेन में सब्जी विक्रेता का ड्रोन ने किया पीछा, यूक्रेन ने रूस पर लगाए युद्ध अपराध के आरोप

कीव

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच दक्षिणी यूक्रेन के खेरसान शहर से एक बेहद भयावह घटना सामने आई है। यहां एक रूसी ड्रोन ने सड़क किनारे सब्जियां बेच रहे एक नागरिक का पीछा किया और उसे निशाना बनाने की कोशिश की। घटना का वीडियो सामने आने के बाद यूक्रेन ने रूस पर आम नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाने और युद्ध अपराध करने का आरोप लगाया है। इस घटना ने एक बार फिर युद्ध में नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, खेरसान निवासी 52 वर्षीय यूरी अपनी पत्नी के साथ सड़क किनारे वैन के पास टमाटर, खीरे, बैंगन और अन्य सब्जियां बेच रहे थे। तभी उनके ऊपर एक ड्रोन मंडराने लगा। यूरी के मुताबिक, ड्रोन की आवाज सुनते ही उनकी पत्नी किसी तरह वहां से निकल गई, लेकिन ड्रोन लगातार उनका पीछा करता रहा। उन्होंने बताया कि ड्रोन आपरेटर को यह बताने के लिए कि वह कोई सैनिक या कैमरा लिए व्यक्ति नहीं हैं, उन्होंने लहसुन की गांठें उठाकर कैमरे की ओर दिखाईं। इसके बावजूद ड्रोन ने उनका पीछा नहीं छोड़ा।

यूरी ने बताया कि वह जान बचाने के लिए एक छोटे के नीचे जाकर छिपने की कोशिश करने लगे, लेकिन ड्रोन वहां भी पहुंच गया। इसके बाद उन्होंने वैन के पीछे कूदकर बचने का प्रयास किया, तभी ड्रोन में विस्फोट हो गया। विस्फोट में उनकी जान तो बच गई, लेकिन शरीर में छर्रे लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। फिलहाल उनका इलाज चल रहा है और घटना के बाद वह गहरे सदमे में हैं।

घटना का वीडियो सामने आने के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस आम नागरिकों के खिलाफ सुनियोजित तरीके से ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया को ऐसे हमलों के सबूत देखने चाहिए और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को रूस पर दबाव बढ़ाकर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

खेरसान में पिछले कई महीनों से कथित ड्रोन सफारी जैसे हमलों की घटनाएं सामने आती रही हैं। यूक्रेन का आरोप है कि इन हमलों में ड्रोन के जरिए आम नागरिकों को निशाना बनाया जाता है। चूंकि खेरसान अग्रिम मोर्चे के बेहद करीब स्थित है, इसलिए यहां लगातार खतरा बना रहता है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में भी इस क्षेत्र में ड्रोन हमलों के कारण नागरिकों की सुरक्षा पर चिंता जताई गई थी।

दूसरी ओर, रूस ने भी यूक्रेन पर नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। मास्को का दावा है कि यूक्रेनी ड्रोन हमले में काला सागर के रिसार्ट शहर गेलेंदझिक में तीन बच्चों सहित सात लोगों की मौत हुई। दोनों देशों के एक-दूसरे पर लगाए जा रहे आरोपों के बीच युद्ध लगातार और अधिक जटिल तथा मानवीय संकट को गहराता हुआ दिखाई दे रहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आज धर्म व आध्यात्मिकता की ओर जा सकते है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है। संभव है कि परिवार के साथ किसी नज़दीकी रिश्तेदार से मिलने जाना हो और इसके लिए दिन ठीक भी है। हालाँकि किसी पुरानी ख़राब घटना का ज़िक्र करने से बचें, नहीं तो वातावरण में तनाव पैदा हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। निजी मसले नियन्त्रण में रहेंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। सेहत के नज़रि से गले लगने के अपने फ़ायदे हैं और आपको यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है। कर्ज लेने और देने आज बचना होगा क्योंकि बिना वजह परेशानी लेना समझदारी नही हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुद को सुबह सुबह शारीरिक व्यायाम मे व्यस्त रखें। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपको अपने दायरे से बाहर निकलकर ऐसे लोगों से मिलने-जुलने की ज़रूरत है, जो ऊँची जगहों पर हों। आज चाहे दुनिया इधर-की-उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी की बाहों से दूर नहीं हो सकेंगे। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपके पास अपनी सेहत सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आ-कस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज का दिन मज़े करने के लिहाज़ से बढ़िया है, इसलिए अपनी पसंदीदा चीज़ों और काम का लुत्फ़ उठाएँ। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। विवाह एक दैवीय आशीर्वाद है और आज आप इसका अनुभव कर सकते हैं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। काम-काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपको महसूस होगा कि शादी के वक़्त किए गए सारे वादे सच्चे हैं। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अपनी मांसपेशियों को आराम देने के लिए तैल से मालिश करें। ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें। आज आँखों में दर्द संभव है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। अगर आप अपने दिन को ज़रा बेहतर व्यवस्थित करें, तो अपने खाली समय का पूरा सदुपयोग कर काफ़ी काम कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपके भाई-बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है। अपने जीवनसाथी को बताएँ कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम के बीच-बीच में थोड़ा आराम करें और देर रात तक काम न करें। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आस-पड़ोस की किसी सुनी-सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल-का-ताड़ बना सकता है। आज पानी की जीवन में क्या कीमत है इसके बारे में आप घर के छोटों को लेक्चर दे सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 अगस्त 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण ,कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी सायं 04:39 तक
नक्षत्र : कृतिका सायं 06:43 तक
योग : वृद्धि दोपहर 12:00 तक
करण : गर सायं 04:39 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 06:44 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:47 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:49, सूर्यास्त 06:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 03:23 से, चातुर्मास व्रत वाले मनुष्य को श्रावण मास में हरी सब्जी खाना वर्जित है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जिसके पास बुद्धि होती है, वही पुण्य का अर्जन कर सकता है : राजमतीजी म.सा.

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन श्री संघ, मलकपेट के तत्वावधान में आध्यात्मिक वर्षावास-2026 के अंतर्गत बम्ब सिंघी भवन में परम पूज्य श्रमण संघीय प्रथम युवाचार्य प.पू. गुरुदेव श्री मिश्रीमलजी म.सा. ''मधुकर'' की पावन परम्परा के आज्ञानुवर्ती, श्रमण संघीय सलाहकार उपप्रवर्तक पूज्य श्री विनयमुनिजी म.सा. ''भीम'' के पावन सान्निध्य से प्रेरित जिनशासन चन्द्रिका परम पूज्या गुरुणी मैया श्री लक्ष्मीप्रकाशजी म.सा. की सुशिष्याएँ जिनशासन दीपिका मधुर व्याख्यानी पूज्य श्री राजमतीजी म.सा. ''राजुल'', मुस्कानप्रिय एवं स्पष्ट वक्ता पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. तथा नवदीक्षिता पूज्य श्री जीव्याश्रीजी म.सा. सुख-साता पूर्वक विराजमान हैं।

चातुर्मास संयोजक पारस डोसी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार धर्मसभा का शुभारंभ पूज्य महासती श्री जीव्याश्रीजी म.सा. ने एक प्रेरणादायी गीतिका से किया।

अपने प्रेरक प्रवचन में पूज्य महासती श्री जीव्याश्रीजी म.सा. ने कहा कि यदि जीवन में स्वर्ग प्राप्त करना है तो सबसे पहले अहंकार का त्याग करना होगा। उन्होंने कहा कि कागज, कपड़ा, चट्टान और लोहे को तो काटा या तोड़ा जा सकता है, लेकिन सबसे कठिन कार्य मनुष्य के अहंकार को तोड़ना है।

उन्होंने कहा कि शराब या अन्य नशों का प्रभाव कुछ समय तक रहता है, जबकि अहंकार का नशा व्यक्ति के अंतिम समय तक उसका साथ नहीं छोड़ता। यदि धन का अहंकार हो तो शालीभद्र एवं जम्बूस्वामी को स्मरण करना चाहिए, ज्ञान का अहंकार हो तो गौतम स्वामी का, और रूप, वैभव अथवा परिवार का अहंकार हो तो सनत्कुमार चक्रवर्ती, भगवान शांतिनाथ एवं भगवान कुंथुनाथ को याद करना चाहिए, जिनके पास अपार वैभव और विशाल परिवार होने के बावजूद भी अहंकार नहीं था। उन्होंने कहा कि जीवन को सार्थक और सफल बनाना है तो अहंकार का त्याग अनिवार्य है।

अपने ओजस्वी प्रवचन में पूज्य महासती श्री राजमतीजी म.सा. ने कहा कि व्यक्ति के आचार, विचार और व्यवहार समय के साथ बदल सकते हैं, लेकिन भगवान की वाणी कभी पुरानी नहीं होती। उन्होंने कहा कि भगवान के दरबार में सदैव दीपावली का उत्सव रहता है और जिसकी पुण्यवाणी एवं पुण्य प्रबल होते हैं, उसके जीवन में भी सदैव सुख-समृद्धि का प्रकाश बना रहता है।

उन्होंने मारुदेवी का उदाहरण देते हुए कहा कि जिसके पास बुद्धि होती है, वही पुण्य का अर्जन कर सकता है। मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ है और यह डोर के समान क्षणभंगुर है। यदि मनुष्य जन्म प्राप्त करने के बाद भी व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक न बना सके, तो यह अवसर व्यर्थ हो जाता है।

इसलिए मनुष्य जीवन का सदुपयोग करते हुए अधिक से अधिक पुण्य का उपार्जन करना चाहिए।

जयमल ब्रज मधुकर दरबार में संघ के मंत्री अशोक सिंघवी ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि चातुर्मास के दौरान आयम्बिल एवं एकासना की श्रृंखला निरंतर जारी है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु धर्माराधना में सहभागिता निभा रहे हैं।

कार्यक्रम का समापन मंगल पाठ एवं गुरु वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने धर्मलाभ प्राप्त कर पूज्य साध्वीवृंद से आशीर्वाद ग्रहण किया।

सिकंदराबाद में तप की अनुपम साधना, तीन श्राविकाओं ने ग्रहण किया ग्यारह उपवास का प्रत्याख्यान

मुनिश्री दीप कुमारजी के सान्निध्य में श्रद्धा, संकल्प और आत्मबल का अद्भुत संगम

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद के डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में गुरुवार को तप, त्याग और आध्यात्मिक साधना का प्रेरणादायी दृश्य देखने को मिला। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के विद्वान सुशिष्य मुनिश्री दीप कुमारजी के पावन सान्निध्य में आयोजित प्रातःकालीन प्रवचन के दौरान तीन श्राविकाओं ने श्रद्धा, संकल्प और आत्मबल के साथ ग्यारह उपवास (निराहार तप) का प्रत्याख्यान ग्रहण किया। इस मंगल अवसर पर पूरा सभागार तपोभावना, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर हो उठा।

ग्यारह उपवास की तपस्या का प्रत्याख्यान ग्रहण करने वाली तपस्विनी बहनों में श्रीमती पुष्पाबाई बरड़िया, श्रीमती आरती तलेसरा एवं श्रीमती नीलम कोटेचा प्रमुख रहीं। इस प्रेरणादायी अवसर पर श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद तथा विभिन्न तेरापंथी संस्थाओं द्वारा सभी तपस्वियों का अभिनंदन एवं सम्मान किया गया।

अपने प्रेरक प्रवचन में मुनिश्री दीप कुमारजी ने कहा कि ''श्रावण केवल वर्षा का मौसम नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, संयम और तप का भी श्रेष्ठ काल है। जैन संस्कृति में तप का स्थान अत्यंत ऊँचा है। इतिहास साक्षी है कि असंख्य महापुरुषों ने तप के माध्यम से कर्मों का क्षय कर आत्मोन्नति की दिशा में महान उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं।

उन्होंने कहा कि तपस्या वही कर सकता है, जिसके भीतर अटूट मनोबल, दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास हो। आज के भोग-विलास और स्वाद-प्रधान वातावरण में लगातार ग्यारह दिन तक निराहार रहकर तप करना साधारण बात नहीं, बल्कि आत्मशक्ति, संयम और साधना का अद्वितीय उदाहरण है।

मुनिश्री ने आगे कहा कि तप कभी प्रदर्शन, परम्परा निभाने या किसी दबाव का विषय नहीं है। यह पूर्णतः स्वेच्छा से आत्मशुद्धि और कर्मनिर्जरा की पवित्र भावना से किया जाने वाला आध्यात्मिक अनुष्ठान है। गुरु कृपा से सिकंदराबाद की तप परम्परा निरंतर समृद्ध हो रही है और यह प्रेरणा भविष्य में भी अधिकाधिक साधकों को तप के पथ पर अग्रसर करेगी।''

प्रवचन के समापन पर मुनिश्री दीप कुमारजी ने तप की महिमा पर आधारित अपनी स्वरचित तप-कविता की अत्यंत भावपूर्ण प्रस्तुति दी, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

इस अवसर पर मुनिश्री काव्य कुमारजी ने भी तप की महत्ता पर अपने प्रेरणास्पद विचार व्यक्त करते हुए कहा कि तप आत्मबल को जागृत करने तथा जीवन को आध्यात्मिक ऊँचाइयों तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है।

तपस्विनी बहनों के परिजनों ने भी अपने भाव व्यक्त किए। भक्ति गीतों की मधुर प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान अस्पताल में उपचाररत मरीजों के परिजनों, जरूरतमंदों एवं राहगीरों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से संचालित यह सेवा अभियान मानवता, करुणा और परोपकार का प्रेरणादायी उदाहरण बन चुका है। ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि जरूरतमंद की सहायता करना सबसे बड़ा धर्म है और सेवा का यह क्रम भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने सभी समाजबंधुओं से ऐसे सेवा कार्यों में आगे आकर अपना सहयोग देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भावरलाल गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी ने श्रद्धा, समर्पण और सेवा भाव के साथ भोजन वितरण कर जरूरतमंदों का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम का समापन राधे-राधे के जयघोष के साथ हुआ।

मंचेरियाल में भाजयुमो ने फीस रीइंबर्समेंट जारी करने की मांग को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

मंचेरियाल, 6 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के नेतृत्व में मंचेरियाल शहर में ''फीस की बकाया राशि, भाजपा की लड़ाई'' कार्यक्रम के तहत विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। लगभग 40 लाख विद्यार्थियों की लंबित करीब 14 हजार करोड़ रुपये की फीस रीइंबर्समेंट और छात्रवृत्ति राशि तत्काल जारी करने की मांग को लेकर कार्यकर्ताओं ने शहर की मुख्य सड़कों पर विशाल रैली निकाली और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष रघुनाथ वेराबेल्ली ने आरोप लगाया कि बीआरएस और वर्तमान कांग्रेस सरकार ने फीस और छात्रवृत्ति राशि जारी नहीं की, जिससे छात्र उच्च शिक्षा और रोजगार में बाधाओं का सामना कर रहे हैं। उन्होंने तत्काल राशि जारी करने और अन्यथा राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी। इस मौके पर भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष गणेश कुंडे और जिला अध्यक्ष नगुनूरी वेंकटेश्वर गौड़ भी मौजूद थे

वामसी कृष्णा ने सहारा पीड़ितों के विरोध प्रदर्शन में भाग लिया

पेद्दापल्ली, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली के सांसद श्री गद्दम वामसीकृष्णा ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर सहारा पीड़ितों द्वारा आयोजित विशाल विरोध प्रदर्शन में भाग लिया और उनके प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त की। यह प्रदर्शन देशभर के लाखों जमाकर्ताओं, एजेंटों और समर्थकों द्वारा अपनी मेहनत की कमाई की तत्काल वापसी की मांग करते हुए निकाला गया था। सांसद वामसीकृष्णा ने इसमें सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। इस अवसर पर पीड़ितों को संबोधित करते हुए सांसद गद्दाम वामसीकृष्णा ने कहा कि उन जमाकर्ताओं के मुद्दे का समाधान करना अत्यंत आवश्यक है, जो कई वर्षों से अपने पैसे का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे इस मुद्दे को केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों के ध्यान में लाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे, ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि लोगों की मेहनत से कमाई गई धनराशि समय पर प्राप्त हो और पीड़ितों की शिकायतों का सकारात्मक समाधान हो।

सांसद गद्दाम वामसीकृष्णा ने स्पष्ट किया कि उनका मुख्य उद्देश्य जन समस्याओं का समाधान करना है और एक जन प्रतिनिधि के रूप में यह उनका दायित्व है कि वे अन्याय का शिकार हुए हर समूह के साथ खड़े रहें। प्रदर्शनकारियों का मानना था कि सांसद वामसीकृष्णा की इस विरोध प्रदर्शन में भागीदारी ने सहारा पीड़ितों को और अधिक साहस तथा आत्मविश्वास प्रदान किया है।

पेद्दापल्ली नगर कार्यालय में आचार्य जयशंकर सर की जयंती मनाई गई

पेद्दापल्ली, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। आज पेद्दापल्ली नगर कार्यालय में तेलंगाना विचारधारा के संस्थापक आचार्य जयशंकर सर की जयंती बड़े ही श्रद्धापूर्ण वातावरण में मनाई गई।

मानद नगर अध्यक्ष नुगिला मल्लैया मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए और आचार्य जयशंकर सर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बोलते हुए अध्यक्ष नुगिला मल्लैया ने कहा कि प्रोफेसर जयशंकर सर ने 1969 के तेलंगाना आंदोलन और उससे पहले मुल्की आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया था। उन्होंने एक अलग तेलंगाना राज्य के गठन के लिए अथक परिश्रम किया तथा इस विषय पर कई पुस्तकें भी लिखीं। उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि 11 जून 2011 को एक अलग तेलंगाना राज्य के गठन से पहले ही उनका निधन हो गया, जो अत्यंत दुखद था।कार्यक्रम में नगर आयुक्त अकुला वेंकटेश, नगर नियोजन अधिकारी नरेश, वरिष्ठ सहायक श्रीशैलम, लेखाकार नागमणि, कनिष्ठ सहायक जनार्दन, रमाकांत, सुरेंद्र गारू, वार्ड अधिकारी, नगर निगम कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पेद्दापल्ली में 1 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र 10 अगस्त तक चालू होगा

पेद्दापल्ली, 6 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने कालवा श्रीरामपुर मंडल में पीएम-कुसुम योजना के तहत निर्मित 1 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को संयंत्र की शेष प्रक्रियाएं जल्द पूरी करने और 10 अगस्त तक बिजली उत्पादन शुरू करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए यह परियोजना महत्वपूर्ण है और सभी विभागों को समन्वय से कार्य पूरा करना चाहिए। इस अवसर पर तहसीलदार, पैक्स अध्यक्ष, एएमसी अध्यक्ष, पैक्स सीईओ, और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जानें भगवान शिव को क्यूं नहीं चाढाए जाते ये 5 किस्म के चढावे

केतकी के फूल-एक बार ब्रहमाजी व विष्णुजी में विवाद छिड गया कि दोनों में श्रेष्ठ कौन है। ब्रहमाजी सृष्टि के रचयिता होने के कारण श्रेष्ठ होने का दावा कर रहे थे और भगवान विष्णु पूरी सृष्टि के पालनकर्ता के रूप में स्वयं को श्रेष्ठ कह रहे थे।

तभी वहां एक विराट लिंग प्रकट हुआ। दोनों देवताओं ने सहमति से यह निश्चय किया गया कि जो इस लिंग के छोर का पहले पता लगाएगा उसे ही श्रेष्ठ माना जाएगा। अत: दोनों विपरीत दिशा में शिवलिंग की छोर ढूढंने निकले। छोर न मिलने के कारण विष्णुजी लौट आए। ब्रहमा जी भी सफल नहीं हुए परंतु उन्होंने आकर विष्णुजी से कहा कि वे छोर तक पहुँच गए थे।

उन्होंने केतकी के फूल को इस बात का साक्षी बताया। ब्रहमा जी के असत्य कहने पर स्वयं शिव वहाँ प्रकट हुए और उन्होंने ब्रहमाजी की एक सिर काट दिया, और केतकी के फूल को श्राप दिया कि शिव जी की पूजा में कभी भी केतकी के फूलों का इस्तेमाल नहीं होगा।

तुलसी-शिव पुराण के अनुसार जालंधर नाम का असुर भगवान शिव के हाथों मारा गया था।

जालंधर को एक वरदान मिला हुआ था कि वह अपनी पत्नी की पवित्रता की वजह से उसे कोई भी अपराजित नहीं कर सकता है। लेकिन जालंधर को मरने के लिए भगवान विष्णु को जालंधर की पत्नी तुलसी की पवित्रता को भंग करना पडा। अपने पति की मौत से नाराज तुलसी ने भगवान शिव का बहिष्कार कर दिया था ।

नारियल पानी शिव जी की पूजा नारियल से होती है लेकिन नारियल पानी से नहीं। क्योंकि शिवलिंग पर चढाई जाने वाली सारी चीजें निर्मल होनी चाहिए यानि जिसका सेवन ना किया जाए। नारियल पानी देवताओं को चढाये जाने के बाद ग्रहण किया जाता है इसीलिए शिवलिंग पर नारियल पानी नहीं चढाया जाता है।

हल्दी-शिवलिंग पर हल्दी कभी नहीं चढाई जाती है क्योंकि यह महिलाओं की सुंदरता को बढाने के लिए इस्तेमाल होती है। और शिवलिंग भगवान शिव का प्रतीक है।

कुमकुम-सिंदूर या कुमकुम हिंदू महिलाएं अपने पति की लम्बी उम्र के लिए लगाती हैं। जैसा की हम जानते हैं कि भगवान शिव विध्वंसक के रूप में जाने जाते हैं इसलिए शिवलिंग पर कुमकुम नहीं चढाया जाता है।

क्यों महिलाएं पैर में पहनती है बिछिया, क्या इसके वैज्ञानिक तर्क भी है

भारत एक ऐसा देश है जहां पर विभिन्न धर्म है। इन धर्मों में कई तरह के रीति-रिवाज और परंपराए है। खासतौर में हिंदू धर्म में। हिंदू धर्म एक ऐसा धर्म है जिसमें आज हर शुभ काम हो या फिर कोई खास मौका सभी में रिवाज होता है। लेकिन आप जानते है कि इन सभी कामों से हमारे शरीर को कितना फायदा मिलता है। साथ ही इससे हमारे दिमाग में भी अधिक प्रभाव पडता है। हिंदू धर्म में एक चीज सबसे अलग है वो है किसी महिला का सोलह श्रृंगार।

जो पूरी दुनिया में भी फेमस है। इस सोलह श्रृंगार में माथे की बिंदी से लेकर पांव में पहनी जाने वाली बिछिया तक होता है। हर एक चीज का अपना एक महत्व है। परंपराओं की दृष्टि से तो इनके महत्व रोचक हैं। जानिए पांव में पहने जाने वाली बिछिया के पीछे क्या है कारण साथ ही वैज्ञानिक तर्क क्या है।

बिछिया जिसे हिंदू और मुस्लमान दोनों धर्म की महिलाएं पहनती है। कई लोग तो इसे सिर्फ शादी का प्रतीक चिंह ही मानते है, लेकिन क्या आप जानते है कि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी है। शायद ही आपको यह बात पता हो कि इसे पहनने का सीधा संबंध उनके गर्भाशय से है।

विज्ञान में माना जाता है कि पैरों के अंगूठे की तरफ से दूसरी अंगुली में एक विशेष नस होती है जो गर्भाशय से जुडी होती है। यह गर्भाशय को नियंत्रित करती है और रक्तचाप को संतुलित कर इसे स्वस्थ रखती है। प्राचीनकाल में स्त्रियों व लडकियों को पायल एक संकेत मात्र के लिए पहनाया जाता था।

जब घर के सदस्य के साथ बैठे होते थे तब यदि पायल पहने स्त्री की आवाज आती थी तो वह पहले से सतर्क हो जाते थे ताकि वह व्यवस्थित रूप से आने वाली उस महिला का स्वागत कर सकें पायल की वजह से ही सभी को यह एहसास हो जाता है कि कोई महिला उनके आसपास है अत: वे शालीन और सभ्य व्यवहार करें। ऐसी सारी बातों को ध्यान में रखते हुए लडकियों के पायल पहनने की परंपरा लागू की गई।

वहीँ, वास्तु के अनुसार, पायल व बिछिया की आवाज से घर में नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव कम हो जाता है इसके अलावा दैवीय शक्तियां अधिक सक्रिय हो जाती है यह भी इसका एक कारण हो सकता है। इसके अलावा पायल की धातु हमेश पैरों से रगडाती रहती है जो स्त्रियों की हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद है। इससे उनके पैरों की हड्डी को मजबूती मिलती है। बिछिया को कई लोग तो इसे सिर्फ शादी का प्रतीक चिंह ही मानते है, लेकिन इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी यही है कि इसे पहनने का सीधा संबंध उनके गर्भाशय से है।

विज्ञान में माना जाता है कि पैरों के अंगूठे की तरफ से दूसरी अंगुली में एक विशेष नस होती है जो गर्भाशय से जुडी होती है। यह गर्भाशय को नियंत्रित करती है और रक्तचाप को संतुलित कर इसे स्वस्थ रखती है। बिछिया के दबाव से रक्तचाप नियमित और नियंत्रित रहती है और गर्भाशय तक सही मात्रा में पहुंचती रहती है। यह बिछिया अपने प्रभाव से धीरे-धीरे महिलाओं के तनाव को कम करती है, जिससे उनका मासिक-चक्र नियमित हो जाता है। साथ ही इसका एक और फायदा है। इसके अनुसार बिछिया महिलाओं के प्रजनन अंग को भी स्वस्थ रखने में भी मदद करती है। बिछिया महिलाओं के गर्भाधान में भी सहायक होती है।

शास्त्रों में कहा गया है कि दोनों पैरों में चांदी की बिछिया पहनने से महिलाओं को आने वाली मासिक चक्र नियमित हो जाती है। इससे महिलाओं को गर्भ धारण में आसानी होती है। चांदी विद्युत की अच्छी संवाहक मानी जाती है। धरती से प्राप्त होने वाली ध्रुवीय उर्जा को यह अपने अंदर खींच पूरे शरीर तक पहुंचाती है, जिससे महिलाएं तरोताजा महसूस करती हैं।

देवी सरस्वती ब्रहमाजी की पुत्री और पत्नी हैं

देवी सरस्वती ब्रहमाजी की पुत्री और पत्नी हैं। इस बात का विस्तार से उल्लेख हिंदू धर्म ग्रंथो में मिलता है। देवी सरस्वती को कला की देवी मानी जाती हैं। उन्हें वाक् देवी भी कहा जाता है, वह इसलिए क्योंकि उन्होंने ज्ञान और शब्दों की रचना की है। देवी सरस्वती का वाहन हंस है।

वह कमल पर विराजती हैं। वीणा उनके हाथों में हमेशा मौजूद रहती है। हिंदू धर्म ग्रंथों में उल्लेखित एक पौराणिक कहानी के अनुसार वीणा का सृजन स्वयं भगवान शिव ने पार्वती देवी के रूप को समर्पित करते हुए किया था। अमूमन धार्मिक काव्य ग्रंथों में सौंदर्य के प्रसंग में वीणा का उल्लेख होता है। वैदिक साहित्य में वीणा का उल्लेख बारंबार संगीत के संदर्भ में होता है। मध्यकाल तक भी विभिन्न कलात्मक कृतियों में वीणा को शास्त्रीय संगीत से जोडा जाता रहा। उत्तर भारत में वीणा का स्थान प्राय: सितार ने लिया किंतु दक्षिण भारत में वीणा आज तक लोकप्रिय माना जा सकता है।

देवी सरस्वती की पूजा भारत ही नहीं बल्कि दक्षिण एशिया के देशों थाइलैण्ड, इण्डोनेशिया, जापान एवं अन्य देशों में भी होती है। जापान में 'बेंजाइटन', म्यांमार में 'थुयथदी' और 'तिपिटक मेदा', चीन में 'बियानचाइत्यान' और थाईलैण्ड में देवी सरस्वती को 'सुरसवदी' के नाम से भी जाना जाता है।

हर शुभ अवसर पर हम ज़्यूं करते हैं फूलों का प्रयोग।

हमारे देश में हम हर शुभ कार्यों में फूलों का इस्तेमाल करते हैं फिर चाहे वह कोई पूजा हो, घर को सजाना हो या शादी हो, हर शुभ अवसर पर फूलों का इस्तेमाल अच्छा माना जाता है। ईश्वर की भक्ति में हम फूलों का इस्तेमाल सबसे ज्यादा करते हैं, क्योंकि यह माना जाता है कि इससे भगवान खुश होंगे और हमे आशीर्वाद देंगे। हर भगवान का अपना महत्व होता है, और उन पर चढाने वाले फूलों का भी। गेंदा, गुडहल और कमल के फूलों का हम पूजा में सबसे ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, माना जाता है कि फूलों की महक और रंगों से भगवान खुश होतें हैं और हमे आशीर्वाद देतें हैं जिससे हमारे घर में पॉजिटिव एनर्जी आती है।

उत्तर दिशा में क्यों नहीं सोना चाहिए, जानें कारण

1.देवी पार्वती: यह कहा जाता है कि जब देवी पार्वती स्नान करने गयीं तो उन्होंने भगवान गणेश को द्वार पर खडे रह निगरानी करने को कहा और किसी को अंदर न आने देने का निर्देश दिया। जब शिव भगवान पार्वती जी से मिलने आये और भगवान गणेश से अंदर जाने देने को कहा।

2.गणेश और शिव की लडाई:पर गणेश आज्ञाकारी पुत्र थे और यह जानते हुए भी कि वह देवी पार्वती के पति हैं, उन्होंने शिव को अंदर जाने नहीं दिया।

3.शिव ने गणेश का सर काटा:जब पार्वती बाहर आयीं और दोनों को देखा,तो दोनों को बहस करते देख उन्हें झटका लगा। शिव ने अपना आपा खो दिया और अपने सेवकों को गणेश का सर कलम करने का निर्देश दिया।

4. आगबबूला हुई पार्वती:पार्वती आगबबूला हो गयीं और पूरी सृष्टि के विनाश करने का फैसला किया। ब्रहमा जी ने उन्हें शांत किया और बाद में पार्वती को खुश करने के लिए शिव जी ने निर्देश दिया कि ऐसे जानवर का सर लाओ जो उत्तर दिशा में मुंह कर सो रहा हो।

5. उत्तर दिशा:भगवान शिव के निर्देश के अनुसार, सेवक ऐसे जानवर को ढूंढने निकले जो उत्तर दिशा की ओर मुंह कर सो रहे थे।

6. हाथी का सर:भगवान शिव के सेवकों को एक हाथी दिखा जो उत्तर दिशा की ओर मुंह कर सो रहा था। उन्होंने उस हाथी का सर धार से अलग कर दिया और भगवान शिव को देने चले।

7. भगवान गणेश:भगवान शिव ने तब भगवान गणेश के धर पर हाथी का सर लगा कर उन्हें जीवन प्रदान किया।

और बाद में भगवान गणेश को सब पूजने लगे क्यूंकि भगवान शिव ने पार्वती जी को यह वचन दिया कि पुत्र गणेश की पूजा लोग पहले करेंगे।

8. सोने के लिए सबसे उत्तम दिशा: इसलिए, हिन्दू मान्यता के अनुसार सबसे उत्तम सोने की मुद्रा है बायीं ओर को होकर पूरब या पश्चिम दिशा में सोना। यह रक्त का प्रवाह बढाता है और आपके समस्त खैरियत का ध्यान रखता है।

बजरंगबली की माता अंजना को दुर्वासा ऋषि ने वानरी होने का शाप दिया था

भगवान श्रीराम के भक्त हनुमानजी उनके भाई की तरह हैं। इसके पीछे पौराणिक मत है। जिसका प्रमाण है गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित 'श्रीरामचरितमानस' में मिलता है। यह प्रमाण एक पौराणिक कथा के रूप में उल्लेखित है। लेकिन बजरंगबली के 5 सगे भाई भी थे। पांचों विवाहित थे, इस बात का विस्तार से उल्लेख 'ब्रहमांडपुराण' में मिलता है। जहां बजरंगबली के पिता केसरी के वंश का वर्णन है। पांचों भाईयों में बजरंगबली सबसे बडे थे। यानी हनुमानजी को शामिल करने पर वानर राज केसरी के 6 पुत्र थे।

जब कि उनके बाद क्रमश: मतिमान, श्रुतिमान, केतुमान, गतिमान, धृतिमान थे। इन सभी की संतान भी थीं। जिससे इनका वंश वर्षों तक चला। हनुमानजी के बारे जानकारी वैसे तो रामायण, श्रीरामचरितमानस, महाभारत और भी कई हिंदू धर्म ग्रंथों में मिलती है। लेकिन उनके बारे में कुछ ऐसी भी बातें हैं जो बहुत कम धर्म ग्रंथों में उपलब्ध है 'ब्रहमांडपुराण' उन्हीं में से एक है। इसी ग्रंथ में उल्लेख है कि बजरंगबली के पिता केसरी ने अंजना से विवाह किया था। केसरी वानर राज थे।

कौन थीं अंजना। हिंदू पौराणिक ग्रंथों में माता अंजना के बारे में लिखा है कि वह पहले पहले इन्द्र की सभा में पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा थी। जब दुर्वासा ऋषि भी इन्द्र की सभा में उपस्थित थे, तो वह बार-बार भीतर आ-जा रही थी। इससे रुष्ट होकर ऋषि ने उसे वानरी हो जाने का शाप दे डाला।

जब उसने बहुत अनुनय-विनय की, तो उसे इच्छानुसार रूप धारण करने का वर मिल गया। इसके बाद गिरज नामक वानर की पत्नी के गर्भ से इसका जन्म हुआ और अंजना नाम पडा। फिर वानर राज केसरी नाम के वानर से इनका विवाह हुआ और पुत्र के रूप में उन्होंने महाबलशाली और भगवान शिव के रुद्र रूप हनुमानजी को पुत्र रूप में पाया।

कृष्ण का आभामंडल नीला क्यों।

कृष्ण की हर छवि में एक नीलिमा जरूर दिखाई जाती है। एक व्यक्ति या एक व्यक्तित्व के रूप में उनके साथ आखिर क्यों जुडा है यह रंग क्या है इस रंग की खासियत आइए जानते हैं-

नीला रंग विस्तार को दर्शाता है। आप देखेंगे कि इस जगत में जो कोई भी चीज बेहद विशाल और आपकी समझ से परे है, उसका रंग आमतौर पर नीला है, चाहे वह आकाश हो या समुंदर। जो कुछ भी आपकी समझ से बडा है, वह नीला होगा, क्योंकि नीला रंग सब को शामिल करने का आधार है। आपको पता ही है कि कृष्ण के शरीर का रंग नीला माना जाता है। इस नीलेपन का मतलब जरूरी नहीं है कि उनकी त्वचा का रंग नीला था। हो सकता है, वे श्याम रंग के हों, लेकिन जो लोग जागरूक थे, उन्होंने उनकी ऊर्जा के नीलेपन को देखा और उनका वर्णन नीले वर्ण वाले के तौर पर किया। आमतौर पर देखें तो पुरुष का स्वभाव ही ऐसा होता है कि अगर उसमें प्रेम का अहसास जागने लगे तो वह बेवकूफियों से भरी मजेदार हरकतें करने लगता है। जबकि किसी स्त्री के साथ अगर ऐसा हो तो वह और भी सुंदर लगने लगती है। कृष्ण की पकृति के बारे

में की गई सभी व्याख्याओं में नीला रंग आम है, क्योंकि सभी को साथ लेकर चलना उनका एक ऐसा गुण था, जिससे कोई भी इनकार नहीं कर सकता। वह कौन थे, वह क्या थे, इस बात को लेकर तमाम विवाद हैं, लेकिन इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि उनका स्वभाव सभी को साथ लेकर चलने वाला था। चूंकि श्रीकृष्ण की ऊर्जा या यूं कहिए कि उनके प्रभामंडल का सबसे बाहरी घेरा नीला था, इसीलिए उनमें गजब का आकर्षण था। उनके आकर्षक होने की वजह उनकी नाक का सुडौल होना या उनकी आंखों की खूबसूरती नहीं थी। दुनिया में अच्छी नाक, सुंदर आंखों वाले और खूबसूरत कद-काठी के कितने ही लोग हैं, लेकिन उन सभी में उतना आकर्षण नहीं होता। यह किसी व्यक्ति विशेष के प्रभामंडल की नीलिमा है, जो अचानक उसे जबर्दस्त तरीके से आकर्षक बना देती है। लोग कहते हैं कि कृष्ण प्रत्यक्ष रूप से नीले थे, लेकिन यह तीन हजार साल पुरानी जनश्रुति है। उनकी नीलिमा या सबको सम्मोहित करने की उनकी क्षमता कुछ ऐसी थी कि जो लोग उनके कट्टर दुश्मन हुआ करते थे, अनजाने में ही सही, लेकिन वे भी उनके सामने हार मान लेते थे। नीला रंग विस्तार को दर्शाता है। आप देखेंगे कि इस जगत में जो कोई भी चीज बेहद विशाल और आपकी समझ से परे है, उसका रंग आमतौर पर नीला है, चाहे वह आकाश हो या समुंदर।वे उन लोगों को भी आसानी से अपनी तरफ कर लेते थे, जो उन्हें बुरा कहते थे और न जाने कितनी ही बार उन्हें मारने की कोशिश कर चुके थे। हालांकि उनके और भी कई पहलू थे, लेकिन उनकी व्यक्तित्व की यह नीलिमा लगातार उनके हर काम में मदद करती थी। इसी वजह से वे बेहद सम्मोहक बन गए थे। चाहे आदमी हो या औरत, हर कोई शर्मो-हया छोड कर उनके प्रेम में पागल हो जाता था। लोग उन पर से अपनी नजरें नहीं हटा पाते थे। महिलाएं तो एक कदम और आगे थीं। पुरुषों के साथ यह दुर्भाग्य रहा है कि वे अपने प्रेम को आसानी से व्यक्त नहीं कर पाते। केवल एक शब्द कहने में ही आदमी की सारी उम्र निकल जाती है, लेकिन कृष्ण ऐसे नहीं थे। वह पूरी आजादी से खुद को व्यक्त करते थे। वैसे मुझे भी ऐसा करने में कोई समस्या नहीं होती। आमतौर पर देखें तो पुरुष का स्वभाव ही ऐसा होता है कि अगर उसमें प्रेम का अहसास जागने लगे तो वह बेवकूफियों से भरी मजेदार हरकतें करने लगता है। जबकि किसी स्त्री के साथ अगर ऐसा हो तो वह और भी सुंदर लगने लगती है। पुरुष प्रेम में खुद को अजीब और असहज महसूस करने लगता है। वह प्रेम नहीं चाहता, बस प्रेम-क्रीडा करना चाहता है।

क्या हनुमान जी के एक पुत्र था। आइये जानें

हनुमान जी और मछली वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण के अनुसार एक बार हनुमान जी नदी में स्नान कर रहे थे तब शरीर में पैदा हुई गर्मी के कारण उनका पसीना पानी में गिर गया। यह बहता हुआ एक मछली जैसे जीव के पास जाकर उसके शरीर में प्रवेश कर गया और इससे उसे एक पुत्र की प्राप्ति हुई। इसके बाद, रावण के भाइयों अहिरावण और महिरावण को यह बच्चा नदी के किनारे मिला जिसका आधा शरीर एक वानर का और आधा एक मछली का था। इस प्रकार मकरध्वज की उत्पत्ति हुई।

मकरध्वज-वाल्मीकि रामायण के अनुसार जब अहिरावण राम और लक्ष्मण को लेकर पाताल में चला गया तो हनुमान जी उन्हें बचाने के लिए गए थे। लेकिन दरवाजे पर ही उन्हें आधे वानर और आधे मछली जैसे जीव ने चुनौती दी उसने अपना नाम मकरध्वज और वीर हनुमान का पुत्र बताया। आश्चर्य में हनुमान जी एक वफादार रखवाले-हनुमान जी ने मकरध्वज को कहा के वे उन्हें भगवान राम और लक्ष्मण को बचाने के लिए आगे जाने दें लेकिन पिता होने के बावजूद भी उन्हें आगे नहीं जाने दिया। उसने कहा कि वह अपने मालिक अहिरावण को धोखा नहीं दे सकता। इसके बदले उसने जिस दरवाजे में राम और लक्ष्मण कैद थे उससे सम्बंधित पहेली पूछी और सही जवाब देने पर आगे जाने दिया।

मच्छानु-रामायण के कम्बोडिया और थाईलैंड संस्करण में बताया गया है कि हनुमान के पुत्र का नाम मच्छानु था जिसका जन्म हनुमान जी रावण की जलपरी सुवण्णमच्छा के साथ मिलन से हुआ। इसी प्रकार के अन्य संकरणों में भी पसीने से ही इसकी उत्पत्ति बताई गई है लेकिन इनके अनुसार वह पसीना मछली को नहीं बल्कि एक जलपरी को लगा था। कई जगह तो यह भी बताया गया है कि लंका के लिए पुल का निर्माण करते समय हनुमान जी को सुवण्णमच्छा से प्यार हो गया था और उनके मिलन से मच्छानु का जन्म हुआ।

जब हनुमान जी अपने पुत्र से मिले-रामायण के थाई और कम्बोडियन संस्करणों के अनुसार रावण की सेना युद्ध करते समय हनुमान जी का सामना एक ऐसे योद्धा से हुआ जिसका आधा शरीर वानर का और आधा मछली का था। बहुत देर तक चले युद्ध के बाद जब हनुमान जी ने अपनी गदा से उस पर वार करना चाहा तो आकाश में एक सुनहरा सितारा चमका और आकाशवाणी हुई कि जिसे तुम मारने जा रहे हो वह तुम्हारा अपना पुत्र है जो कि रावण की जलपरी सुवण्णमच्छा से तुम्हारे मिलन से पैदा हुआ है। हनुमान जी का गदा वहीं का वहीं रह रह और उन्होंने एक दूसरे को इस तरह पहचाना।

घर में लानी हैं खुशियां तो बेडरुममें ऐसे रखें शीशा

हमारे बेडरूम में शीशा रखना आम बात है, ज्यातादर घरों में ड्रेसिंग टेबल बेडरूम में रखे जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बेडरूम में शीशा रखना अच्छा नहीं माना जाता है। हालांकि अगर शीशे को ठीक तरीके से रखा जाए तो आपके घर और जिंदगी में भी सुख-समृद्धि आएगी। बेडरूम में ड्रेसिंग टेबल ऐसी जगह रखें कि शीशे में आपके बेड की परछाई न दिखे। कहा जाता है कि शीशे में बेड का रिफलेक्शन दिखने से पति-पत्नी की लाइफमें किसी तीसरे की एंट्री हो सकती है। बाथरूम में शीशा लगाने से निगेटिव एनर्जी दूर होती है। यहां आप बडे साइज का शीशा लग सकते हैं। सीढियों के साथ ही दीवार पर भी लंबा शीशा लगाने से घर में पॉजिटिव एनर्जी आती है।

झपकी से बढ़ती है याददाश्त

दिन में थोड़ी सी झपकी लेने से याददाश्त बढ़ती है। इस अध्ययन के लिए दो समूहों में लोगों को बांटकर कुछ को सार्थक और कुछ को निरर्थक शब्द याद करने के लिए कहा। इसके बाद एक समूह को कुछ देर झपकी लेने कहा जबकि दूसरे समूह को टीवी पर अपनी पसंद का कार्यक्रम देखने के लिए कहा। जिस वर्ग ने झपकी ली थी, वह कठिन शब्दों को याद रखने में कामयाब रहा, जबकि दूसरा वर्ग कम शब्दों को याद रख पाया।

शराब छोड़ना चाहते हैं, तो धूम्रपान को कहें ना!

यदि आप शराब छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, तो सिगरेट छोड़ने पर ध्यान दीजिए, यह आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होगा। धूम्रपान करने वालों द्वारा धूम्रपान न करने वालों की तुलना में शराब का सेवन दोबारा शुरू करने का जोखिम अधिक होता है। धूम्रपान छोड़ने वाले किसी भी व्यक्ति के स्वास्थ्य में सुधार होता है। शराब की आदत से छुटकारा पाने वाले वयस्क व्यक्ति का सिगरेट की लत से छुटकारा पाना अधिक महत्वपूर्ण है।

रीढ़ की हड्डी की चोट से मस्तिष्क को खतरा

रीढ़ की हड्डी में आई चोट प्रगतिशील मस्तिष्क को विकृत कर सकती है। यह बात एक नई रिसर्च में सामने आई है। एससीआई संज्ञात्मक समस्याओं और अवसाद के साथ व्यापक और निरंतर मस्तिष्क में सूजन पैदा कर सकती हैं, जिससे तंत्रिका कोशिकाओं की प्रगति बाधित होती है। पृथक एससीआई से प्रमुख मस्तिष्क क्षेत्रों में मस्तिष्क कोशिकाओं की प्रगति में नुकसान हो सकता है।

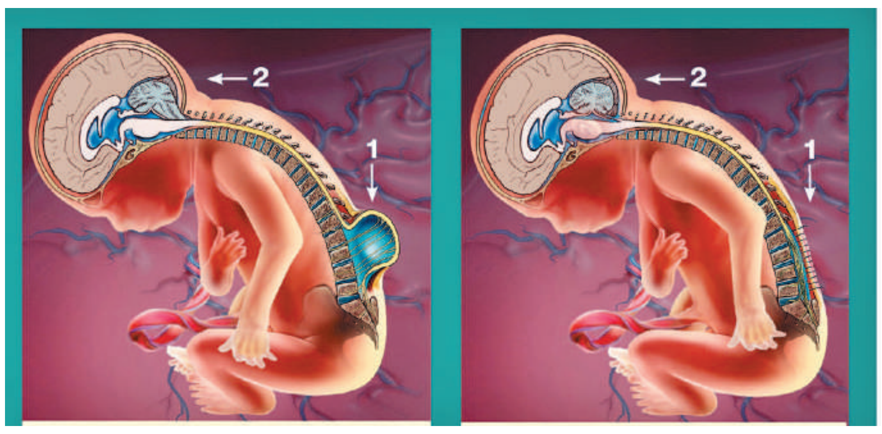

जन्मदोष बीमारी है स्पाइना बिफिडा

स्पाइना बिफिडा जन्मदोष है जो तंत्रीकीय नाल की विकृति है। इसमें रीढ़ की हड्डी या मेरु रज्जु में एक दरार युक्त घेरा बना होता है। स्पाइना बिफिडा भ्रूण न्यूरल ट्यूब के अधूरे समापन के कारण होता है। स्पाइना बिफिडा शब्द लैटिन शब्द स्पाइना से बना है जिसका मतलब स्पाइन या रीढ़ होता है। इसी तरह बिफिडा का मतलब दरार होता है। इस लेख में हम लोग स्पाइना बिफिडा के कारण, लक्षण और इसके उपचार के बारे में जानेंगे।

क्या है स्पाइना बिफिडा?

गर्भाधारण के पहले महीने में भ्रूण प्राथमिक ऊतक में बदलना शुरू होता है जिसे न्यूरल ट्यूब कहते हैं। फिर इसमें नर्व, ऊतक और हड्डियां बनने लगती हैं जो नर्वस सिस्टम और स्पाइन में बदलती है। यहीं से स्पाइना बिफिडा की समस्या शुरू होती है अगर ट्यूब अधूरा बंद होता है जिससे स्पाइन में किसी तरह की दरार बन जाती है।

स्पाइना बिफिडा से जुड़े तथ्य

- स्पाइना बिफिडा स्पाइनल कॉलम से जुड़ा जन्मदोष है। माइलोमेनिंगोसील एक गंभीर तरह का स्पाइना बिफिडा है।
- 1,000 में से एक बच्चा माइलोमेनिंगोसील स्पाइना बिफिडा के साथ पैदा होता है।
- स्पाइना बिफाडा में, स्पाइनल कॉलम संक्रमत होने के लिए काफी असंवेदनशील माना जाता है क्योंकि ये खुला होता है।
- मरीज बहुत ही ज्यादा सेरेब्रोस्पाइनल फ्लुइड पैदा करते हैं जिससे हाइसिफेलस बन जाता है।
- हाइसिफेलस से ये और भी अधिक खतरनाक हो जाता है।
- स्पाइना बिफिडा के सही कारण का अब तक पता नहीं चला है।
- डायबिटिज से पीड़ित महिलाओं को स्पाइना बिफिडा ग्रस्त बच्चे पैदा होने के ज्यादा चांस होते हैं।
- इसमें दरार वाली जगह के नीचे की पेशियां कमजोर हो जाती हैं या उसके नीचे के हिस्से में लकवा मार जाता है। कई मामलों में मल-मूत्र विसर्जन पर नियंत्रण नहीं रह जाता।

तीन तरह का है स्पाइना बिफिडा

स्पाइना बिफिडा ओक्युल्टा- रीढ़ की हड्डियों को नुकसान पहुंचा बिना उसमें एक छेद होता है।

मेनिंगोसील- रीढ़ की हड्डी में एक छेद होता है जिससे मेरुरज्जु की सुरक्षा कवच में दबाव के कारण वो थैली के रूप में बाहर बनकर आ जाती है। इसे मेनिंगोसील कहते हैं। इसमें मेरुरज्जु सुरिक्षत रहती है और नर्वस सिस्टम को मामूली क्षति पहुंचाकर या बिना कोई क्षति पहुंचाए इसकी मरम्मत की जा सकती है।

माइलोमेनिंगोसील- यह गंभीर तरह का स्पाइना बिफिडा है। इसमें मेरुरज्जु का एक हिस्सा पीठ की तरफ़ से बाहर निकल कर आ जाता है। कुछ मामलों में ये स्पाइना बिफिडा पुटिका त्वचा से ढंकी रहती है, तो कुछ में ऊतक और तंत्रिकाएं अनावृत हो जाती हैं।

लक्षण

- स्पाइना बिफिडा के लक्षण इसकी गंभीरता पर निर्बर करते हैं।
- स्पाइना बिफडा ओक्युल्टा में किसी भी तरह के लक्षण देखने को नहीं मिलते।
- कई मामलों में हल्का सा दोष मेरुरज्जु में देखने को मिलता है जैसे बालों का उगना, डिम्पल या उस स्थान पर हल्का सा फैट जमना।

क्या हैं उपचार

- स्पाइना बिफिडा से पीड़ित बच्चा किसी भी परिवार में पैदा हो सकता है।
- गर्भावस्था में औरतों को चीजों का सेवन सोच-समझकर करना चाहिए। चीजें गर्भ को काफी प्रभावित करती हैं।
- गर्भावस्था के पहले और शुरुआती समय में फ़ॉलिक एसिड के सेवन करने से गर्भास्थ शिशु के स्पाइना बिफ़डि और दूसरे तंत्रिका नाल विकारों से ग्रस्त होने की संभावना कम होती है।

आखिर क्यों होता है हाथी पांव ?

दुनिया में अजीब-अजीब तरह की बीमारियां है जिसके बारे में सोच कर ही इंसान की रुहें कांप जाती हैं। ऐसे में सोचा जा सकता है कि जब ये किसी को हो तो उसकी क्या हालत होगी? इन्हीं अजीब बीमारियों की गिनती में सबसे पहले फाइलेरिया की गिनती होती है जिसे आम भाषा में हाथी का पांव भी कहा जाता है। दरअसल इसमें इंसान के शरीर का कोई भाग हाथी या हाथी के पांव की तरह मोटा होने लगता है। इस लेख में इस बीमारी के बारे में विस्तार से जानें।

क्या है फाइलेरिया या हाथी पांव

फाइलेरिया या फाइलेरियासिस परजीवी के कारण होने वाला रोग है। ये परजीवी धागे के समान दिखता है जिसे फाइलेरिओडी (Filarioidea) कहते हैं। यह एक तरह का संक्रामक उष्णकटिबन्धीय रोग है मतलब ये गर्म प्रदेशों में अधिक होता है। इसलिए यह बीमारी पूर्वी भारत, मालाबार और महाराष्ट्र के पूर्वी इलाकों में बहुत अधिक फैली हुई है।

क्यूलैक्स मच्छर इसका कारक

- सामान्य तौर पर क्यूलैक्स मच्छर को इस बीमारी का कारक माना जाता है।
- यह कृमिवाली बीमारी है जिसमें कृमि शरीर के लसिका तंत्र की नलियों में होते हैं और इन नलियों को बंद कर देते हैं।
- इसके संक्रमण से लसीका अपना कार्य करना बंद कर देते हैं।
- ये कृमि बहुत छोटे आकार के होते हैं जो क्यूलैक्स मच्छर के काटने से शरीर में प्रवेश करते हैं।
- यह व्यस्क कृमि में लाखों की संख्या में छोटी-छोटी कृमि पैदा करने की क्षमता होती है।
- बीमार इंसान से मच्छर खून चूसकर इस कृमि को दूसरे स्वस्थ मनुष्य तक पहुंचाते हैं।

इस बीमारी होने का पूरा चक्र

क्यूलैक्स मच्छर मलखाने, नालियों और गड्ढों के गंदे पानी में पनपते हैं। इस मच्छर को इसके पीठ के कूबड़ और इसकी विशेष गूंज द्वारा इसे पहचाना जा सकता है। पानी में टेढ़े होकर इस मच्छर के लार्वे तैरते हैं। जब क्यूलैक्स मच्छर किसी इंसान को काटता है तो फाइलेरिया के छोटे कृमि उस इंसान के अंदर पहुँच जाते हैं। इंसान की लसिका तंत्र में ये छोटे कृमि कुछ ही दिनों में बड़े होकर पुरुष और मादा जीवों में बदल जाते हैं और लसिका नलियों को संक्रमित कर देते हैं जिससे लसिका तंत्र बंद हो जाता है। शरीर के अंदर एक वयस्क कृमि लसिका वाहिकाओं में समागम करके खूब सारे सूक्ष्म फाइलेरिया बनाता है। ये सूक्ष्म फाइलेरिया का जीवन 2 से 3 साल तक होता है और वयस्क कृमि लगभग बारह साल तक इंसान के शरीर में रहते हैं।

ये सूक्ष्म फाइलेरिया शरीर के अंदर खून में घूमते हैं। ये कृमि विशेष तौर पर रात में खून में घूमते हैं। क्यूलैक्स मच्छर जब अस्वस्थ इंसान का खून चूसता है तो वह उसके दूषित खून के द्वारा इन सूक्ष्म फाइलेरिया को अपने अंदर ले लेता है। ये सूक्ष्म फाइलेरिया 10 से 15 दिनों के अंदर संक्रमण पैदा करने वाले लार्वा के रुप में विकसित होते हैं। जिसके बाद ये मच्छर बीमारी पैदा कर पाने में समर्थ हो जाते हैं और दूसरे स्वस्थ वाला होता है। इस तरह यह चक्र चलता रहता है।

फाइलेरिया के लिए घरेलू उपाय

फाइलेरिया के घरेलू उपचार के लिए काले अखरोट का तेल रामबाण है। फाइलेरिया ग्रस्त इंसान को गर्म पानी में काले अखरोट के तेल की तीन से चार बूंद डालकर पीना चाहिए। इस मिश्रण को दिन में सुबह-शाम दो बार पिएं। अखरोट के अंदर मौजूद गुण फाइलेरिया के कृमि को मारने में सक्षण हैं। जल्दी से जल्दी राहत पाने के लिए छह हफ्तों तक ये मिश्रण पिएं।

लक्षण

फाइलेरिया रोग में इंसान के शरीर का कोई भाग बहुत अधिक फूलने लगता है। अकसर ये हाथ या पैरो में ही होता है लेकिन कई बार ये स्तनों और गुदा के हिस्से में भी होता है। इसके लक्षण निम्न हैं-

- शरीर के संक्रमित होने के कुछ सालों बाद इसके लक्षण दिखते हैं।
- इसमें गुप्तांग एवं जांघों के बीच गिल्टी हो जाती है जो बहुत अधिक फूल जाती है और इसमें काफी दर्द रहता है।
- एक या दोनों हाथ व पैरों में बहुत अधिक सूजन होना। लेकिन ये अधिकतर पैरों में ही होता है जिस कारण इसे हाथी पांव कहते है।
- गले में बहुत अधिक सूजन आ जाती है।
- पैरों व हाथों की लसिका वाहिकाएं लाल हो जाती हैं जिससे पैरों में लाल धारियां पड़ जाती है।
- पुरूषों के अंडकोष संक्रमित होकर फूल जाते हैं।
- शरीर में कंपकपी आना और बुखार होना।

हाथी पांव का इलाज

- इस बीमारी का इलाज इसके प्रारंभिक चरण में ही शुरू कर देना चाहिए।
- फाइलेरिया फैले हुए क्षेत्र में जाने से बचें। अगर उस क्षेत्र में आप रहते हैं तो मच्छरों से दूर रहने के पूरे उपाय करें और शरीर को ढकने वाले पूरे कपड़े पहनें।
- अपने क्षेत्र में मच्छरों को मारने के लिए छिड़काव करें।
- क्यूलैक्स मच्छर सुबह और शाम को काटता है इसलिए सुबह और शाम को विशेष तौर पर मच्छरों से बचकर रहें।
- फाइलेरिया की गोली लें।

पार्टी के बाद होने वाले हैंगओवर से बचने में मदद करेंगे ये कारगर नुस्खे

नए साल का जश्न हो और ड्रिंक की बात न हो तो पार्टी फीकी मानी जाती है। लेकिन पार्टी के चक्कर में लोग कई बार इतनी ज्यादा ड्रिंक कर लेते हैं, जिससे नए साल का बाकी बचा दिन ज्यादातर सोते और रोते बीतता है। तो इसे हैपनिंग बनाने के लिए जरूरी है नशे के खुमार को उतारना, जानेंगे कैसे।

केला

बहुत ज्यादा हैंगओवर हो रखा है तो एक साथ दो से तीन केले खाएं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम जहां ब्लड वेसेल्स को रिलैक्स करता है वहीं पोटैशियम इलेक्ट्रोलाइट को बैलेंस करता है। जो हैंगओवर से छुटकारा दिलाने में फायदेमंद होते हैं।

आलू

हैंगओवर होने पर आलुओं को बिना छिले इस्तेमाल करें। पोटैशियम की मात्रा लिए हुए आलू हैंगओवर उतारने का कारगर फॉमूर्ला होता है। इसे हल्का फ्रॉय करके खाना टेस्टी होने के साथ ही हेल्दी भी होता है।

दही

किसी भी ऐसे फूड जिसमें कैल्शियम की मात्रा अच्छी होती है वो सिर के दर्द को दूर करने में बहुत ही असरदार होता है। दही में बहुत सारा कैल्शियम होता है जिसे खाकर हैंगओवर से निपटा जा सकता है।

ऑयली फूड्स

पार्टी के बाद होने वाले हैंगओवर से बचने के लिए पार्टी में जाने से पहले ऑयली फूड्स खाना फायदेमंद रहेगा। ऑयली

फूड खाने से बॉडी एल्कोहल को एब्जॉर्ब नहीं कर पाती।

कॉफी

हैंगओवर के कारण हो रहे सिरदर्द को कॉफी पीकर काफी हद तक दूर किया जा सकता है। लेकिन दूध वाली कॉफी के बजाय ब्लैक कॉफी पिएं। इसमें मौजूद कैफीन जल्द असर करता है।

नारियल पानी

हैंगओवर दूर करने के लिए नारियल पानी पीना फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद मिनरल्स पेट साफ करने का काम करते हैं। बहुत ज्यादा हैंगओवर होने पर जितनी बार हो सके इसे पिएं।

पानी

पानी बॉडी के टॉक्सीफिकेशन के लिए सबसे जरूरी और आसानी से अवेलेबल होने वाली चीज है। ज्यादा एल्कोहल पीने से बॉडी में पानी की कमी हो जाती है। इससे बचने के लिए ड्रिंक के साथ भी और ड्रिंक के बाद भी ज्यादा से ज्यादा मात्रा में पानी पिएं।

नींबू,चीनी,नमक

चीनी और नमक का घोल हैंगओवर दूर करने का सबसे कारगर फॉमूर्ला माना गया है। एल्कोहल के कारण बॉडी में कम हुई पानी की मात्रा को इसे पीकर दूर किया जा सकता है।

शहद

हैंगओवर दूर करने के लिए शहद पीना भी अच्छा ऑप्शन है। इसमें मौजूद फ्रक्टोज बॉडी के लिए अच्छा होता है। चाहे तो शहद को सीधे खा भी सकते हैं या पानी में मिलाकर पिया भी जा सकता है।

फ्रूट जूस

घरेलू नुस्खे के तौर पर फ्रूट जूस पिएं क्योंकि ये विटामिन्स और फाइबर से भरपूर होते हैं। काले नमक और नींबू की थोड़ी ज्यादा मात्रा जूस में मिलाकर पिएं। काला नमक और फ्रूट में मौजूद फाइबर बॉडी के सारे टॉक्सिक को बाहर निकाल देता है जिससे हैंगओवर से राहत मिलती है।

अदरक

अदरक के छोटे-छोटे टुकड़े कर इसे पानी के साथ उबालें। इसमें अजवायन और नींबू का रस डाल सकते हैं। थोड़ा उबालने के बाद इसे छानकर इसका पानी पीने से भी हैंगओवर दूर होता है।

रेसिपी

चाइनीज फ्राइड राइस

सामग्री

1 कप बासमती चावल, 1 कप बंद गोभी, 1/2 कप गाजर, 1/4 कप फ्रेंच बिन्स, 1/2 कप पनीर, 1/4 कप शिमला मिर्च, 2 टेबल स्पून हरा धनिया, 2 -4 टेबल स्पून तेल, 2 हरी मिर्च, नमक स्वादानुसार, 1 इंच अदरक, 1 छोटा चम्मच ग्रीन चिली सॉस, 2 छोटा चम्मच सोया सॉस, 2 छोटा चम्मच सिरका

विधि

सबसे पहले पैन में तेल डाल कर गरम लीजिए। तेल के हल्का गरम होने पर पनीर के टुकड़े पैन में सिकने के लिए डाल दीजिए और हल्के ब्राऊन होने तक सेक कर निकाल लीजिए। तेल में गाजर, बीन्स, शिमला मिर्च, पत्ता गोभी डालकर 1-2 मिनट तेज आंच पर फ्राई कर लीजिए। अब इसमें हरी मिर्च, अदरक, ग्रीन चिल्ली सॉस, सोया सॉस, सिरका, पनीर के टुकड़े डालकर अच्छी तरह मिला दीजिए। नमक और चावल डालकर सभी चीजों को 2 मिनट लगातार चलाते हुए अच्छे से मिलाते हुए पका लें। चावलों के सब्जियों में अच्छे से मिल हो जाने पर थोड़ा सा हरा धनिया डालकर मिलाए। चाईनीज फ्राइड राइस बनकर तैयार हैं। चाईनीज फ्राइड राइस को प्लेट में निकाल कर हर धनिये से गार्निश कीजिए और परोसिए।

भाखरी पिज़्ज़ा

सामग्री

1/2 कप बाजरे का आटा, 1/2 कप ज्वार आटा, 2 स्पून तेल, नमक स्वादअनुसार, **पिज़्ज़ा सॉस**: 3/4 कप हल्के उबले टमाटर , 1 स्पून जैतून तेल, 1 स्पून लहसुन, 1/4 कप प्याज, 2 स्पून प्याज़ पत्ते, 1 स्पून शक्कर,1 स्पून टमॅटो कैचप, 1 स्पून ऑरेगानो, 1 स्पून लाल मिर्च के फ्लैक्स, नमक स्वादअनुसार, **अन्य सामग्री**: 1/2 कप कसा हुआ चीज

विधि

आटे के लिए: सभी सामग्री को एक बाउल मे मिलाकर, ज़रुरत हो उतने पानी का प्रयोग कर सख्त आटा गूंथ लें और 10 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। **पिज़्ज़ा सॉस के लिए**: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में जैतून का तेल गरम करें, लहसुन डालकर मध्यम आंच पर 30 सेकेन्ड तक भून लें। प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर और 1-2 मिनट के लिए या उनके पार्दशी होने तक भून लें। हरी प्याज के पत्ते डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर और 30 सेकन्ड तक भून लें। हल्के उबले हुए टमाटर डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट तक पका लें। शक्कर और टमॅटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर और 1 से 2 मिनट तक पका लें। ऑरेगानो, चिली फ्लैक्स् और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर और 1 मिनट तक पका लें। आंच से हठाकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी**: आटे को 6 भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग को अपनी हथेली के बीच दबाते हुए, गोल आकार में फैला लें एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक भाखरी के दोनो तरफ गुलाबी दाग पड़ने तक पका लें। सूती कपड़े का प्रयोग कर, भाखरी को धीमी आंच पर दबाते हुए, उनके दोनो तरफ से करारा और सुनहरा होने तक पकाते रहें। तवे पर रखकर ही, उपर 2 टेबल-स्पून पिज़्ज़ा सॉस डालकर 1 टेबल-स्पून चीज छिड़के। ढककन से ढककर 2 मिनट तक पका ले। तुरंत परोसें।

संपादकीय

जिंदगियां बचाने के लिए

हाल ही में लोकसभा में सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े जो आंकड़े पेश किए गए वे विचलित करने वाले हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार देश में बीते साल सड़क दुर्घटनाओं में 5.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस दौरान अप्रत्याशित रूप से हुए 5.13 लाख से अधिक सड़क हादसों में 1.83 लाख लोगों की मृत्यु हो गई। इन हादसों में घायल होने वालों का आंकड़ा कितना बड़ा होगा, निष्कर्ष निकालना कठिन न होगा। निश्चिय ही यह बेहद चिंताजनक विरोधाभास है कि जिस देश में हर दिन सड़क हादसों में पांच सौ से अधिक निर्दोष लोगों की मृत्यु हो जाती है, वहां आधे से अधिक पंजीकृत मोटर वाहन बिना जरूरी बीमा के चल रहे हैं। यह प्रतिशत 56 बताया जाता है। नागरिक स्तर पर तो यह एक आपराधिक लापरवाही है ही, बीमा न कराने का स्तर मोटर वाहन अधिनियम को लागू करने में बड़ी खामी को भी दर्शाता है। यह सुखद है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस समस्या को बेहद गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक पायलट प्रोजेक्ट आजमाने को कहा है, जिसके तहत वैध बीमा न होने वाले वाहन चालक को पेट्रोल पंपों पर ईंधन देने से मना किया जा सकता है। बहुत संभव है इस योजना के क्रियान्वयन से बहुत सारे वाहन चालक वाहन बीमा कराने को बाध्य हो जाएं। निश्चित रूप से थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस सिर्फ एक कानूनी जरूरत भर नहीं है। वास्तव में यह नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। इसका उद्देश्य यह निश्चित करना है कि सड़क दुर्घटना के शिकार लोगों और उनके परिवारों को सालों तक अदालतों के चक्कर काटे बिना समय पर जरूरी मुआवजा मिल सके। यह सर्वविदित सत्य है कि जब लाखों गाड़ियां बिना बीमे के चलती हैं तो इन दुर्घटनाओं का बोझ हादसे के पीड़ितों और उनके परिजनों पर पड़ता है। जिसके चलते इनमें से कई लोग सड़क दुर्घटनाओं के शारीरिक और आर्थिक प्रभावों से उबरने के लिए संघर्ष करते रहते हैं। दरअसल, हाल ही में कोर्ट ने अपने एक फैसले में एक सड़क दुघर्टना में स्थायी से रूप से विकलांग हुए एक बच्चे को मिलने वाले मुआवजे की रकम को लगभग दुगुना कर दिया था। कोर्ट की संवेदनशील पहल नीति-नियंताओं के लिये आंख खोलने वाली साबित होनी चाहिए। इस दिशा में कोर्ट का सरकार को यह सुझाव कि ईंधन की खरीद को इंश्योरेंस कराने से जोड़ा जाए, एक असरदार तरीका साबित हो सकता है। सही मायने में पेट्रोल पंप असल चेकपॉइंट का काम करते हैं। लोग अपने वाहनों में पेट्रोल व डीजल डलवाने के लिये नियमित रूप से फ्यूल स्टेशनों पर जाते हैं। वाहन डेटाबेस और इंश्योरेंस रिकॉर्ड से जुड़े ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन यानी एएनपीआर कैमरों का प्रस्तावित इस्तेमाल भी प्रशासन में तकनीक की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। यदि इस व्यवस्था को सही ढंग से लागू किया जाए तो यह सिस्टम बिना बीमे वाले तथा बिना पंजीकृत वाहनों की पहचान करके उन पर अंकुश लगा सकता है। जो मैन्युअल जांच और इससे जुड़े भ्रष्टाचार को भी कम कर सकता है। वैसे इस कोशिश की भी अपनी कुछ सीमाएं हैं। तकनीकी व्यवधान, पुराने डेटाबेस और हाल ही में रिन्यू की गई इंश्योरेंस पॉलिसी को अपडेट करने में देरी से भी कानून का पालन करने वाले नागरिकों को परेशानी हो सकती है। इसके लिये जहां नागरिकों को जागरूक करने की जरूरत है, वहीं पेट्रोल पंप ऑपरेटरों के संगठनों को साथ लेना भी बहुत जरूरी है। इस योजना को लागू करने से पहले पायलट प्रोजेक्ट की अच्छी तरह से जांच करने की भी जरूरत होगी। ताकि कानून का पालन करने वाले नागरिकों को किसी तरह की परेशानी न हो। लोगों को बताना होगा कि वाहन का बीमा कराना चालक के भी हित में है। वहीं यह नागरिकों का सामाजिक दायित्व भी है क्योंकि इसका मकसद लोगों की जान बचाना है। साथ ही दुर्घटना के शिकार लोगों को समय रहते न्याय दिलाना भी है। देशभर में स्वयंसेवी संगठनों व स्थानीय निकायों की मदद से चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान इस पुनीत कार्य में मददगार हो सकते हैं।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार देश में बीते साल सड़क दुर्घटनाओं में 5 .3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस दौरान अप्रत्याशित रूप से हुए 5 .13 लाख से अधिक सड़क हादसों में 1 .83 लाख लोगों की मृत्यु हो गई। इन हादसों में घायल होने वालों का आंकड़ा कितना बड़ा होगा, निष्कर्ष निकालना कठिन न होगा। निश्चिय ही यह बेहद चिंताजनक विरोधाभास है कि जिस देश में हर दिन सड़क हादसों में पांच सौ से अधिक निर्दोष लोगों की मृत्यु हो जाती है, वहां आधे से अधिक पंजीकृत मोटर वाहन बिना जरूरी बीमा के चल रहे हैं। यह प्रतिशत 56 बताया जाता है। नागरिक स्तर पर तो यह एक आपराधिक लापरवाही है ही, बीमा न कराने का स्तर मोटर वाहन अधिनियम को लागू करने में बड़ी खामी को भी दर्शाता है। यह सुखद है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस समस्या को बेहद गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक पायलट प्रोजेक्ट आजमाने को कहा है, जिसके तहत वैध बीमा न होने वाले वाहन चालक को पेट्रोल पंपों पर ईंधन देने से मना किया जा सकता है। बहुत संभव है इस योजना के क्रियान्वयन से बहुत सारे वाहन चालक वाहन बीमा कराने को बाध्य हो जाएं।

सरकार जवाबदेह बनती है, विपक्ष जनभावनाओं को स्वर देता है और कानूनों के माध्यम से देश के विकास की दिशा तय होती है

संसदीय-गतिरोध से नहीं चलेगा लोकतंत्र, संवाद ही है समाधान

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है। यही वह सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है जहां राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य से जुड़े विषयों पर गंभीर विमर्श होता है, सरकार जवाबदेह बनती है, विपक्ष जनभावनाओं को स्वर देता है और कानूनों के माध्यम से देश के विकास की दिशा तय होती है। लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज संसद संवाद और सहमति का मंच बनने के बजाय टकराव, आरोप-प्रत्यारोप, नारेबाजी और राजनीतिक हठधर्मिता का अखाड़ा बनती जा रही है। मानसून सत्र में जिस प्रकार लगातार गतिरोध बना हुआ है, उससे केवल संसदीय कार्यवाही ही बाधित नहीं हो रही, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी आहत हो रही है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए हुई बातचीत भी किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। यह स्थिति बताती है कि दोनों पक्ष अपने-अपने राजनीतिक आग्रहों में इतने उलझ गए हैं कि राष्ट्रहित पीछे छूट गया है। विपक्ष की ओर से यह शर्त रखी जा रही है कि जब तक कुछ विशेष मुद्दों पर सरकार सदन में बयान और चर्चा के लिए तैयार नहीं होती, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी। दूसरी ओर सरकार भी अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर अडिग है। परिणाम यह है कि संसद का बहुमूल्य समय निरर्थक विवादों की भेंट चढ़ रहा है। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में विरोध की भी मर्यादा होती है। जब विरोध संसद को चलने ही न दे, तब वह लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक दायित्वों की उपेक्षा बन जाता है। पिछले कुछ वर्षों से यह चिंताजनक प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है कि संसद सत्र प्रारंभ होने से पहले ऐसे मुद्दे राजनीतिक रूप से उछाले जाते हैं, जिनके आधार पर पूरे सत्र को बाधित किया जा सके। परिणामस्वरूप अनेक महत्वपूर्ण विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित हो जाते हैं अथवा कई विधेयक लंबित रह जाते हैं। इससे सबसे अधिक नुकसान देश को होता है। संसद का प्रत्येक मिनट करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से संचालित होता है। यदि वह समय केवल शोर-शराबे और नारेबाजी में बीत जाए तो यह करदाताओं के धन और लोकतांत्रिक विश्वास-दोनों का अपमान है। लोकतंत्र में संवाद ही समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। महात्मा गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक भारतीय राजनीति की श्रेष्ठ परंपरा संवाद, सहमति और संवेदनशीलता की रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने दुराग्रह छोड़कर संवाद की मेज पर बैठें। संसद की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन किसे अधिक कठघरे में खड़ा करता है, बल्कि इस बात में है कि राष्ट्रहित के प्रश्नों पर कितनी गंभीरता से विचार किया जाता है। विशेष रूप से कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल आंदोलन और विरोध का नाम नहीं है। विपक्ष की भूमिका सरकार को गिराने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र को संभालने की होती है। यदि प्रत्येक मुद्दे पर संसद को बाधित करने की रणनीति अपनाई जाएगी तो जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि विपक्ष के पास वैकल्पिक नीति और दृष्टि का अभाव है। लोकतंत्र में जनता केवल विरोध नहीं, समाधान भी चाहती है। यदि विपक्ष स्वयं संवाद से दूरी बनाएगा तो 'संवाद से समाधान' का आदर्श केवल नारा बनकर रह जाएगा। सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में बहुमत का अर्थ मनमानी नहीं होता। सरकार को भी विपक्ष की उचित मांगों को सुनना चाहिए और जहां संभव हो, सहमति का मार्ग निकालना चाहिए। संसद किसी एक दल की नहीं, पूरे राष्ट्र की संस्था है। इसलिए सरकार को भी संवेदनशीलता, धैर्य और व्यापक दृष्टिकोण का परिचय देना होगा। किंतु यदि संवाद का प्रत्येक प्रयास केवल राजनीतिक शर्तों और हठधर्मिता में उलझ जाए तो समाधान की संभावनाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं। आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीतिक परिपक्वता की है। दुर्भाग्य से भारतीय राजनीति में आग्रह, पूर्वाग्रह और दुराग्रह का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। हर मुद्दे को चुनावी लाभ-हानि के चश्मे से देखा जा रहा है। संसद में बहस कम और राजनीतिक संदेश अधिक दिए जा रहे हैं। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र को कमजोर करती है। संसद का उद्देश्य जनकल्याणकारी नीतियों पर विचार करना है, न कि चुनावी रणनीतियों का मंच बन जाना। देश आज आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति, रोजगार, शिक्षा, कृषि, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय संसद का प्रत्येक दिन अत्यंत मूल्यवान है। यदि यह समय केवल राजनीतिक टकराव में व्यतीत होगा तो विकास की गति अवश्य प्रभावित होगी। कानूनों में विलंब, नीतिगत निर्णयों की देरी और संसदीय अस्थिरता का सीधा प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इस बात में नहीं कि संसद में कितना शोर हुआ, बल्कि इस बात में है कि वहां कितने सार्थक विचार सामने आए। स्वस्थ लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष प्रतिद्वंद्वी अवश्य होते हैं, किंतु शत्रु नहीं। दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित होना चाहिए। यदि राजनीतिक दल इस मूल भावना को भूल जाएंगे तो लोकतंत्र केवल संख्या का खेल बनकर रह जाएगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल आत्ममंथन करें। विपक्ष अपने विरोध को रचनात्मक बनाए, सरकार अपने संवाद को व्यापक बनाए और दोनों मिलकर संसद की प्रतिष्ठा पुनः स्थापित करें। लोकतंत्र का भविष्य टकराव में नहीं, संवाद में सुरक्षित है। संसद की गरिमा नारेबाजी से नहीं, विचार-विमर्श से बढ़ती है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में यदि संसद ही गतिरोध का प्रतीक बन जाएगी तो जनता का विश्वास कमजोर होगा, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। समय की पुकार है कि राजनीति चुनावों की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़े। पक्ष और विपक्ष दोनों यह स्मरण रखें कि वे किसी दल के नहीं, पहले भारत के प्रतिनिधि हैं। संसद की प्रत्येक घड़ी राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। उसे हठ, अहंकार और राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ाना भविष्य की पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा। यदि लोकतंत्र को सशक्त बनाना है, संसद की प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित करनी है और भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, तो केवल एक ही मार्ग है-संवाद, सहमति और राष्ट्रहित। यही भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है और यही संसदीय मर्यादा का सर्वोच्च आदर्श।

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में विरोध की भी मर्यादा होती है। जब विरोध संसद को चलने ही न दे, तब वह लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक दायित्वों की उपेक्षा बन जाता है। पिछले कुछ वर्षों से यह चिंताजनक प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है कि संसद सत्र प्रारंभ होने से पहले ऐसे मुद्दे राजनीतिक रूप से उछाले जाते हैं, जिनके आधार पर पूरे सत्र को बाधित किया जा सके।

कुछ अलग

जमीर भी बिकता है पेपर लीक के साथ

हरियाणा में कहावत है—चोर तै बड्डा चोरी का माल खरीदणिया सै। इस हिसाब से तो पेपर खरीदने वाले कटघरे में खड़े होने चाहिए। पेपर बेचने वाला तो जेल जायेगा पर पेपर खरीदने वाला तो अपने छोरे-छोरी के डॉक्टर बनने की मिठाई बांटेगा। यह न्याय है या नौटंकी? जिस समय एक पिता किसी दलाल से यह पूछता है कि पेपर कितने में मिलेगा तो बच्चा तो पास हो जायेगा पर बाप बुरी तरह फेल हो लिया समझो। जब किसी का बाप जुगाड़ से डॉक्टर बनाने की सोचेंगे तो रोना किस बात का? पेपर बेचने वालों को फांसी चढ़ा दो, वो भी कम है पर यह भी सोचो कि खरीदने वालों के गले में हार डलने चाहिए या हाथ में हथकड़ी। चोरी की भैंस दूध तो दे देगी पर नज़र मिलाने की हिम्मत नहीं देगी। दरअसल पेपर लीक होने से पहले ही कइयों के घर की नीयत लीक होने लगती है। दलाल ने तो सिर्फ प्रश्नपत्र बेचा होगा, पर हम सौदागरों ने तो ज़मीर देकर कीमत चुकाई होगी। जिस बाप ने पैसे देकर पेपर खरीदा, उसे अपने बच्चे की मेहनत पर नहीं, अपनी जेब पर भरोसा था। इसी भरोसे ने बेटे को सफेद कोट पहनाकर भ्रष्टाचार का स्टेथोस्कोप थमा दिया। नीट का पेपर लीक हुआ। सड़कों पर गुस्सा था। टीवी स्टूडियो में बहस थी। सोशल मीडिया पर न्याय की मांग थी। मंत्री का इस्तीफा मांगा गया। सिस्टम को भ्रष्ट कहा गया। लोकतंत्र में यह एकदम ठीक है। जिसने नोटों के बदले अपने बच्चे के लिए प्रश्नपत्र खरीदा था। उसके दरवाजे पर कोई प्रदर्शन नहीं हुआ। उसके खिलाफ किसी ने एक नारा नहीं लगाया। हम बड़े आराम से कह देते हैं कि व्यवस्था भ्रष्ट है। लेकिन व्यवस्था आसमान से नहीं उतरती। वह हमारे ही घरों से निकलती है।

देश दुनिया से

पुनर्वास सोच के साथ हाइब्रिड मॉडल अपनाएं

भारत आज एक अदृश्य चुनौती से जूझ रहा है—नशा। यह हमारी युवा शक्ति के विरुद्ध एक सुनियोजित कानूनी, मानसिक और आर्थिक युद्ध है, जिसे समय रहते परास्त करना आज की सबसे बड़ी राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुका है। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत नागरिकों को मिले जीने के अधिकार और अनुच्छेद 47 (नीति निर्देशक तत्वों) में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नशीले पदार्थों पर प्रतिबंध लगाने के स्पष्ट आदेश के बावजूद, देश में नशे का बढ़ता कारोबार एक गंभीर चिंता का विषय है। हमारे पास नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंसेस एक्ट, 1985 और सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 जैसे मौत की सजा तक का प्रावधान करने वाले कानून मौजूद हैं, फिर भी ज़मीनी स्तर पर इनकी स्थिति और बढ़ती नशाखोरी के बीच एक बहुत बड़ी खाई बनी हुई है। आधुनिक युग में नशे के सौदागरों ने अपनी कार्यशैली पूरी तरह बदल ली है। पारंपरिक तस्करी के रास्तों के अलावा अब 'डार्क वेब', सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से वर्चुअल डिलीवरी का एक खतरनाक काला जाल बुना जा रहा है, जहां युवा अनजाने में ही इस वर्चुअल दलदल में फंसते चले जाते हैं। इस डिजिटल युग की चुनौती से निपटने के लिए हमारी साइबर पुलिस इकाइयों और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के बीच एक विशेष 'ज्वाइंट साइबर-नार्को सेल' का गठन किया जाना समय की सबसे बड़ी मांग है, जो इन गुप्त डिजिटल नेटवर्क्स को ट्रैक कर सके और तकनीकी मोर्चे पर भी अपराधियों को नेस्तनाबूद कर सके। न्यायपालिका ने इस मुद्दे पर कई बार अपनी चिंता व्यक्त की है। ऐसे मामलों में नरमी बरतना राष्ट्रद्रोह जैसा है। सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न मामलों जैसे 'इन्द्रजीत सिंह बनाम पंजाब राज्य' (2011) और 'कुंदनभाई दुलभाई शेखावत बनाम गुजरात राज्य' (1996) में रेखांकित किया है कि नशीले पदार्थों के तस्कर न केवल कानून का उल्लंघन करते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और स्वास्थ्य के बुनियादी अधिकारों की हत्या करते हैं। इसलिए 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन बनाम यूनियन ऑफ इंडिया' (1998) जैसे मामलों में भी बार-बार दोहराया गया है कि ड्रग्स से जुड़े अपराधों में 'जीरो टॉलरेंस पॉलिसी' ही एकमात्र विकल्प है। हमें देखना होगा कि दुनिया के अन्य विकसित देश इस आपदा से कैसे निपट रहे हैं। जहां एक ओर पुर्तगाल ने नशा रखने को अपराध की श्रेणी से हटाकर इसे एक 'सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या' घोषित किया और अपराधियों को जेल के बजाय डॉक्टरों व मनोवैज्ञानिकों के पैनल के सामने पेश कर ओवरडोज से होने वाली मौतों को न्यूनतम कर दिया, वहीं दूसरी ओर सिंगापुर ने 'आयरन फिस्ट' यानी कठोरतम दंड और मौत की सजा की नीति अपनाई है। भारत को भी पुर्तगाल की 'पुनर्वास सोच' और सिंगापुर की 'कठोर प्रवर्तन नीति' का एक हाइब्रिड मॉडल अपनाने की जरूरत है। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को शत-प्रतिशत नशा-मुक्त बनाने पर सरकारी 'एक्सीलेंस ग्रांट' और रैंकिंग में बोनस अंक मिलने का नियम बने, जिसकी जवाबदेही छात्र संघ और विभागाध्यक्ष की हो। इसके साथ ही, ड्रग पैडलर्स की संपत्ति ज़ब्त कर उसे 'युवा कौशल विकास कोष' में डाला जाए और उनसे सार्वजनिक निर्माण या स्वच्छता अभियानों में अनिवार्य कठोर शारीरिक श्रम करवाया जाए। साथ ही, कानून के विद्यार्थियों को 'कानूनी साक्षरता दूत' बनाकर हर महीने गांवों या स्कूलों में जाकर एनडीपीएस एक्ट के दुष्परिणामों के बारे में समझाना अनिवार्य किया जाए। यदि कोई अल्पवयस्क बच्चा गंभीर नशे की गिरफ्त में पाया जाता है और अपराध की दुनिया में उतरता है, तो काउंसलिंग के बाद माता-पिता की भी विधिक जवाबदेही तय होनी चाहिए। हमें समझना होगा कि युवा केवल रासायनिक नशे के शिकार नहीं हो रहे, बल्कि आधुनिक जीवन की प्रतिस्पर्धा और अकेलेपन से उपजे मानसिक अवसाद के कारण वे इस 'डोपामिन ट्रैप' में फंस रहे हैं। अतः शिक्षण संस्थानों में 'मानसिक स्वास्थ्य परामर्श केंद्र' की स्थापना आज की सबसे अनिवार्य आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त, नशे की समस्या के विरुद्ध हर वर्ग को मिलकर एक व्यापक 'जन-आंदोलन' चलाना होगा, जिसमें पंचायती राज संस्थाएं, महिला मंडल, स्थानीय क्लब और मीडिया प्रमुख भूमिका निभाएं। जब तक समाज इस बुराई का सामाजिक बहिष्कार नहीं करेगा और पीड़ित युवाओं को आत्मीयता, चिकित्सा और पुनर्वास का संबल नहीं देगा, तब तक कानून और सामाजिक संवेदनशीलता के बिना यह चक्र अधूरा रहेगा। यदि हमें वर्ष 2047 के 'विकसित भारत' के स्वर्णिम स्वप्न को जीवंत रखना है, तो हमें अपनी युवा शक्ति को केवल जनगणना के आंकड़ों का हिस्सा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रज्वलित ऊर्जा बनाना होगा। कानून की तलवार जब करुणा और संवेदना के साथ मिलकर चलेगी, तभी यह समाज इस शाप से मुक्त हो पाएगा।

आप का नज़रिया

जन्म-मृत्यु पंजीकरण

यह जरूरी है कि देश में जन्म व मृत्यु से जुड़े आंकड़े प्रामाणिक हों और समय रहते दर्ज कर लिए जाएं। इससे जनसंख्या गणना, मतदाता की विश्वसनीयता और अंततः विकास योजनाओं के लिये विश्वसनीय आंकड़े जुटा पाना संभव होता है। वहीं दूसरी ओर अवैध घुसपैठियों और विदेशी नागरिकों की पहचान भी संभव हो पाती है। जो कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी है। इसी आलोक में संसद द्वारा हाल ही में 'जन्म और मृत्यु पंजीकरण(संशोधन) विधेयक' को पारित करना, देश की नागरिक पंजीकरण प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दरअसल, यह संशोधन सुनिश्चित करता है कि जन्म व मृत्यु का पंजीकरण समय रहते कर लिया जाए। यह कानून देर से होने वाले पंजीकरण के लिए सख्त नियम लागू करता है। नये संशोधन के तहत, जन्म व मृत्यु के दो साल बाद रिपोर्ट किए गए मामलों में मौजूदा कार्यकारी मंजूरी की जगह अब प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश की आवश्यकता होगी। निस्संदेह, फर्जी पंजीकरण को रोकने की दिशा में सरकार का उद्देश्य सराहनीय है, लेकिन यह संशोधन लोगों की पहुंच और समावेशिता के बाबत कई महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा करता है। निस्संदेह, आज देश ने सिविल रजिस्ट्रेशन यानी जन्म-मृत्यु पंजीकरण के मामलों में बहुत अच्छी प्रगति की है। आज देश में 99 फीसदी से अधिक जन्म और मृत्यु का रिकॉर्ड रखा जाता है। दरअसल, देश में बड़ी चुनौती सिर्फ रजिस्ट्रेशन की ही नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने की है कि जन्म व मृत्यु होने पर 21 दिन के भीतर सूचना दर्ज कर ली जाए। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि प्रक्रियागत बाधाएं बढ़ाने की बजाय, समय पर रिपोर्टिंग करने को सहज व सरल बनाया जाए। लोगों को इस बाबत जागरूक करने की भी जरूरत है। साथ ही मौजूदा नियमों को सख्ती से लागू करने से अधिक नीतिगत मामलों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। सरकार का दावा है कि न्यायिक जांच से पंजीकरण में होने वाली गड़बड़ियों पर रोक लगायी जा सकेगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि वर्ष 2023 संशोधनों के तहत कई सरकारी सेवाओं के लिये जन्म प्रमाण पत्र पहचान का मुख्य दस्तावेज बन गया है। हालांकि, इस बाबत दो साल की समय-सीमा चुनने के पीछे की वजह को तार्किक आधार पर नहीं बताया गया है। वहीं कई ऐसे वाजिब कारण हैं जिसके चलते पंजीकरण देर से होता है। उदाहरण के लिये लें तो दूरदराज के इलाकों में जन्म, पलायन और जागरूकता की कमी के कारण भी जन्म-मृत्यु के पंजीकरण में विलंब होता है। लेकिन अब नये कानून से प्रभावित परिवारों के लिये खर्च और देरी, दोनों ही बढ़ सकते हैं। यह विडंबना ही है कि यह बिल संसद के दोनों सदनों में जारी लगातार हंगामे के बीच पास हुआ। जिसकी वजह से इस महत्वपूर्ण बिल पर कोई सार्थक बहस नहीं हो सकी। वास्तव में होना तो यह चाहिए था कि हर नागरिक की कानूनी पहचान को प्रभावित करने वाले कानून की गहनता से पड़ताल की जाती। जिसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष को बराबर की जिम्मेदारी निभानी चाहिए थी। निस्संदेह, कुशल प्रशासन में कल्याणकारी योजनाओं तक पहुंचने और चुनावी ईमानदारी के लिये एक मजबूत व पारदर्शी नागरिक पंजीकरण प्रणाली अपरिहार्य ही है। वास्तव में इस संशोधन की प्रभावशीलता को सिर्फ धोखाधड़ी रोकने की क्षमता से नहीं देखा जाना चाहिए। सावधानी इस बात को लेकर भी की जानी चाहिए कि कोई भी वास्तविक नागरिक कानूनी पहचान से वंचित न रह जाए। दूसरे शब्दों में कहें तो सुरक्षा उपाय नागरिकों की पहुंच में बाधा नहीं बनने चाहिए। सही मायने में अच्छी गवर्नेंस, प्रशासनिक ईमानदारी और लोगों के अधिकारों, दोनों को ही सुरक्षित रखने में है। यह जरूरी है कि लोग समय पर जन्म व मृत्यु की सूचना का पंजीकरण कराएं, लेकिन इसे दर्ज करने की प्रक्रिया सहज-सरल होनी चाहिए। जिसके लिए लोगों को जागरूक करने की भी जरूरत है। साथ ही अपरिहार्य कारणों से हुए विलंब पर सख्ती करने के बजाय सुधारात्मक प्रयासों को तरजीह दी जानी चाहिए।

राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी है। इसी आलोक में संसद द्वारा हाल ही में 'जन्म और मृत्यु पंजीकरण(संशोधन) विधेयक' को पारित करना, देश की नागरिक पंजीकरण प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दरअसल, यह संशोधन सुनिश्चित करता है कि जन्म व मृत्यु का पंजीकरण समय रहते कर लिया जाए। यह कानून देर से होने वाले पंजीकरण के लिए सख्त नियम लागू करता है। नये संशोधन के तहत, जन्म व मृत्यु के दो साल बाद रिपोर्ट किए गए मामलों में मौजूदा कार्यकारी मंजूरी की जगह अब प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश की आवश्यकता होगी। निस्संदेह, फर्जी पंजीकरण को रोकने की दिशा में सरकार का उद्देश्य सराहनीय है, लेकिन यह संशोधन लोगों की पहुंच और समावेशिता के बाबत कई महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा करता है। निस्संदेह, आज देश ने सिविल रजिस्ट्रेशन यानी जन्म–मृत्यु पंजीकरण के मामलों में बहुत अच्छी प्रगति की है। आज देश में 99 फीसदी से अधिक जन्म और मृत्यु का रिकॉर्ड रखा जाता है। दरअसल, देश में बड़ी चुनौती सिर्फ रजिस्ट्रेशन की ही नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने की है कि जन्म व मृत्यु होने पर 21 दिन के भीतर सूचना दर्ज कर ली जाए।

दृष्टि कोण

लोकतंत्र को दिशा देने में युवा आंदोलनों की भूमिका

समय समय पर भारत में अनेक युवा आंदोलनों ने समाज और शासन को नयी दिशा दी है। जब भी युवाओं ने अपने अधिकारों और न्याय के लिए आवाज बुलंद की, उसकी गूंज सत्ता के गलियारों तक पहुंची और उसने परिवर्तन का एक नया इतिहास रचा। 1979–85 का असम आंदोलन, 1990 के मंडल विरोधी प्रदर्शन, इंडिया अगेंस्ट करप्शन अभियान, 2019 का सीएए-एनआरसी विरोधी आंदोलन, निर्भया आंदोलन तथा उससे पहले 1974–75 का जेपी आंदोलन-इन सभी आंदोलनों का नेतृत्व मुख्यतः विद्यार्थियों और युवाओं ने किया। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के परिसर लोकतांत्रिक असहमति के सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बन गए। कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक के विरोध और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर चलाया गया युवा आंदोलन भी ऐसा ही ऐतिहासिक आंदोलन था। इसकी आवाज देश के कोने-कोने तक पहुंची। इस आंदोलन को कुचलने के लिए प्रदर्शनकारी युवाओं पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज न केवल लोकतांत्रिक असहमति के प्रति सत्ता की असहनशीलता उजागर करता है। इतिहास की सीख यह भी कि लोकतंत्र में किसी नागरिक, विशेषकर युवाओं की आवाज को बलपूर्वक दबाने से आंदोलन समाप्त नहीं होते। बल प्रयोग असंतोष को और गहरा करता है तथा परिवर्तन की मांग को और अधिक सशक्त बनाता है। अनुभव पुष्टि करते हैं कि शब्दों या कर्मों के जरिये मानवीय गरिमा पर किया गया आघात आत्मा पर ऐसा घाव छोड़ जाता है, जिसकी प्रतिक्रिया अंततः सामने आती है। सीजेपी आंदोलन का जन्म इसका स्पष्ट उदाहरण है। जिस साहस, धैर्य और विश्वास के साथ युवाओं ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और सरकार को अपनी मांगें मानने को विवश किया, वह उनकी एकता और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। यह पुष्टि करता है कि किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के लिए संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करना जरूरी है। भारत की आत्मा न्याय, समानता और लोकतंत्र में अटूट विश्वास से ही परिभाषित होती है। इसी कारण रैलियों, धरनों और प्रदर्शनों के माध्यम से शांतिपूर्ण ढंग से अपना विरोध दर्ज कराने का अधिकार संविधान द्वारा प्रदत्त पवित्र मौलिक अधिकार है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अभिन्न अंग भी। इसके साथ ही यह यकीनी बनाना भी उतना ही जरूरी है कि शांतिपूर्ण सभा और विरोध-प्रदर्शन अपनी संवैधानिक और नैतिक सीमाओं का उल्लंघन न करें। किसी भी व्यक्ति द्वारा, किसी भी वजह से, वाणी या कर्म से की गई हिंसा अंततः और अधिक हिंसा को ही जन्म देती है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी चेतावनी दी थी कि उद्देश्य चाहे कितना ही महान क्यों न हो, उसकी प्राप्ति के लिए अपनाए गये साधनों की नैतिकता व औचित्य से कभी समझौता नहीं किया जा सकता। जंतर-मंतर पर हुआ यह आंदोलन जीवंत प्रमाण है कि कोई भी सरकार अपने नागरिकों के मौलिक मानवीय और संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी नहीं कर सकती। इसने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि लोकतंत्र की असल शक्ति जनता की आवाज में निहित होती है और उसकी रक्षा नागरिकों की जागरूकता, एकता तथा दृढ़ इच्छाशक्ति पर निर्भर होती है। जब चुनी गई सरकारें अपने सिद्धांतों और लोकतांत्रिक मूल्यों से भटकने लगती हैं, तब शांतिपूर्ण जनांदोलन लोकतंत्र को सही दिशा देने और अधिक सशक्त बनाने का सबसे उपयुक्त माध्यम बन जाते हैं। जैसा कि एक शायर ने कहा—'उसूलों पे जहां आंच आये टकराना ज़रूरी है, जो ज़िंदा हों तो फिर ज़िंदा नज़र आना ज़रूरी है।'

अल्काराज सिनसिनाटी खिताब से बाहर रहेंगे, अमेरिकी ओपन से करेंगे वापसी

सिनसिनाटी

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज 13 अगस्त से शुरु हो रहे सिनसिनाटी ओपन से बाहर रहेंगे। अल्करराज ने ये फैसला अब तक पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण उठाया है। अल्काराज अभी तक अपनी दाईं कलाई की पुरानी चोट से नहीं उबर पाये हैं। अब वह अमेरिकी ओपन से ही वापसी करेंगे। सिनसिनाटी ओपन ओपन को अमेरिकी ओपन से पहले अभ्यास के लिए एक अच्छा टूर्नामेंट माना जाता है जिससे अब वह वंचित रह जाएंगे।

अल्काराज की यह चोट अप्रैल से ही उन्हें परेशान कर रही है और बावजूद इसके कि वह कुछ समय से कोर्ट पर अभ्यास करते दिख रहे थे, उनकी फिटनेस इस महत्वपूर्ण हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट सिनसिनाटी ओपन के लिए पर्याप्त नहीं पायी गई। इस खिलाड़ी ने इस साल काफी अच्छा प्रदर्शन किया है, जिसमें विंबलडन खिताब के साथ ही विश्व के नंबर एक स्थान पर पहुंचना शामिल है।

गौरतलब है कि सिनसिनाटी ओपन, जिसे वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन के नाम से भी जाना जाता है, एटीपी मास्टर्स 1000 श्रेणी का एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। यह अमेरिकी ओपन से ठीक पहले आयोजित होता है और खिलाड़ियों को न्यूयार्क में होने वाले अंतिम ग्रैंड स्लैम के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने का अच्छा अवसर देता है। अल्काराज के लिए, यह टूर्नामेंट पिछले साल के अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने और हार्ड कोर्ट पर अपनी लय वापस पाने का एक सुनहरा मौका था, जो अब उन्होंने खो दिया है।

टूर्नामेंट निदेशक बाब मोरान ने अल्काराज के इस फैसले पर निराशा व्यक्त की लेकिन उनके स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के महत्व पर जोर दिया। मोरान ने कहा, हम जानते हैं कि कार्लोस जल्द से जल्द कोर्ट पर लौटने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

अगरकर के नाम है दर्ज हैं किंग पेयर जैसा दुर्लभ रिकार्ड

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर आजकल अपने चयन संबंधी फैसलों को लेकर सुर्ख़ियों में हैं। अगरकर अपने समय के एक अच्छे आलराउंडर माने जाते रहे है हालांकि उनके नाम एक ऐसा अनचाह रिकार्ड किंग पेयर भी दर्ज है। किंग पेयर रिकार्ड बेहद दुर्लभ माना जाता है और कुछ ही खिलाड़ियों से जुड़ा है।किंग पेयर क्रिकेट की दुनिया का एक ऐसा तकनीकी शब्द है जो टेस्ट मैच में एक बल्लेबाज के लिए सबसे शर्मनाक पलों में से एक को दिखात है। किंग पेयर उस बल्लेबाज को दिया जाता है जो किसी एक टेस्ट मैच की दोनों पारियों में अपनी पहली ही गेंद पर बिना कोई रन बनाए आउट (गोल्डन डक) हो जाये। ये इसलिए बेहद दुर्लभ माना जाता है, क्योंकि एक ही मैच में दो बार पहली गेंद पर शून्य पर कुछ ही खिलाड़ी आउट हुए हैं। ये किसी भी बल्लेबाज के लिए हतोत्साहित करने वाला अनुभव होता है। यह इस बात का प्रतीक है कि बल्लेबाज दोनों बार अपनी टीम के लिए खाता भी नहीं खोल पाया। गौरतलब है कि अगरकर के साथ यह घटना साल 1999 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में खेले गए एक टेस्ट मैच के दौरान हुई थी। तब उस मैच में अगरकर जब भारतीय टीम के लिए बल्लेबाजी करने उतरे, तो दोनों ही पारियों में वह पहली गेंद पर ही पेवेलियन लौट गये। इससे उनके नाम किंग पेयर जैसा अनचाहा रिकार्ड जुड़ गया। यह घटना उनके करियर के उन पलों में से एक है, जिसे कोई भी पेशेवर क्रिकेटर याद नहीं रखना चाहेगा।

न्यूज ब्रीफ

ऋषभ उत्तराखंड के सबसे बड़े आयकरदाता बने, रिकार्ड 723 करोड़ 84 लाख रुपये दिये

देहरादून। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत उत्तराखंड में सबसे

बड़े आयकरदाता के रुप में सामने आये हैं। ऋषभ ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में रिकार्ड 23 करोड़ 84 लाख रुपये आयकर दिया। ऋषभ की कुल कमाई करीब 120-150 करोड़ रुपये के आसपास बताई जाती है। हालांकि इस बारे में कोई पक्का प्रमाण नहीं है पर उनकी मैच फीस, आईपीएल और बीसीसीआई अनुबंध के आंकड़े सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। उनकी आय के कई स्रोत हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से उन्हें काफी बड़ी राशि मिलती है। दिपिटल्स ने उन्हें 16 करोड़ रुपये पर रखा था। इसके अलावा, वह बीसीसीआई के केन्द्रीय अुनबंध में ग्रेड बी में हैं, जिसके लिए उन्हें सालाना तीन करोड़ रुपये मिलते हैं। भारतीय टीम से भी उन्हें मैच फीस के तौर पर प्रति टेस्ट मैच के लिए 15 लाख रुपये और प्रति एकदिवसीय के लिए छह लाख रुपये मिलते । इसके अलावा विज्ञापनों और ब्रांड शूट और एंडोर्समेंट से भी उन्हें मोटी कमाई होती है। एक ब्रांड शूट के लिए वह लगभग 2.5 करोड़ रुपये प्रति दिन और दो दिन के इवेंट के लिए 4.5-4.75 करोड़ रुपये लेते हैं। एडिडास, ड्रीम 11, बोट, जेएसडब्ल्यू जैसी कई बड़ी कंपनियों के साथ उनके ब्रांड एंडोर्समेंट हैं जिससे उन्हें सालाना 8-15 करोड़ रुपये मिलते हैं। इसके अलावा सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर उनके करोड़ों फालोअर्स हैं। इसमें पोस्ट, इसके अलावा उनके पास दिल्ली से लेकर उत्तराखंड की राजधानी देहरादून और रुड़की तक में आलीशान घर हैं, जिनकी कीमत करोड़ों में है। कारों की बात करें ते उनके पास 1.32 करोड़ रुपये की आडी ए8, लगभग 2 करोड़ रुपये की फोर्ड मस्टैंग और लगभग 2 करोड़ रुपये की मर्सिडीज-बेंज जीएलई जैसी लग्जरी कारें भी हैं। इसके अलावा वह वर्ल्ड पिकलबाल लीग की एक टीम के मालिक भी है।

दिल्ली गोल्फ चैम्पियनशिप में नजर आयेंगे दिग्गज सितारे, 15 से 18 अक्टूबर तक होगा आयोजन

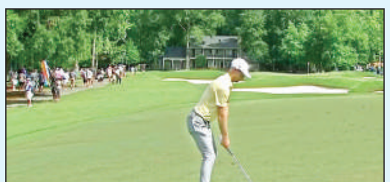

नई दिल्ली। दिल्ली गोल्फ क्लब में 15 से 18 अक्टूबर तक डीपी वर्ल्ड इंडिया गोल्फ चैम्पियनशिप का आयोजन किया जाएगा। 40 लाख डालर इनामी राशि वाला ये टूर्नामेंट वैश्विक गोल्फ कैलेंडर में एक अहम स्थान रखता है। ऐसे में इसका आयोजन देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इसमें दुनिया भर के बड़े स्टार खिलाड़ी खेलते दिखेंगे। इसमें भारत की ओर से शुभंकर शर्मा और अनिर्बान लाहिड़ी चुनौती पेश करेंगे। इन दोनो का ही लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर विश्वस्तरीय दिग्गजों के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस चैम्पियनशिप में पूर्व विश्व नंबर 1 आयरलैंड के रोरी मैकलराय के अलावा गत चैम्पियन टामी फ्लीटवुड भी भाग लेंगे। फ्लीटवुड का लक्ष्य यहां अपने खिताब को बरकरार रखना रहेगा। इन दिग्गजों की उपस्थिति से भारतीय गोल्फ प्रशंसकों को भी इनक खेल देखने का अवसर मिल जाएगा। टूर्नामेंट में शामिल होने वाले बड़े नामों में गत ओपन चैम्पियन रियान फाक्स भी शामिल हैं। इसके अलाव यूरोपीय राइडर कप कप्तान ल्यूक डोनाल्ड और राइडर कप के स्टार विक्टर होवलैंड जैसे खिलाड़ी भी मैदान में होंगे।

पाकिस्तान टीम डब्लयूटीसी अंक तालिका में आठवें स्थान पर पहुंची

लाहौर। पाकिस्तान की वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के साथ ही विश्व टेस्ट

चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) अंक तालिका में भी बदलाव आया है। इस जीत के साथ ही पाक टीम डब्लयूटीसी अंक तालिका में वेस्टइंडीज की जगह पर आठवें स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं पहले वह अंतिम स्थान पर थी। यह पाकिस्तान की जुलाई 2023 के बाद पहली विदेशी टेस्ट जीत है, जो उनकी पिछली इस जीत से पाक के अंक प्रतिशत (पीसीटी) 22.22 तक पहुंच गये हैं। वहीं वेस्टइंडीज अब 20.83 पीसीटी अंकों के साथ नौवें स्थान पर फिसल गया है। इस जीत से पाक टेस्ट टीम डब्लयूटीसी की दौड़ में बनी हुई है। डब्लयूटीसी की ताजा अंकतालिका को देखें तो आस्ट्रेलियाई टीम 87.50 प्रतिशत अंकों के साथ ही शीर्ष पर बनी हुई है। उसके बाद दक्षिण अफ्रीका (75.00 पीसीटी) के साथ ही दूसरे और न्यूजीलैंड (72.22 पीसीटी) के साथ ही तीसरे स्थान पर है। वहीं बांग्लादेश 58.33 फीसदी अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। भारतीय टीम 48.15 फीसदी अंकों के साथ ही पांचवें नंबर पर है। श्रीलंका 41.67 फीसदी अंक के साथ छठे और इंग्लैंड 24.36 प्रतिशत अंकों के साथ सातवें स्थान पर है।

जूनियर एशिया कप के लिए भारतीय महिला हाकी टीम घोषित, शिलेइमा चानू कप्तान

नई दिल्ली

हाकी इंडिया ने एएचएफ जूनियर एशिया कप-2026 के लिए भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम की घोषणा कर दी। यह टूर्नामेंट 30 अगस्त से 13 सितंबर तक चीन के मोकी में खेला जाएगा। टीम में 18 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जबकि दो खिलाड़ियों को वैकल्पिक (अल्टरनेट) के रूप में रखा गया है।

टीम की कप्तानी मिडफील्डर खैदेम शिलेइमा चानू करेंगी। मुख्य कोच टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में टीम ने पिछले कुछ महीनों से गहन तैयारी की है। इस वर्ष टीम की कमान संभालने वाले व्हाइट की देखरेख में खिलाड़ियों ने अपने खेल में लगातार सुधार किया है। महाद्वीपीय टूर्नामेंट की तैयारी के तहत भारतीय जूनियर महिला टीम हाल ही में यूनाइटेड किंगडम के एक्सपोजर दौरे से लौटी है। इस दौरे में खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों का अनुभव मिला, जिससे जूनियर एशिया कप की तैयारियों को और मजबूती मिली।

कोच टिम व्हाइट ने टीम की घोषणा पर कहा, मुझे गर्व है कि इन युवा खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ संकल्प के दम पर टीम में जगह बनाई है। पिछले कुछ महीनों में उन्होंने अपने खेल के हर पहलू में सुधार के लिए अथक मेहनत की है और मैंने उन्हें व्यक्तिगत और टीम दोनों रूपों में आगे बढ़ते देखा है।

उन्होंने आगे कहा, यह टूर्नामेंट एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खुद को परखने और बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर है। हम हर मैच में आत्मविश्वास और अनुशासन के साथ उतरेंगे। मुझे विश्वास है कि इस टीम में देश को गौरवान्वित करने की प्रतिभा और जज्बा है।

टूर्नामेंट में एशिया की शीर्ष जूनियर टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता का कार्यक्रम और पूल का ऐलान बाद में किया जाएगा।

भारतीय टीमः

गोलकीपरः निधि, एंगिल हर्षा रानी मिंज

डिफेंडरः पूजा साहू, सुप्रिया, पूजा मलिक, पार्वती टोपनो, मधु

मिडफील्डरः खैदेम शिलेइमा चानू (कप्तान), तनुजा टोप्पो, बिनिमा धन, रोशनी ऐंद, गीता यादव

फारवर्डः लालरिनपुई, पूर्णिमा यादव, सुखवीर कौर, कृष्णा शर्मा, सानिका चंद्रकांत माने, मधु सिदार

वैकल्पिक खिलाड़ीः एफ. लालबियाक्सियामी, तनुश्री दिनेश कडू।

17 अगस्त से शुरु होगी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप, सिंधु को महिला एकल में नौवीं वरीयता मिली

नई दिल्ली। 17 से 23 अगस्त तक यहां खेली जाने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत की पी वी सिंधु को महिला एकल वर्ग में नौवीं वरीयता मिली है। वहीं, पुरुष युगल में सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पांचवीं वरीयता प्रदान की गई है। भारत को सिंधु और सात्विकसाइराज, चिराग की जोड़ी से पदक जीतने की उम्मीदें रहेंगी। भारतीय दल इस बार विश्व चैंपियनशिप में एक मजबूत चुनौती पेश करने की तैयारी में है। सिंधु ने हाल ही में जापान ओपन टूर्नामेंट में शानदार जीत दर्ज की थी। इसके साथ ही ओलंपिक में भारत के लिए दो बार पदक भी जीता है। दूसरी ओर, पुरुष युगल में सात्विक और चिराग की जोड़ी भी अच्छी लय में है। इस जोड़ी ने साल 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था और अब विश्व चैंपियनशिप में भी इतिहास रचना चाहती है। वहीं पुरुष एकल वर्ग में कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को 14वीं वरीयता दी गयी है। ये उनके निरंतर अच्छे प्रदर्शन का परिणाम है। मिश्रित युगल में भी भारत की ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी को 15वीं वरीयता दी गई है। भारत ने इस चैम्पियनशिप के सभी पांचों वर्गों में दो-दो प्रविष्टियां भेजी हैं, जो देश में बैडमिंटन की बढ़ती गहराई और प्रतिभा को दर्शाता है। वहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वरीयता की बात करें तो, पुरुष एकल में चीन के विश्व चैम्पियन शि युकी को शीर्ष वरीयता मिली है, जबकि महिला एकल में दक्षिण कोरिया की स्टार खिलाड़ी आन से यंग को पहली वरीयता दी गई है। जापान की मौजूदा महिला एकल विश्व चैम्पियन अकाने यामागुची को दूसरी वरीयता मिली है।

तन्वी शर्मा कोरिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में, अब रक्षिता रामराज से होगी भिड़ंत

आसन (दक्षिण कोरिया)

भारत की 17 वर्षीय उभरती बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए कोरिया मास्टर्स 2026 के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में तन्वी ने हमवतन श्रियांशी वालिशेट्टी को 21-16, 17-21, 21-13 से हराया।

अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना एक अन्य भारतीय खिलाड़ी रक्षिता श्री रामराज से होगा, जिन्होंने जापान की मानामी सुइजू को 22-20, 21-10 से मात दी।

पिछले सप्ताह ताइपे ओपन सुपर-300 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली 17 वर्षीय तन्वी ने एक बार फिर अपने जुझारू खेल का परिचय दिया। इस महीने भारत में होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप से पहले उन्होंने लगातार जीत का सिलसिला जारी रखते हुए अपनी दावेदारी मजबूत की।

आल इंडिया मुकाबले के पहले गेम में तन्वी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह शुरुआती अंकों में पिछड़ गईं। हालांकि, तेज मूवमेंट और आक्रामक स्ट्रोक्स के दम पर उन्होंने शानदार वापसी की और लगातार महत्वपूर्ण अंक हासिल करते हुए पहला गेम 21-16 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में श्रियांशी वालिशेट्टी ने दमदार वापसी की। उन्होंने मध्यांतर तक 11-6 की बढ़त बना ली और लगातार आक्रामक खेल दिखाया। तन्वी ने बीच में अंतर कम करने की कोशिश की, लेकिन श्रियांशी ने संयम बनाए रखते हुए दूसरा गेम 21-17 से जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया।

निर्णायक गेम में तन्वी पूरी तरह हावी रहीं। उन्होंने शुरुआत से ही बढ़त बनाई और पूरे गेम में श्रियांशी को वापसी का मौका नहीं दिया। विश्व रैंकिंग में 30वें स्थान पर काबिज तन्वी ने शानदार नियंत्रण बनाए रखते हुए तीसरा गेम 21-13 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली।

नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट

टोरंटो में नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अंक मिलने पर उत्साहित फिलीपींस की एलेकजेंड्रा इयाला।

दलीप ट्राफी में बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम के लिए दावेदारी पेश करेंगे रविचंद्रन स्मरण

बेंगलुरु

कर्नाटक के बाएं हाथ के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रविचंद्रन स्मरण अब दलीप ट्राफी में साउथ जोन की ओर से अच्छा प्रदर्शन कर भारतीय टीम में जगह के लिए दावेदारी पेश करना चाहेंगे। स्मरण का लक्ष्य भारतीय टीम के लिए तीनों प्रारूपों में खेलने का है, और वे इसे पाने के लिए लगातार कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ आगे बढ़ रहे हैं। स्मरण ने पिछले रणजी ट्राफी सत्र में 950 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी क्षमता दिखायी थी। घरेलू क्रिकेट के सबसे बड़े टूर्नामेंट में अधिक से अधिक रन बनाना सभी बल्लेबाजों पर प्रयास रहता है पर कई बार इससे बल्लेबाज पर दबाव भी आ जाता है।

उसी को लेकर स्मरण ने कहा कि वह उम्मीदे के बारे में ज्यादा नहीं सोचते और न ही किसी प्रकार का दबाव अपने पर लेते है। मेरा पूरा ध्यान केवल ज्यादा से ज्यादा रन बनाने पर रहता है। वे सत्र शुरू होने से पहले अच्छी तरह अभ्यास और प्रशिक्षण को जरुरी मानते हैं, जिससे सही मानसिकता के साथ मैदान पर उतरा जा सके।

गौरतलब है कि स्मरण की अच्छी बल्लेबाजी से कर्नाटक पिछले सत्र में रणजी ट्राफी के फाइनल तक पहुंची थी। वहीं अब वह दलीप ट्राफी टूर्नामेंट को अपने लिए बेहद अहम मानते हैं क्योंकि यहां बनाए गए रन भविष्य के लिए राह बनाने में अहम भूमिका निभा सकते है। उनका मानना है कि अगर वे इसमें अच्छा प्रदर्शन कर पाते हैं, तो यह पूरे सत्र के लिए एक शानदार शुरुआत साबित होगी। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा रहने के बाद, करीब छह महीने तक लाल गेंद क्रिकेट से दूर रहना और फिर अप्रैल-मई में सफेद गेंद खेलने के बाद दोबारा लाल गेंद से खेलन एक चुनौती रही है, जिसे स्मरण ने बखूबी स्वीकार किया है।

इस युवा बल्लेबाज ने अपनी तकनीक पर लगातार काम किया है, खासकर स्पिन गेंदबाजी का सामना करने पर। घरेलू क्रिकेट में देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग पिचों और हालातों में अच्छे स्पिनरों के खिलाफ खेलना एक बड़ी चुनौती है, जिसके लिए मजबूत तकनीक की आवश्यकता होती है। स्मरण कहते हैं, स्पिनरों की लय बिगाड़ने के लिए स्वीप और रिवर्स स्वीप जैसे शाट खेलने आने चाहिए। वे सत्र से पहले इन पहलुओं पर लगातार काम कर रहे हैं, जिससे किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए वे पूरी तरह तैयार रहें। लाल गेंद क्रिकेट में अपनी सफलता के साथ-साथ, स्मरण सीमित ओवरों के प्रारूप में भी उतने ही प्रभावी रहे हैं। टी-20 में उनका स्ट्राइक रेट 155 है, जबकि लिस्ट-ए क्रिकेट में उनका प्रभावशाली औसत 50.33 है, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दिखाता है।

डीपीएल : नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स को छह विकेट से हराया

नई दिल्ली

कप्तान सार्थक रंजन की विस्फोटक 95 रन की पारी और यश भाटिया के नाबाद अर्धशतक की बदौलत नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में ईस्ट दिल्ली राइडर्स को छह विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में नार्थ दिल्ली ने 172 रन का लक्ष्य चार ओवर शेष रहते हासिल कर लिया।

सार्थक रंजन ने खेली 95 रनों की शानदार पारी

इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने 20 ओवर में छह विकेट पर 171 रन बनाए। टीम की ओर से सुजल सिंह ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 50 गेंदों पर नाबाद 82 रन बनाए। उनकी पारी में छह चौके और चार छक्के शामिल रहे।

राइडर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे, लेकिन सुजल ने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण दिखाते हुए अंतिम ओवरों में तेजी से रन जुटाए और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की ओर से विकास दीक्षित सबसे किफायती गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में सिर्फ 19 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि अन्य गेंदबाजों ने भी सटीक गेंदबाजी करते हुए विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। 172 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की शुरुआत भी खराब रही और टीम ने शुरुआती ओवरों में ही 39 रन पर दो विकेट गंवा दिए। इसके बाद कप्तान सार्थक रंजन और यश भाटिया ने तीसरे विकेट के लिए 113 रन की शानदार साझेदारी कर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

सार्थक रंजन ने 50 गेंदों पर 95 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और आठ छक्के जड़े। 14वें ओवर में उन्होंने सिमरजीत सिंह के एक ही ओवर में 29 रन बटोरकर मैच पूरी तरह अपनी टीम के पक्ष में कर दिया।

हालांकि वह शतक से केवल पांच रन दूर रह गए, लेकिन तब तक नार्थ दिल्ली की जीत लगभग तय हो चुकी थी।

सार्थक के आउट होने के बाद भारत सिंधवानी भी जल्दी पवेलियन लौट गए, लेकिन यश भाटिया ने संयम बनाए रखा। उन्होंने नाबाद अर्धशतक जमाते हुए टीम को बिना किसी और झटके के लक्ष्य तक पहुंचाया और नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को छह विकेट से यादगार जीत दिलाई।

भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता 300 गीगावाट के पार हुई : प्रह्लाद जोशी

जोशी ने बताया-2030 तक 500 गीगावाट लक्ष्य की राह पर भारत

नई दिल्ली

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन क्षमता 300 गीगावाट के आंकड़े को पार कर गई है। उन्होंने कहा कि देश 2030 तक 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है।

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित 7वें सीआईआई अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी को संबोधित करते हुए कहा कि जनवरी से लेकर जून के बीच केवल छह महीने में गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन की क्षमता में 30.58 गीगावाट की वृद्धि हुई है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 25 फीसदी अधिक है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पिछले दो वर्षों में भारत ने 90 गीगावाट अक्षय ऊर्जा या गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता जोड़ी है। जोशी ने उद्योग जगत के दिग्गजों से अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) में अधिक निवेश करने का भी आग्रह किया।

जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत देश में 50 लाख से अधिक घरों का लक्ष्य हासिल किया जा चुका है। इस योजना के तहत हर 6 दिनों में करीब एक लाख नए घर जुड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने (रूफटाप सोलर) की गति में पिछले नौ महीनों में 3.2 गुना से अधिक वृद्धि हुई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अक्टूबर, 2025 में जहां प्रतिदिन 5,000 संयंत्र लगाए जा रहे थे। जुलाई में यह संख्या बढ़कर अब 16,328 से अधिक प्रतिदिन हो गई है। उन्होंने कहा कि 19 लाख घरों को शून्य बिजली बिल मिल रहा है।

जोशी ने कहा कि योजना के तहत 12 लाख से अधिक घरों ने अतिरिक्त बिजली को बेचकर 421 करोड़ रुपये की आय अर्जित की है। उन्होंने कहा कि यह घर केवल बिजली का उपभोग नहीं कर रहे हैं, बल्कि उसका उत्पादन भी कर रहे हैं, जिससे प्रत्येक घर को सालाना औसतन 3,500 रुपये की अतिरिक्त आय हो रही है। जोशी ने यह भी बताया कि देश में छत पर सौर ऊर्जा की कुल स्थापित क्षमता 14 गीगावाट तक पहुंच गई है।

सीआईआई अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी में 20 से ज्यादा देशों के पालिसी बनाने वाले, उद्योग के व्यापारी, वैश्विक प्रतिनिधि और एनर्जी एक्सपर्ट्स शामिल हुए। इसके साथ ही इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव और भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी भी मौजूद थे।

न्यूज ब्रीफ

सरकार कोयला क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए उठा रही ठोस कदमः जी. किशन रेड्डी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार कोयला क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठा रही है। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कोयला मंत्रालय से जुड़ी सांसदों की सलाहकार समिति की बैठक के दौरान ये बात कही। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने मंत्रालय से जुड़ी सांसदों की सलाहकार समिति की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। रेड्डी ने कहा कि वाणिज्यिक कोयला खनन पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए अनेक सुधारों का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने सदस्यों को सूचित किया कि वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी के 14 चरण पूरे हो चुके हैं और 15वां चरण वर्तमान में प्रक्रियाधीन है। उन्होंने बताया कि वाणिज्यिक कोयला खनन ने कोयला क्षेत्र को अधिक प्रतिस्पर्धी और कुशल बनाया है। उन्होंने कहा कि पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया ने प्रतिस्पर्धा और निवेश को बढ़ावा देकर भारत के कोयला क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन किया है। नीलामी प्रक्रिया का जिक्र करते हुए रेड्डी ने कहा कि कोयला मंत्रालय उद्योग निकायों और निजी कंपनियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर जागरूकता बढ़ाने और व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए रोड शो और हितधारक परामर्श आयोजित कर रहा है।

एचडीएफसी बैंक में प्रणालीगत गवर्नेंस चिंता नहीं: चेयरमैन

नई दिल्ली। एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन राजीव कुमार ने बैंक की वार्षिक आम बैठक में आश्वस्त किया कि पूर्व अंशकालिक चेयरमैन से जुड़े हालिया घटनाक्रम के बावजूद बैंक में प्रणालीगत स्तर पर संचालन संबंधी कोई चिंता नहीं है। उन्होंने जोर दिया कि बैंक बुनियादी तौर पर मजबूत है और उच्चतम कारोबारी संचालन मानकों को बनाए रखेगा। कुमार ने स्पष्ट किया कि बैंक के पास किसी भी गड़बड़ी का पता लगाने के लिए मजबूत नियंत्रण प्रणाली और निगरानी तंत्र है। उन्होंने दोहराया कि बैलेंस शीट बेदाग है और प्रशासन संबंधी कोई प्रणालीगत चिंता नहीं। बोर्ड ईमानदारी, पारदर्शिता व जवाबदेही के उच्चतम मानकों के प्रति प्रतिबद्ध है। पूर्व चेयरमैन के इस्तीफे के बाद बैंक ने विधि फर्मों से जांच कराई और निष्कर्षों को सार्वजनिक किया था। कुमार ने गवर्नेंस को संस्था की नींव बताया और स्थापित नीतियों या नैतिक मानकों में किसी भी गड़बड़ी के प्रति बैंक की बर्दाश्त नहीं करने की नीति दोहराई।

जुलाई में बजाज आटो ने बेची कुल 4,74,677 यूनिट्स

नई दिल्ली। जुलाई 2026 में बजाज आटो कंपनी ने कुल 4,74,677 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। इस वृद्धि में घरेलू और निर्यात दोनों बाजारों का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसमें दोपहिया निर्यात घरेलू बिक्री से भी अधिक रहा। यह पिछले साल की समान अवधि (3,66,000 यूनिट्स) के मुकाबले लगभग 30प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है। जुलाई 2026 में दोपहिया और कमर्शियल व्हीकल्स की घरेलू बिक्री 2,20,192 यूनिट्स रही, जो जुलाई 2025 के मुकाबले 20प्रतिशत अधिक है। वहीं, निर्यात में 39प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी हुई, जो 1,82,857 यूनिट्स से बढ़कर 2,54,485 यूनिट्स हो गई। कंपनी ने जुलाई में कुल 3,88,719 दोपहिया वाहन बेचे, जो पिछले साल के 2,96,247 यूनिट्स के मुकाबले 31प्रतिशत ज्यादा है। घरेलू दोपहिया बिक्री 19प्रतिशत बढ़कर 1,65,747 यूनिट्स हो गई, जबकि निर्यात 42प्रतिशत बढ़कर 2,22,972 यूनिट्स तक पहुंच गया। बजाज के कमर्शियल व्हीकल बिजनेस ने भी जुलाई में अच्छा प्रदर्शन किया, जिसमें कुल 85,958 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई, जो 23प्रतिशत की वृद्धि दिखाती है।

अप्रैल से जुलाई 2026 के दौरान, कंपनी की कुल बिक्री 19,12,928 यूनिट्स रही, जो पिछले वित्तीय वर्ष के इसी समय अवधि से 29प्रतिशत ज्यादा है। इस दौरान दोपहिया बिक्री 29प्रतिशत बढ़कर 16,11,271 यूनिट्स तक पहुंच गई।

भारत का घातक काल ड्रोन वैश्विक बाजार में दस्तक देने को तैयार

स्वदेशी तकनीक से लैस यह मानवरहित विमान 1000 किमी तक मार करने में सक्षम

नई दिल्ली

भारत द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित लंबी दूरी का अचूक मारक क्षमता वाला ड्रोन काल अब अंतरराष्ट्रीय रक्षा बाजार में अपनी पहचान बनाने को तैयार है। नोएडा स्थित रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी आईजी डिफेंस द्वारा निर्मित यह मानव रहित विमान (यूएवी) खाड़ी देशों सहित कई रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राष्ट्रों का ध्यान आकर्षित कर रहा है, जो इसे अपनी सैन्य जरूरतों के लिए खरीदने में गहरी रुचि दिखा रहे हैं। केंद्र सरकार एवं निर्यात प्रक्रियाओं से आवश्यक मंजूरी मिलते ही काल ड्रोन को अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतारा जाएगा। यह भारत का पहला पूर्णत: स्वदेशी लंबी दूरी का ड्रोन है, जिसे लंबी दूरी के सटीक-स्ट्राइक मिशन और दूरदराज के सामरिक लक्ष्यों को भेदने के लिए डिजाइन किया गया है। लगभग 1,000 किलोमीटर की प्रभावशाली परिचालन रेंज और 7 से 8 घंटे तक लगातार उड़ान भरने या काम करने की क्षमता वाला काल ड्रोन 50 किलोग्राम तक का पेलोड ले जाने में सक्षम है। इसकी यह क्षमता इसे लंबी दूरी के मिशन के लिए एक शक्तिशाली और बहुपयोगी उपकरण बनाती है। आईजी डिफेंस कंपनी ने बताया कि कई खाड़ी देशों ने विशेष रूप से अपनी सामरिक और युद्धक्षेत्र की आवश्यकताओं के लिए इस ड्रोन को खरीदने में रुचि दिखाई है। वर्तमान में अमेरिका-ईरान तनाव से उपजे संकट के कारण क्षेत्र में लंबी दूरी तक मार करने वाले किफायती हथियारों और अन्य सैन्य साजो-सामान की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसने काल जैसे ड्रोनों के लिए एक अनुकूल बाजार तैयार किया है। आईजी डिफेंस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भविष्य के युद्ध स्वायत्त और लंबी दूरी के सटीक हमला करने वाले हथियारों पर ही आधारित होंगे। ड्रोन काल भारत की उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मित्र राष्ट्रों की आधुनिक रक्षा क्षमताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए कंपनी विश्वसनीय, किफायती और उपयोग के लिए तैयार मानवरहित प्लेटफार्मों के साथ खड़ी है।

किम कार्दाशियां का ब्रांड एसकेआईएमएस ने रिलायंस के साथ की साझेदारी, भारत में अब घर-घर पहुंचेगा किम कार्दशियन का फैशन ब्रांड!

नई दिल्ली। अमेरिकी रियलिटी स्टार और बिजनेसवुमन किम कार्दाशियां का मशहूर लाइफस्टाइल ब्रांड एसकेआईएमएस भारतीय बाजार में धमाकेदार एंट्री करने के लिए तैयार है। कंपनी ने भारत में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने और कारोबार बढ़ाने के लिए रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड (आरबीएल) के साथ रणनीतिक साझेदारी की है, जो रिलायंस रिटेल की एक प्रमुख सहायक कंपनी है। इस साझेदारी के तहत एसकेआईएमएस सबसे पहले दिल्ली और मुंबई में अपने एक्सक्लूसिव स्टोर खोलेगा, जिसके बाद देश के अन्य प्रमुख शहरों में भी विस्तार किया जाएगा। रिलायंस ब्रांड्स भारत में एसकेआईएमएस के स्टोर संचालन और आनलाइन बिक्री दोनों का प्रबंधन करेगा। यह पहली बार होगा जब भारतीय ग्राहकों को एसकेआईएमएस के उत्पाद आधिकारिक तौर पर उपलब्ध होंगे। 2019 में किम कार्दाशियां और जेंस ग्रेडे द्वारा स्थापित एसकेआईएमएस अपने आरामदायक डिजाइन, बेहतर फिटिंग और विभिन्न बाडी टाइप के लिए उपयुक्त कपड़ों के लिए विश्व स्तर पर लोकप्रिय है। ब्रांड ने महिलाओं के शेपवियर, अंडरगारमेंट्स से शुरुआत कर पुरुषों के कपड़े और लाउंजवियर तक अपना विस्तार किया है। एसकेआईएमएस भारत को अपने वैश्विक विस्तार में एक महत्वपूर्ण बाजार मानता है, जहां प्रीमियम और आरामदायक फैशन की मांग तेजी से बढ़ रही है।

स्कोरकार्ड मार्केटिंग ने हैदराबाद में रणनीतिक संचार और विकास सलाहकार सेवाओं का अनावरण किया

हैदराबाद । जैसे-जैसे हैदराबाद भारत के प्रमुख व्यावसायिक गंतव्यों में से एक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है, स्कोरकार्ड मार्केटिंग ने आधिकारिक रूप से लॉन्च किया है। इसका मिशन संगठनों को रणनीतिक संचार, ब्रांड पोजिशनिंग, हितधारक जुड़ाव और बाजार खुफिया के माध्यम से विकास में मदद करना है। यह एक एकीकृत दृष्टिकोण के जरिए विविध रणनीतिक क्षमताओं को एक साथ लाकर बदलती व्यावसायिक जरूरतों को पूरा करता है।

शहर का यह रूपांतरण ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) के तीव्र विस्तार के साथ-साथ रियल एस्टेट, लाइफ साइंसेज और संबद्ध उद्योगों में निरंतर वृद्धि से प्रेरित है। इन क्षेत्रों ने मिलकर वैश्विक निवेश आकर्षित किए हैं, रोजगार सृजित किए हैं और हैदराबाद की नवाचार तथा उद्यमिता के केंद्र के रूप में प्रतिष्ठा को मजबूत किया है।

जैसे-जैसे व्यवसाय विस्तार करते हैं, उन्हें संचालन से परे चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। विश्वसनीयता बनाना, नवाचार का संचार करना, हितधारक संबंधों को मजबूत करना और एक विशिष्ट बाजार स्थिति स्थापित करना दीर्घकालिक विकास के लिए आवश्यक हो गया है। स्कोरकार्ड मार्केटिंग की स्थापना इन बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए की गई है, जो उच्च-विकास क्षेत्रों में काम करने वाले संगठनों को एकीकृत संचार और रणनीतिक सलाहकार सेवाएं प्रदान करती है।

स्कोरकार्ड मार्केटिंग रणनीतिक संचार, कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा प्रबंधन, थॉट लीडरशिप, बाजार पोजिशनिंग और विकास सलाहकार में विशेषज्ञता प्रदान करता है। यह व्यवसायों को उन दर्शकों से जुड़ने में मदद करता है जो सबसे महत्वपूर्ण हैं, जिनमें ग्राहक, निवेशक, नीति-निर्माता, साझेदार और कर्मचारी शामिल हैं।

स्कोरकार्ड मार्केटिंग के प्रबंध भागीदार अनुराग कुमार ने कहा कि हैदराबाद की आर्थिक वृद्धि उन विविध उद्योगों द्वारा आकार ले रही है जो शहर को वैश्विक व्यावसायिक हब में बदल रहे हैं। जैसे-जैसे संगठन बढ़ते हैं, उन्हें केवल परिचालन उत्कृष्टता की नहीं, बल्कि स्पष्ट बाजार स्थिति, मजबूत प्रतिष्ठा और सार्थक हितधारक जुड़ाव की जरूरत होती है। हमारी भूमिका व्यवसायों को अपनी दृष्टि स्पष्टता के साथ संचार करने और अपने संबंधित क्षेत्रों में स्थायी प्रभाव बनाने में मदद करना है। लॉन्च पर बोलते हुए, स्कोरकार्ड मार्केटिंग के प्रबंध भागीदार मुरली मुक्तपुरम ने कहा, आज के व्यवसायों को केवल दृश्यता से कहीं अधिक की आवश्यकता है; उन्हें विश्वास, विश्वसनीयता और एक आकर्षक आख्यान की जरूरत है जो हितधारकों के साथ गूंजे। स्कोरकार्ड मार्केटिंग में हम बाजार खुफिया को रणनीतिक संचार के साथ जोड़कर संगठनों को अपनी प्रतिष्ठा मजबूत करने, थॉट लीडरशिप स्थापित करने और दीर्घकालिक व्यावसायिक मूल्य सृजित करने में मदद करते हैं।

एलआईसी में 6.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर सरकार ने जुटाए 31,522 करोड़

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में 6.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर 31,522 करोड़ रुपए जुटाए हैं, जो भारतीय पूंजी बाजार के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा आफर फार सेल (ओएफएस) बन गया है। इसे अत्यधिक गोपनीयता के साथ अंजाम दिया गया, जिससे बाजार को अंतिम समय तक इसकी भनक नहीं लगी। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य ट्रेडर्स को पहले से पोजीशन बनाने और शेयर मूल्य पर अनावश्यक दबाव डालने से रोकना था। ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के अनुसार, डील से जुड़े निवेश बैंकों को भी अलग-अलग समय पर सूचना दी गई; कुछ को तो स्टाक एक्सचेंज में घोषणा से ठीक पहले ही जानकारी मिली। कोर टीम के अलावा, बाकी सलाहकारों को बाजार बंद होने के बाद ही शामिल किया गया। सरकार ने बाजार की उम्मीदों के विपरीत एलआईसी के तिमाही नतीजों से पहले ही ओएफएस लान्च किया। अधिकारियों का मानना था कि यह कदम शेयर की कीमत स्थिर रखने और निवेशकों की रुचि बनाए रखने में सहायक होगा।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी ने भी लगाई छलांग

नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ है। सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं के भाव चढ़े हुए हैं। भाव बढ़ने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 1,620 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,770 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह हाजिर चांदी ने भी 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक जोरदार छलांग लगाई है।

कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,45,760 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,33,610 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,33,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी होने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,40,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,45,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,45,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,45,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,45,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,33,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,45,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,45,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,45,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,45,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,45,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,33,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना शुरुआती कारोबार के दौरान बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,45,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,33,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। इसी तरह एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

टेक्नोलाजी सेक्टर में आई गिरावट के कारण अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज पिछले सत्र के कारोबार में 263.24 अंक यानी 0.49 प्रतिशत उछल गया। दूसरी ओर, एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,723.55 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डेक 221.55 अंक यानी 0.83 प्रतिशत टूट कर 26,363.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,888.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 8,669.30 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत डीएएक्स इंडेक्स 76.05 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 26,126.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में फिलहाल मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 116.50 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,751 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.63 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,619.92 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.03 प्रतिशत उछल कर 5,638.62 अंक के स्तर पर आ गया है। वहीं शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 3,878.92 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 735.44 अंक यानी 1.11 प्रतिशत टूट कर 65,565 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 429.82 अंक यानी 1.69 प्रतिशत लुढ़क कर 25,486 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 300.97 अंक यानी 4.56 प्रतिशत फिसल कर 6,297.29 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 190.60 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 44,421 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 6,349.84 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 07 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

विनोद कुमार अग्रवाल FTCCI के उपाध्यक्ष निर्वाचित

एमपीएल के प्रबंध निदेशक 2026–27 के लिए उपाध्यक्ष के रूप में सेवा करेंगे

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के सबसे पुराने और सम्मानित उद्योग संघों में से एक, तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) ने सर्वसम्मति से महालक्ष्मी प्रोफाइल्स प्राइवेट लिमिटेड (एमपीएल ग्रुप) के प्रबंध निदेशक विनोद कुमार अग्रवाल को वर्ष 2026–27 के लिए अपना उपाध्यक्ष निर्वाचित किया है। यह चुनाव रेड हिल्स स्थित एफटीसीसीआई में आयोजित फेडरेशन की दूसरी प्रबंध समिति की बैठक में हुआ।

35 वर्षों से अधिक का नेतृत्व अनुभव

35 वर्षों से अधिक के नेतृत्व अनुभव वाले प्रतिष्ठित उद्योगपति श्री विनोद कुमार अग्रवाल कई वर्षों से एफटीसीसीआई से निकटता से जुड़े रहे हैं। उन्होंने प्रबंध समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया है और फेडरेशन की विभिन्न समितियों की सफलतापूर्वक अध्यक्षता की है। नीतिगत वकालत, औद्योगिक विकास, सतत विकास तथा उद्योग–सरकार सहयोग को मजबूत बनाने में उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

चुनाव के बाद अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए श्री विनोद कुमार अग्रवाल ने कहा, एफटीसीसीआई के सदस्यों द्वारा मुझ पर व्यक्त किए गए विश्वास से मैं अत्यंत सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। फेडरेशन एक शताब्दी से अधिक समय से औद्योगिक और आर्थिक विकास का उत्प्रेरक रहा है। मैं अध्यक्ष, पदाधिकारियों, प्रबंध समिति के सदस्यों तथा सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करने की आशा करता हूँ ताकि एफटीसीसीआई की उद्योग की आवाज के रूप में भूमिका और मजबूत हो तथा तेलंगाना के समावेशी एवं सतत आर्थिक विकास में योगदान दिया जा सके।

एमपीएल ग्रुप का विस्तार और योगदान

महालक्ष्मी प्रोफाइल्स प्राइवेट लिमिटेड, जो एमपीएल ग्रुप की प्रमुख कंपनी है, के प्रबंध निदेशक के रूप में श्री विनोद कुमार अग्रवाल ने ग्रुप के स्टील, बिजली, लॉजिस्टिक्स, सीमेंट तथा निवेश एवं लीजिंग क्षेत्रों में विविधीकरण का नेतृत्व किया है। उनके नेतृत्व में ग्रुप तेलंगाना के अग्रणी औद्योगिक उद्यमों में से एक के रूप में उभरा है, जो रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचे में निवेश और सतत विनिर्माण प्रथाओं को बढ़ावा दे रहा है।

1913 में स्थापित एमपीएल ग्रुप तेलंगाना के सबसे पुराने व्यावसायिक घरानों में से एक है और राज्य के औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन तथा आर्थिक विकास में निरंतर योगदान देता रहा है।

उद्योग संगठनों में प्रमुख भूमिका

विनोद कुमार अग्रवाल ने उद्योग निकायों में भी प्रमुख नेतृत्व पद संभाले हैं, जिनमें एफटीसीसीआई ऊर्जा समिति के अध्यक्ष, तेलंगाना आयरन एंड स्टील मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (टीआईएसएमए) के महासचिव शामिल हैं। वे सीआईआई तथा अन्य व्यापार एवं सामुदायिक संगठनों से भी सक्रिय रूप से जुड़े रहे हैं।

उनके नेतृत्व और व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए मान्यता प्राप्त इस चुनाव से तेलंगाना में औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता, सतत विकास, निवेश सुविधा, नवाचार तथा सार्वजनिक नीति संलग्नता को बढ़ावा देने के एफटीसीसीआई के प्रयासों को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

मिलावट और अनैतिक व्यापार पर किराना व्यापारियों का सख्त संदेश

द हैदराबाद किराना मर्चेंट्स एसोसिएशन ने दोषियों पर सदस्यता समाप्ति तक की कार्रवाई का लिया निर्णय

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

द हैदराबाद किराना मर्चेंट्स एसोसिएशन (टीएचकेएमए) द्वारा हाल ही में खाद्य सुरक्षा से जुड़े विषयों तथा एच–फास्ट द्वारा की गई प्रवर्तन कार्रवाई के संदर्भ में एक आपातकालीन सामान्य सभा आयोजित की गई।

मिलावट और अवैध गतिविधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस

बैठक में सर्वसम्मति से स्पष्ट किया गया कि एसोसिएशन खाद्य पदार्थों में मिलावट, पॉलिशिंग, कृत्रिम रंगों के उपयोग, नकली एवं घटिया सामग्री के व्यापार तथा किसी भी प्रकार की अनैतिक अथवा अवैध व्यापारिक गतिविधियों का पूर्णतः विरोध करती है। संस्था ऐसे किसी भी कृत्य का न तो समर्थन करेगी और न ही किसी दोषी व्यक्ति को संरक्षण प्रदान करेगी। वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ न केवल कानून का उल्लंघन हैं, बल्कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य, व्यापारियों की साख तथा पूरे बाजार की प्रतिष्ठा को भी गंभीर क्षति पहुँचाती हैं।

दोषी सदस्य की सदस्यता समाप्त करने का प्रस्ताव पारित

सामान्य सभा में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि यदि कोई सदस्य सक्षम प्राधिकारी द्वारा खाद्य पदार्थों में मिलावट, पॉलिशिंग, कृत्रिम रंगों के उपयोग अथवा अन्य किसी अनैतिक या अवैध व्यापारिक गतिविधि में दोषी पाया जाता है, तो एसोसिएशन के नियमों के अनुसार उसकी सदस्यता समाप्त करने सहित कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

एफएसएसएआई के नियमों के पालन का आह्वान, अधिकारियों के प्रयासों की सराहना

बैठक में सभी सदस्यों से खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम (एफएसएसएआई) के सभी प्रावधानों का पूर्ण रूप से पालन करने, गुणवत्ता एवं स्वच्छता बनाए रखने तथा पूर्णतः पारदर्शी एवं कानूनसम्मत व्यापार करने का आह्वान किया गया।एसोसिएशन ने एच–फास्ट, एफएसएसएआई तथा जीएचएमसी के फूड सेफ्टी अधिकारियों द्वारा व्यापारियों में जागरूकता बढ़ाने, खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। साथ ही भविष्य में भी खाद्य सुरक्षा एवं नैतिक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

द हैदराबाद किराना मर्चेंट्स एसोसिएशन (टीएचकेएमए) ने दोहराया कि वह ईमानदार व्यापार, उपभोक्ता हितों की सुरक्षा तथा सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के अपने संकल्प के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटेनियल ने विद्यार्थियों को साइकिलों का वितरण किया

हैदराबाद, 6 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटेनियल द्वारा सिकंदराबाद के जिला परिषद उच्च विद्यालय, नागारम में विद्यार्थियों के लिए साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में कई छात्र–छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गईं, जिससे उन्हें स्कूल आने–जाने में सुविधा होगी और उनकी पढ़ाई में सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष वैभव सिंघानिया ने कहा कि शिक्षा को बढ़ावा देना और विद्यार्थियों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना रोटरी का मुख्य उद्देश्य है। सचिव महावीर जैन ने क्लब की शिक्षा, स्वास्थ्य और सामुदायिक विकास में जारी सेवा गतिविधियों की जानकारी दी।

अशीष अवस्थी, पंकज कुमार संघी, महेश सिंघानिया सहित कई सदस्य कार्यक्रम में उपस्थित थे। विद्यालय प्रशासन ने रोटरी क्लब के प्रयासों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के उत्साह और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

राधे–राधे ही हमारी पहचान : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन सेवा, समर्पण और मानवता के भाव के साथ किया गया। प्रतिदिन संचालित इस सेवा अभियान में बड़ी संख्या में जरूरतमंद, असहाय, श्रमिक, मरीजों के परिजन तथा राहगीरों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों ने पूरे उत्साह के साथ सेवा कार्य में भाग लेते हुए यह संदेश दिया कि समाज में सबसे बड़ा धर्म मानव सेवा है और निस्वार्थ भाव से किया गया प्रत्येक सेवा कार्य ईश्वर की सच्ची आराधना है। इस अवसर पर राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक राम प्रकाश अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे–राधे ग्रुप की वास्तविक पहचान उसके नाम में नहीं, बल्कि उसके सेवा भाव में है। उन्होंने कहा कि इस ग्रुप द्वारा किए जा रहे कार्यों का वर्णन शब्दों में करना संभव नहीं है। इसे केवल अनुभव किया जा सकता है। यही कारण है कि इस संगठन की पहचान केवल एक शब्द है''राधे–राधे''। यह शब्द केवल एक संबोधन नहीं, बल्कि प्रेम, करुणा, सेवा, समर्पण और मानवता का संदेश है। राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक ताकत उसके भवनों या संसाधनों से नहीं, बल्कि उसके सेवाभावी लोगों से होती है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने आसपास के जरूरतमंद लोगों के दुख–दर्द को अपना समझकर सहायता के लिए आगे आता है, तभी एक संवेदनशील और मजबूत समाज का निर्माण होता है। राधे–राधे ग्रुप इसी सोच के साथ निरंतर कार्य कर रहा है और बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक जरूरतमंद तक सेवा पहुंचाने का प्रयास कर रहा है।इस अवसर पर सुनीता अग्रवाल, भगतराम गोयल, नंद किशोर अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, गोपाल गोयल, प्रीतिका अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, जयप्रकाश सारड़ा, जगन गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भाकर राम कुमावत तथा कमला देवी कुमावत सहित अनेक सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने नियमित अन्नदान कार्यक्रम को समाज के लिए प्रेरणादायी बताते हुए इसे और अधिक व्यापक बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन ''राधे–राधे'' के जयघोष के साथ हुआ।

भाजपा एंडोमेंट सेल में सपना गुप्ता को हैदराबाद सेंट्रल संयुक्त संयोजक की जिम्मेदारी

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बरकतपुरा स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्रीमती सपना गुप्ता को भाजपा एंडोमेंट सेल के हैदराबाद सेंट्रल संयुक्त संयोजक पद का नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

इस अवसर पर एंडोमेंट सेल के राज्य संयोजक सूर्य प्रकाश सिंह, संयोजक निरंजन देसाई, राज्य संयुक्त संयोजक मनदीप गुप्ता तथा मुरली प्रसाद, चिन्नमा, नरेश, श्याम सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने श्रीमती सपना गुप्ता को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए संगठन की गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाने की अपेक्षा व्यक्त की।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की सभी ज़ोनों के चेयरमैन–वाइस चेयरमैन की बैठक सम्पन्न

सदस्यता विस्तार, श्रीशैलम यात्रा और प्रिविलेज कार्ड अभियान पर लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की सभी जोनों के मुखिया, चेयरमैन एवं वाइस चेयरमैन की विशेष बैठक गुरुवार को सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता समाज के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल ने की। बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

संगठन विस्तार और सदस्यता अभियान पर विशेष जोर

बैठक में निर्णय लिया गया कि हैदराबाद के सभी जिलों में निवासरत अग्रवाल बंधुओं को अग्रवाल समाज से जोड़ने के लिए व्यापक सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। साथ ही समाज के प्रत्येक सदस्य का प्रिविलेज कार्ड बनाए जाने पर विशेष बल दिया गया। प्रिविलेज कार्ड बनाने की प्रक्रिया को सरल, सुगम एवं अधिक प्रभावी बनाने पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

श्रीशैलम धार्मिक यात्रा को सफल बनाने की रणनीति

बैठक में आगामी श्रीशैलम धार्मिक यात्रा के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन पर विस्तृत विचार–विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त समाज की भावी गतिविधियों एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की रूपरेखा तैयार करते हुए संगठन को अधिक सक्रिय एवं सुदृढ़ बनाने के संबंध में भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, उपाध्यक्ष हरि गोविंद प्रसाद अग्रवाल, सभी जोनों के प्रमुख सुरेश कुमार टंडन, वेस्ट ज़ोन के जिला सनन्वयकर्ता एवं चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, वाईस चेयरमेन के. पी. अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, उमा शंकर गोयंका, साउथ ज़ोन से जिला समन्वयकर्ता एवं चेयरमैन अल्का मिंडा, वाईस चेयरमैन सुशांत अग्रवाल, दीपाली अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, सेंट्रल जोन के वाईस चेयरमैन कमल कांत अग्रवाल, अनिल कुमार अग्रवाल, पूजा गुप्ता, ईस्ट ज़ोन के वाईस चेयरमेन जीतेन्द्र कुमार गोयल, डॉ. कपिल अग्रवाल, रमेश गुप्ता, रितेश अग्रवाल, नार्थ ज़ोन के वाईस चेयरमेन अनिल कुमार अग्रवाल, अशोक चोखानी, राजेश गोयल, सहित विभिन्न जोनों के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के अंत में सुरेश कुमार टंडन ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

हिलेस की मासिक कवि गोष्ठी और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी पर साहित्यिक आयोजन कल

हैदराबाद, 6 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) । हिंदी लेखक संघ, हैदराबाद की 618वीं मासिक गोष्ठी शनिवार, 8 अगस्त को अपराह्न 3 बजे अमृत कॉन्फ्रेंस हॉल, राघव रत्ना टॉवर्स, आबिड्स में आयोजित होगी। इस अवसर पर आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विशेष परिचर्चा होगी, जिसमें कवयित्री आशा ठाकुर और विद्या दवे श्रीमाली अपने विचार प्रस्तुत करेंगी। मुख्य अतिथि समाज–सेवी अमृत कुमार जैन होंगे, जबकि एसबीआई हैदराबाद के विनय कुमार सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन कवि गोविंद अक्षय करेंगे।

द्वितीय सत्र में भव्य कवि गोष्ठी का आयोजन होगा, जिसमें युवा कवि देश की समसामयिक परिस्थितियों और सामाजिक विषयों पर अपनी कविताएँ प्रस्तुत करेंगे। सभी साहित्यकारों और हिंदी प्रेमियों से समय पर आने की अपील की गई है। प्रारंभ में जलपान की व्यवस्था रहेगी।

महेश बैंक ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 15% लाभांश घोषित किया

29.75 करोड़ का कर-पूर्व लाभ अर्जित किया

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, जो कि तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान एवं महाराष्ट्र राज्यों में 45 शाखाओं के नेटवर्क के साथ कार्यरत एक बहु-राज्य अनुसूचित बैंक है, ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 29.75 करोड़ का कर-पूर्व लाभ तथा 23.29 करोड़ का कर-पश्चात लाभ अर्जित किया है। बैंक ने अपने अंशधारकों के लिए 15% लाभांश घोषित किया है।

आज बैंक के प्रधान कार्यालय, बंजारा हिल्स, हैदराबाद में आयोजित बैंक की 50वीं वार्षिक साधारण सभा को संबोधित करते हुए बैंक के अध्यक्ष सीए मुरली मनोहर पलोड़ ने बैंक पर निरंतर विश्वास एवं भरोसा बनाए रखने के लिए अंशधारकों तथा ग्राहकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बैंक के व्यवसाय में निरंतर वृद्धि के साथ भविष्य में भी अंशधारकों को नियमित लाभांश तथा कर्मचारियों को अनुग्रह राशि प्रदान की जाती रहेगी।

बैंक की वित्तीय स्थिति वर्ष के दौरान और अधिक सुदृढ़ हुई है। स्वामित्व निधि बढ़कर 488.66 करोड़ हो गई, जो पिछले वर्ष 475.18 करोड़ थी। इसी प्रकार आरक्षित निधि एवं अधिशेष बढ़कर 458.51 करोड़ हो गया, जो पूर्व वर्ष 444.73 करोड़ था। प्रति शेयर पुस्तक मूल्य बढ़कर 324.17 हो गया, जो पिछले वर्ष 312.13 था, जबकि प्रति शेयर आय (ईपीएस) 15.38 रही।

बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। सकल अनुत्पादक परिसंपत्तियाँ (ग्रॉस एनपीए) घटकर 33.45 करोड़ रह गईं, जो पिछले वर्ष 38.68 करोड़ थीं। यह कुल ऋण परिसंपत्तियों का मात्र 3.25% है। वहीं शुद्ध एनपीए (नेट एनपीए) लगातार शून्य बना हुआ है, जो बैंक की सुदृढ़ ऋण प्रबंधन एवं प्रभावी वसूली प्रणाली का प्रमाण है।

भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए अध्यक्ष सीए मुरली मनोहर पलोड़ ने कहा कि बैंक ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 4,100 करोड़ के कुल व्यवसाय का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, जो वर्तमान स्तर की तुलना में 37.13% की वृद्धि को दर्शाता है। इसमें 2,500 करोड़ जमा तथा 1,600 करोड़ अग्रिम का लक्ष्य शामिल है। उन्होंने यह भी बताया कि बैंक अपनी स्वर्ण जयंती मनाने से पूर्व अपनी शाखाओं की संख्या 45 से बढ़ाकर 50 करने का लक्ष्य रखता है।

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बैंक द्वारा किए गए महत्वपूर्ण सुधारों का उल्लेख करते हुए अध्यक्ष ने बताया कि बैंक ने वर्ष के दौरान सिक्योरिटी ऑपरेशन्स सेंटर (एसओसी), सिक्योरिटी इन्फॉर्मेशन एंड इवेंट मैनेजमेंट (एसआईईएम), डोमेन-आधारित मैसेज ऑथेंटिकेशन, रिपोर्टिंग एंड कॉनफॉर्मेंस (डीएमएआरसी) सहित अनेक आधुनिक साइबर सुरक्षा उपाय लागू किए हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि बैंक ने नवीनतम कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (सी.बी.एस.) के क्रियान्वयन हेतु विक्रेताओं का चयन अंतिम रूप से कर लिया है।

सभा में बैंक के अध्यक्ष सीए मुरली मनोहर पलोड़, उपाध्यक्ष श्री गोविंद नारायण राठी, निदेशकगण श्री अमित लड्ढा (गग्गू), सीए अलका ज़ंवर, श्री दीपक कुमार बुंग, श्री देवेंद्र झावर, श्री कैलाश मंत्री, श्रीमती कविता तोषनीवाल, श्री मुकुंदलाल बाहेती, श्री पवन कुमार लोहिया एवं श्री रूपेश सोनी, प्रोफेशनल निदेशक सीए वरुण राठी एवं श्री सुमेश कुमार बुंग, तथा बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के अध्यक्ष सीए रामदेव भूतड़ा के नेतृत्व में सीए बजरंगलाल झावर, सीए कन्हैयालाल राठी, सीए नरसिंगलाल धूत एवं इंजीनियर प्रवीण कुमार बाहेती उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त बैंक के पूर्व निदेशकगण एवं बड़ी संख्या में अंशधारकों ने भी सभा में भाग लिया। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री हनमंदास राठी ने सभा के दौरान सदस्यों द्वारा बैंक के वित्तीय विवरणों एवं विभिन्न संचालन संबंधी विषयों पर पूछे गए प्रश्नों का विस्तार से उत्तर दिया।

धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए बैंक के उपाध्यक्ष श्री गोविंद नारायण राठी ने अंशधारकों, अध्यक्ष सीए मुरली मनोहर पलोड़, निदेशक मंडल, प्रोफेशनल निदेशकों, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट, पूर्व अध्यक्ष श्री रमेश कुमार बुंग एवं श्री पुरुषोत्तम मंडाना, पूर्व उपाध्यक्ष श्री लक्ष्मीनारायण राठी, श्री श्याम सुंदर मुंडड़ा, श्री रामपाल अट्टल एवं श्रीमती पुष्पा बूब, वैधानिक लेखा परीक्षकों, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति उनके अमूल्य सहयोग एवं समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा पुलिस प्रशासन का भी सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

मानव संसाधन विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अंतर्गत बैंक अपना स्वयं का स्टाफ प्रशिक्षण महाविद्यालय संचालित कर रहा है, जहाँ कर्मचारियों को बदलते बैंकिंग परिवेश के अनुरूप नवीनतम कौशलों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है तथा बैंक के दैनिक कार्यों में व्यावसायिकता को प्रोत्साहित किया जाता है।

गाय माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिया जाए : भवानी सतीश

राष्ट्रव्यापी हस्ताक्षर अभियान के तहत मंचेरियाल से प्रतिनिधिमंडल दिल्ली पहुंचा

मंचेरियाल, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गाय को 'राष्ट्रीय माता' का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर देशभर में चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी हस्ताक्षर अभियान के अंतर्गत मंचेरियाल जिले से भवानी सतीश, वेसुला हरिप्रसाद एवं कर्णकांति रविंदर दिल्ली पहुंचे। वहां उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए अभियान की प्रगति और उद्देश्य की जानकारी दी।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि देशभर से अब तक लगभग 25 करोड़ हस्ताक्षर एकत्र किए जा चुके हैं। उनका कहना है कि शीघ्र ही 15 करोड़ और हस्ताक्षर जुटाकर यह अभियान केंद्र सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। भवानी सतीश ने कहा कि यह अभियान गाय को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाने तथा सनातन संस्कृति के संरक्षण के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गो माता हिंदू संस्कृति में पूजनीय मानी जाती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान समय में देश में गोवंश की हत्या की घटनाएं चिंता का विषय हैं। भवानी सतीश ने अपने संबोधन में धार्मिक मान्यता का उल्लेख करते हुए कहा कि हिंदू मान्यताओं के अनुसार गो माता में तैंतीस करोड़ देवी-देवताओं का वास माना जाता है। उन्होंने लोगों से इस हस्ताक्षर अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और इसे सफल बनाने की अपील की।

अग्र महिला मंच की 'सावन की सैर' सम्पन्न

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्र महिला मंच, तेलंगाना द्वारा पावन श्रावण मास के उपलक्ष्य में 'सावन की सैर' का आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मंच की सदस्याओं ने मंचिरेवुला स्थित श्री मचलेश्वर महादेव मंदिर तथा नेरकुडा (शमशाबाद) स्थित श्री कोलकाता काली माता मंदिर में दर्शन कर आध्यात्मिक वातावरण का आनंद लिया। प्रेस विज्ञप्ति में मंच की अध्यक्षा ने बताया कि मंच की लगभग 70 सदस्याएँ प्रातः बशीरबाग स्थित माता मंदिर में एकत्रित हुईं, जहाँ से बस एवं कारों द्वारा यात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा के दौरान अर्चना अग्रवाल एवं शारदा गुप्ता के सौजन्य से सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। सर्वप्रथम सभी सदस्याएँ श्री मचलेश्वर महादेव मंदिर पहुँचीं, जहाँ विधि-विधान से रुद्राभिषेक सम्पन्न हुआ। इसके पश्चात भगवान शिव की सामूहिक आरती कर सभी ने परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की। इसके उपरांत सभी सदस्याएँ श्री कोलकाता काली माता मंदिर पहुँचीं, जहाँ माँ काली के दर्शन कर सामूहिक भजन-कीर्तन किया गया। भक्ति गीतों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा और सभी ने आध्यात्मिक आनंद का अनुभव किया।धार्मिक कार्यक्रमों के पश्चात मंच की ओर से स्वादिष्ट मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था संगीता देवड़ा के संयोजन में की गई।

वहीं दीपा गर्ग एवं अंजू गोयल ने मनोरंजन के लिए विभिन्न रोचक खेल, तंबोला एवं अन्य गतिविधियों का आयोजन किया, जिनमें सभी सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मंजू केजरीवाल के सौजन्य से पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मधु गोयल, सीमा पंसारी एवं प्रभावती अग्रवाल का भी उल्लेखनीय सहयोग रहा।

प्रथम पृष्ठ का शेष

तरुण...

यह मामला वर्ष 2013 का है, जब तहलका की एक जूनियर महिला कर्मचारी ने गोवा के एक होटल की लिफ्ट में तरुण तेजपाल पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। तेजपाल ने इन आरोपों से इनकार किया था।मई 2021 में गोवा की ट्रायल कोर्ट ने उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया था। इसके बाद गोवा सरकार ने इस निर्णय को बॉम्बे हाई कोर्ट में चुनौती दी।

सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी

बॉम्बे हाई कोर्ट ने गुरुवार को ट्रायल कोर्ट का फैसला पलटते हुए तरुण तेजपाल को दोषी ठहराया और इसके बाद सजा सुनाई। तेजपाल की ओर से संकेत दिया गया है कि हाई कोर्ट के इस निर्णय को अब सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जाएगी।

बीआरएस नेता...

राजेंद्रनगर, मणिकोंडा और नार्सिंगी क्षेत्र में रूपा रेड्डी का नाम लंबे समय से चर्चा में रहा है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि वह राजनीतिक पहचान और प्रभाव का हवाला देकर लोगों का विश्वास जीतती थीं तथा सस्ते दामों पर प्लॉट, मकान दिलाने और निवेश पर अधिक लाभ एवं ऊंचा ब्याज दिलाने का भरोसा देकर बड़ी मात्रा में धनराशि एकत्र करती थीं।

पीड़ितों का आरोप है कि एक बार रकम लेने के बाद वर्षों तक भुगतान टाला जाता था। पैसे वापस मांगने पर चेक और प्रॉमिसरी नोट दिए जाते थे, लेकिन बाद में अधिकांश चेक कथित रूप से बाउंस हो गए और भुगतान नहीं किया गया।

शिकायतकर्ताओं का यह भी आरोप है कि रूपा रेड्डी पूर्व मंत्रियों और अन्य राजनीतिक नेताओं के साथ अपनी तस्वीरें दिखाकर स्थानीय लोगों के बीच प्रभावशाली होने का दावा करती थीं। इसी आधार पर कई लोगों ने उन पर विश्वास कर अपनी जमा-पूंजी निवेश की।

पीड़ित महिलाओं का आरोप है कि जब उन्होंने अपनी रकम वापस मांगी तो आर्थिक तंगी का हवाला दिया गया, जबकि चुनाव लड़ने और पारिवारिक आयोजनों में बड़े पैमाने पर खर्च किया गया। उनका कहना है कि अधिक लाभ की उम्मीद में उन्होंने अपनी मेहनत की कमाई निवेश की थी, लेकिन बाद में उन्हें कथित रूप से धोखे का सामना करना पड़ा।

हाल ही में कुछ महिला पीड़ित जब रकम की मांग को लेकर रूपा रेड्डी के घर पहुंचीं तो विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि उन्हें रोकने के लिए पुलिस बुला ली गई और समर्थकों द्वारा उनके साथ मारपीट तथा धमकाने का प्रयास किया गया। घटना में एक महिला के बेहोश होने की भी सूचना सामने आई है। नार्सिंगी पुलिस थाने में दर्ज एक शिकायत के अनुसार, वर्ष 2021 में 9 लाख रुपये देने वाली एक महिला ने आरोप लगाया है कि आज तक उसकी राशि वापस नहीं की गई। उसका कहना है कि दिए गए चेक भी बाउंस हो गए। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि पैसे मांगने पर उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया, घर से बाहर निकाल दिया गया और दोबारा आने पर जान से मारने की धमकी दी गई।

पीड़ितों का दावा है कि इस मामले में महिलाएं, व्यापारी, स्थानीय पत्रकार और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े कई लोग भी कथित रूप से प्रभावित हुए हैं। एक वरिष्ठ पत्रकार ने भी आरोप लगाया है कि कम कीमत पर प्लॉट दिलाने का भरोसा देकर उनसे लाखों रुपये लिए गए, लेकिन राशि वापस नहीं की गई। उनका कहना है कि उन्हें दिए गए चेक और प्रॉमिसरी नोट भी किसी काम नहीं आए।

पुलिस अब मामले से जुड़े आर्थिक लेन-देन, बैंक खातों, चेक, प्रॉमिसरी नोट और अन्य दस्तावेजों की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि कथित ठगी का दायरा कितना बड़ा है और क्या इस मामले में अन्य लोगों की भी भूमिका रही है।

इसी मामले के बीच एक नया घटनाक्रम भी सामने आया है। कांग्रेस विधायक प्रकाश गौड़ के बेटे ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि उनके पिता उनके प्रेम विवाह से नाराज़ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी प्रेमिका के घर पर कथित रूप से समर्थकों को भेजकर हमला कराया गया तथा दोनों की हत्या की कोशिश की गई। उन्होंने अपनी, अपनी होने वाली पत्नी और उसके परिवार की सुरक्षा की मांग करते हुए सरकार से तत्काल पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने की अपील की।

वहीं, गिरफ्तारी से पहले पटलोल्ला रूपा रेड्डी ने भी मीडिया से बातचीत के दौरान विधायक प्रकाश गौड़ के बेटे के साथ अपनी बेटी की शादी के मुद्दे पर प्रकाश गौड़ को लेकर बयान जारी किया था। उन्होंने अपील की कि बेवजह की दुश्मनी न रखें, बच्चों के प्रेम को स्वीकार करते हुए उनकी शादी के लिए सहमति दें और उन्हें आशीर्वाद दें। इसके साथ ही उन्होंने प्रकाश गौड़ से किसी प्रकार की साजिश नहीं रचने का आग्रह किया। रूपा रेड्डी ने यह आरोप भी लगाया कि उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज करवाए गए हैं।

एक ओर प्रेम-विवाह को लेकर विधायक के बेटे के सनसनीखेज आरोप और जान का खतरा जताने का दावा, तो दूसरी ओर बीआरएस की महिला नेता रूपा रेड्डी पर कथित निवेश ठगी के आरोप। दोनों मामलों ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज कर दी है।

विधायक के बेटे संतोष गौड़ ने अपने पिता पर गंभीर आरोप लगाते हुए सुरक्षा की मांग की है, जबकि रूपा रेड्डी ने अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों को साजिश बताते हुए खारिज किया है। उधर, कथित निवेश ठगी मामले में दर्ज शिकायतों के आधार पर नार्सिंगी पुलिस जांच कर रही है। अब इस पूरे प्रकरण में सामने आए आरोपों की सच्चाई और आगे की कानूनी दिशा पुलिस जांच तथा न्यायिक प्रक्रिया से ही स्पष्ट होगी।

एनकाउंटर...

इस मामले में अतीक अहमद और उसके गैंग पर आरोप लगे। इसके बाद उत्तर प्रदेश पुलिस और विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने आरोपियों के विरुद्ध व्यापक अभियान शुरू किया। इसी कार्रवाई ने अतीक के पूरे आपराधिक नेटवर्क को झकझोर दिया।

27 फरवरी और 6 मार्च : दो आरोपियों का एनकाउंटर

उमेश पाल हत्याकांड के तीन दिन बाद, 27 फरवरी 2023 को प्रयागराज पुलिस ने आरोपी अरबाज को नेहरू पार्क के पास मुठभेड़ में मार गिराया। पुलिस के अनुसार, वही घटना में प्रयुक्त क्रेटा कार चला रहा था और उसने पुलिस पर गोली चलाई थी।

इसके बाद 6 मार्च 2023 को मामले का एक अन्य आरोपी विजय चौधरी उर्फ उस्मान भी पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। पुलिस का दावा था कि उसी ने उमेश पाल पर पहली गोली चलाई थी। उस पर भी इनाम घोषित था।

13 अप्रैल : असद अहमद और गुलाम की एनकाउंटर में मौत

करीब 50 दिन तक फरार रहने के बाद 13 अप्रैल 2023 को अतीक अहमद के तीसरे बेटे असद अहमद और उसके साथी गुलाम को उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने झांसी में मुठभेड़ में मार गिराया।

पुलिस के अनुसार, दोनों ने टीम पर गोलीबारी की थी, जिसके जवाब में कार्रवाई की गई। असद पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था और उसे उमेश पाल हत्याकांड का प्रमुख आरोपी माना गया था। घटनास्थल से विदेशी पिस्तौल, कारतूस और मोटरसाइकिल बरामद की गई थी। गुलाम पर भी पांच लाख रुपये का इनाम था।

15 अप्रैल : पुलिस हिरासत में अतीक और अशरफ की हत्या।

असद के एनकाउंटर के दो दिन बाद, 15 अप्रैल 2023 की रात प्रयागराज में अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की पुलिस हिरासत में गोली मारकर हत्या कर दी गई।

दोनों को मेडिकल परीक्षण के लिए कॉल्विन अस्पताल ले जाया जा रहा था। इसी दौरान पत्रकार बनकर भीड़ में घुसे तीन हमलावरों ने बेहद करीब से उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। पूरी घटना कैमरों में कैद हुई और देशभर में सुर्खियां बनीं।

पुलिस ने मौके से तीनों आरोपियों लवलेश तिवारी, अरुण मौर्य और सनी सिंह को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने न्यायिक आयोग का गठन किया था।

अब सड़क हादसे में आबान की मौत

अतीक अहमद के परिवार पर दुखद घटनाओं का सिलसिला अब भी थमता नजर नहीं आ रहा है। अब उसके बेटे आबान की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। बताया गया कि वह नैनी जेल में बंद अपने भाई अली अहमद से मिलने जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ।

वर्ष 2023 में आबान और उसका छोटा भाई एहजम नाबालिग थे। अतीक अहमद और शाइस्ता परवीन के विरुद्ध कार्रवाई के बाद दोनों को बाल संरक्षण गृह भेजा गया था। बाद में अक्टूबर 2023 में दोनों को रिहा कर परिजनों के साथ रहने की अनुमति मिली थी।

परिवार में अब कौन-कौन बचा है?

अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन अब भी उमेश पाल हत्याकांड में वांछित हैं और लंबे समय से फरार बताई जाती हैं।

परिवार की वर्तमान स्थिति इस प्रकार है

बड़ा बेटा उमर अहमद लखनऊ जेल में न्यायिक हिरासत में है।

दूसरा बेटा अली अहमद नैनी सेंट्रल जेल में बंद है।

तीसरे बेटे असद अहमद की अप्रैल 2023 में पुलिस मुठभेड़ में मौत हो चुकी है।

चौथे बेटे आबान की अब सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई है।

सबसे छोटा बेटा एहजम अक्टूबर 2023 में बाल संरक्षण गृह से रिहा होने के बाद अपनी बुआ के साथ रह रहा है।

लगातार हादसों से बिखर गया अतीक का परिवार।

पिछले तीन वर्षों की घटनाओं पर नजर डालें तो अतीक अहमद का परिवार लगातार गंभीर झटकों से गुजरता रहा है। पहले पुलिस कार्रवाई में बेटे की मौत, फिर पुलिस हिरासत में अतीक और उसके भाई की हत्या, और अब सड़क हादसे में बेटे आबान की मौत ने परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है।

वर्तमान में परिवार के कुछ सदस्य जेल में हैं, एक सदस्य फरार है और कुछ मामलों में कानूनी कार्रवाई अब भी जारी है।

श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन 16 से

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में श्रावण मास के पावन अवसर पर श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन रविवार, 16 अगस्त से सोमवार, 24 अगस्त 2026 तक प्रतिदिन अपराह्न 3:00 बजे से सायं 7:00 बजे तक साई बाबा मंदिर प्रांगण, एन.एम. गुड़ा चौराहा, अत्तापुर में आयोजित किया जाएगा। इसकी जानकारी समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

उन्होंने बताया कि वृंदावन निवासी बाल विदुषी सुश्री लक्ष्मीजी अपनी अमृतमयी वाणी से श्रद्धालुओं को श्री शिव महापुराण कथा का रसपान कराएंगी।

समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने बताया कि कथा के मुख्य यजमान के रूप में श्री अंजनी कुमार अग्रवाल (पूर्व अध्यक्ष, अग्रवाल समाज तेलंगाना – डीआरएस) तथा सह मुख्य यजमान के रूप में श्री अंजनी कुमार सरावगी अपनी सेवाएं देंगे। इस अवसर पर दोनों का शॉल एवं मोतीमाला पहनाकर सम्मान किया गया।

उन्होंने बताया कि दैनिक यजमान के रूप में श्री मनीष अग्रवाल (पूर्व अध्यक्ष, अग्रवाल समाज तेलंगाना), श्री कृष्ण कुमार सौंथलिया, श्री मुकेश कुमार लोया, श्री बृजगोपाल असावा, श्री कमल किशोर कांकाणी, श्री जमनालाल मनोहरलाल कांकाणी, श्री वेणुगोपाल तोतला तथा श्री अशोक कुमार हीरावत जैन ने अपनी सहमति प्रदान की है। इसके अतिरिक्त समाज के अनेक अन्य बंधुओं से भी दैनिक यजमान बनने के लिए संपर्क किया गया है और सभी ने सकारात्मक आश्वासन दिया है।

श्रीनिवास सोमाणी ने बताया कि रविवार, 16 अगस्त को प्रातः 11:00 बजे विट्ठल मंदिर, शिवाजी नगर, अत्तापुर से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो कथा स्थल साई बाबा मंदिर, अत्तापुर पहुंचेगी। इसके पश्चात अपराह्न 3:00 बजे से श्री शिव महापुराण कथा का शुभारंभ होगा।

उन्होंने सभी माताओं एवं बहनों से कलश यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह करते हुए कहा कि जो भी कलश यात्रा में सम्मिलित होना चाहती हैं, वे 13 अगस्त तक अपना नाम समिति अध्यक्ष के पास पंजीकृत कराएं, ताकि आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारु रूप से की जा सकें।

श्री शिव महापुराण कथा को भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने के लिए रविवार, 9 अगस्त को प्रातः 11:00 बजे कथा स्थल साई बाबा मंदिर, अत्तापुर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी।

समिति ने सभी धार्मिक एवं समाजबंधुओं से बैठक में उपस्थित होकर अपने सुझाव देने तथा विभिन्न व्यवस्थाओं में सहयोग करने का आग्रह किया है। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, विभिन्न समितियों का गठन तथा प्रत्येक कार्य के संयोजकों की जिम्मेदारियां तय की जाएंगी।

समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने सभी श्रद्धालुओं से परिवार एवं मित्रों सहित श्री शिव महापुराण कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की।

इस अवसर पर श्री शिव महापुराण कथा के पोस्टर का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में श्री दयानंद अग्रवाल का समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी द्वारा पगड़ी, शॉल एवं मोतीमाला पहनाकर सम्मान किया गया।

इसी अवसर पर मुख्य यजमान श्री अंजनी कुमार अग्रवाल, सह मुख्य यजमान श्री अंजनी कुमार सरावगी का भी शॉल एवं मोतीमाला से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में संजय राठी, अशोक कुमार हीरावत, दामोदर सोमाणी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।र

सेवा परमो धर्म संस्था ने जरूरतमंद विद्यार्थियों को बांटे रेनकोट

बारिश के मौसम में सेवा की अनूठी पहल, बच्चों के चेहरों पर बिखरी मुस्कान

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। समाज सेवा के पथ पर निरंतर अग्रसर 'सेवा परमो धर्म' संस्था ने समाज हित में एक और सराहनीय पहल करते हुए गुरुवार, 6 अगस्त 2026 को न्यू गवर्नमेंट बॉयज जूनियर कॉलेज (सरदार पटेल रोड, वाईएमसीए के पास, कुमारीगुट्टा, संजीवनी नगर, सिकंदराबाद) में विशेष वितरण कार्यक्रम का गरिमामयी आयोजन किया।

इस अवसर पर संस्था की सदस्या श्रीमती राखी पीरगल (पीरगल इलेक्ट्रॉनिक्स) के सौजन्य से विद्यालय के 100 जरूरतमंद विद्यार्थियों को रेनकोट वितरित किए गए।

बारिश के मौसम में रेनकोट पाकर नन्हें बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। विद्यार्थियों ने इस सेवा कार्य के लिए संस्था एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान संस्था के सदस्यों ने बच्चों को शिक्षा, अनुशासन एवं संस्कारों का महत्व बताते हुए उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि मानसून के दौरान बच्चों को स्कूल आने-जाने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े, इसी उद्देश्य से यह सेवा कार्य किया गया है।

कार्यक्रम के सफल समापन पर संस्था की सक्रिय शाखा सदस्या श्रीमती वर्षा मखाना एवं श्रीमती सोनल जैन ने संस्था की ओर से उपस्थित सभी अतिथियों, विद्यालय प्रशासन एवं सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस सेवा कार्य को संभव बनाने के लिए श्रीमती राखी पीरगल का विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों एवं प्रबुद्धजनों के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त की।

विद्यालय प्रशासन ने भी 'सेवा परमो धर्म' संस्था एवं पीरगल परिवार द्वारा किए गए इस मानवीय एवं प्रेरणादायी सेवा कार्य की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सेवा, संवेदना और सहयोग की भावना को और अधिक सुदृढ़ करते हैं।

यदि चाहें तो मैं इसे मुझे इसे फ्रंट पेज लीड के अनुसार तैयार करें, मुझे इसे दो कॉलम समाचार के अनुसार तैयार करें या मुझे इसे फोटो कैप्शन सहित अखबार लेआउट के अनुसार तैयार करें के अनुसार भी तैयार कर सकता हूँ।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज के उपाध्यक्ष एवं भारद्वाज गोत्र की कुलदेवी जैष्ठायणी माता (पाण्डुका माता) के परम भक्त रामदेव व्यास (बिराठीया कलां वाले) के नए प्रतिष्ठान पाण्डुका राखी भंडार का शुभारंभ फिलखाना स्थित छोटा पंचायती बाड़ा के समीप विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित उद्घाटन समारोह में रामदेव नागला, अनिल जायलवाल, मुरलीधर तिवारी, गोपाल व्यास, नीरज व्यास एवं सीमरन व्यास सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे। सभी ने नए प्रतिष्ठान के शुभारंभ पर रामदेव व्यास को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल व्यापारिक भविष्य की कामना की।

सरकारी डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों ने द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा में दिखाया उत्कृष्ट प्रदर्शन

मंचेरियाल, 6 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरकारी डिग्री कॉलेज, मंचेरियल के विद्यार्थियों ने हाल ही घोषित डिग्री द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कॉलेज का नाम रोशन किया है। बीएससी छात्र अंजली ने 9.32 सीजीपीए, श्री लता ने 9.00 सीजीपीए और पूजा ने 8.76 सीजीपीए प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। कॉलेज के प्राचार्य जय किशन ओझा ने सभी मेधावी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए स्मृति चिन्ह भेंट किए और उनकी सफलता को अन्य छात्रों के लिए प्रेरणादायक बताया। उन्होंने सभी को उज्ज्वल भविष्य और आगामी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएँ दीं।

महाशिवपुराण कथा में भगवान शिव-विवाह प्रसंग का हुआ भावपूर्ण वर्णन

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बोईनपल्ली स्थित बापूजी नगर में गेहलोत, सोलंकी एवं पंवार परिवार के निवास पर आयोजित पावन महाशिवपुराण कथा के दौरान गुरुदेव महंत भवरगिरीजी महाराज के पावन सानिध्य में कथा वाचक स्वामी हीरपुरी महाराज ने भगवान शिव एवं माता पार्वती के दिव्य विवाह प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण एवं भक्तिमय वर्णन किया।

स्वामी हीरपुरी महाराज ने कथा के माध्यम से कहा कि भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह केवल एक धार्मिक घटना नहीं, बल्कि त्याग, तपस्या, प्रेम और धर्म की विजय का दिव्य संदेश भी है। उन्होंने श्रद्धालुओं को भगवान शिव के आदर्शों को जीवन में अपनाने तथा धर्म एवं भक्ति के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। भगवान शिव-विवाह प्रसंग का मनोहारी वर्णन सुनकर श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो गए। कथा के दौरान पूरा वातावरण ''हर-हर महादेव'' के जयघोष से गूंज उठा और उपस्थित श्रद्धालुओं ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ कथा का श्रवण किया।इस अवसर पर रुघाराम गेहलोत, मंगनाराम गेहलोत, मांगीलाल सोलंकी, नेमाराम पंवार, जगदीश गेहलोत तथा समस्त मारवाड़ी हरिभक्त महिला मंडल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने भक्तिभाव से कथा का श्रवण कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

मानव सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं : नीलम विजयवर्गीय

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास बुधवार को आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में मानवता, सेवा और परोपकार का प्रेरणादायी दृश्य देखने को मिला। ग्रुप के सदस्यों ने पूरे समर्पण और श्रद्धा के साथ बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर समाज के प्रति अपनी संवेदनशीलता और सेवा भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रत्येक सदस्य ने सेवा को अपना परम कर्तव्य मानते हुए उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए नीलम विजयवर्गीय ने कहा कि मानव सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप ने समाज में निस्वार्थ सेवा की ऐसी प्रेरणा दी है, जिसने अनेक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। इस ग्रुप से जुड़ने के बाद यह अनुभव हुआ है कि जब किसी भूखे को भोजन मिलता है, किसी जरूरतमंद को सहारा मिलता है और किसी निराश व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लौटती है, तभी सेवा का वास्तविक उद्देश्य पूरा होता है।

उन्होंने कहा कि सेवा केवल आर्थिक सहयोग का नाम नहीं है, बल्कि प्रेम, करुणा, संवेदनशीलता और अपनत्व का जीवंत स्वरूप है। राधे-राधे ग्रुप बिना किसी भेदभाव के प्रतिदिन समाज के जरूरतमंद लोगों तक भोजन और सहयोग पहुंचाकर मानवता की अनूठी मिसाल प्रस्तुत कर रहा है। यह सेवा अभियान प्रत्येक व्यक्ति को यह संदेश देता है कि यदि हम अपने जीवन का थोड़ा-सा समय भी समाजहित में समर्पित करें, तो अनेक लोगों के जीवन में खुशियां लाई जा सकती हैं। नीलम विजयवर्गीय ने कहा कि आज समाज को ऐसे संगठनों की आवश्यकता है, जो केवल बातें न करें बल्कि सेवा को अपने जीवन का उद्देश्य बनाकर कार्य करें। राधे-राधे ग्रुप इसी भावना के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है और लोगों के बीच प्रेम, सहयोग, सद्भाव तथा सामाजिक एकता का संदेश दे रहा है। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे भी ऐसे सेवा कार्यों से जुड़कर समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग के लिए सहयोग का हाथ बढ़ाएं।

कार्यक्रम में अनिल धरशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल, महेश गोयल, रेनू शर्मा तथा स्वास्ति अग्रवाल ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी सदस्यों ने जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया और भविष्य में भी सेवा, समर्पण और मानवता के इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल अन्नदान करना नहीं, बल्कि समाज में सेवा, संस्कार और मानवीय मूल्यों को मजबूत करना है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस पुनीत अभियान से जुड़कर मानव कल्याण में अपना योगदान दे सकें।

साइबर क्राइम प्रबंधन में तेलंगाना देश में प्रथम स्थान पर

हैदराबाद, 6 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी प्रगति समीक्षा बैठक में साइबर अपराध की रोकथाम, जांच और पीड़ितों की सहायता से जुड़े नौ प्रमुख मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तेलंगाना को देश में पहला स्थान मिला है। यह समीक्षा केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत 'इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर' की पहलों के कार्यान्वयन के आधार पर की गई।

इसमें राज्य साइबर अपराध समन्वय केंद्र की स्थापना, ई-ज़ीरो एफआईआर, शिकायत निवारण तंत्र, मनी रेस्टोरेशन मॉड्यूल, सहयोग पोर्टल, समन्वय पोर्टल, साइबर अपराध हॉटस्पॉट प्रबंधन, कानून प्रवर्तन कर्मियों का क्षमता निर्माण और जन जागरूकता कार्यक्रम शामिल थे।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने सूचना प्रौद्योगिकी का कुशलतापूर्वक उपयोग करने के लिए तेलंगाना की सराहना की।

दो अगस्त तक के आंकड़ों के अनुसार, राज्य ने शिकायत निवारण तंत्र पोर्टल पर 88 प्रतिशत निस्तारण दर हासिल की, मनी रेस्टोरेशन के 81.38 फीसदी मामलों को संसाधित किया, सहयोग पोर्टल के माध्यम से रिपोर्ट की गई 89.41 प्रतिशत संदिग्ध यूआरएल को ब्लॉक कराया और समन्वय पोर्टल पर प्राप्त 96.68 प्रतिशत अंतर-राज्यीय अनुरोधों को पूरा किया।

नागरिक सेवाओं को मजबूत करने के लिए 'तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो' ने पीड़ितों की सहायता हेतु एक समर्पित हेल्पलाइन नंबर (8712665600) भी जारी किया है।

तेलंगाना भाकपा ने हनुमाकोंडा में शुरू की पदयात्रा, केंद्र में बदलाव की मांग

हनुमाकोंडा, 6 अगस्त (एजेंसियां)। तेलंगाना में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सहायक सचिव टक्कलपल्ली श्रीनिवास राव ने गुरुवार को कहा कि पार्टी ने राजनीतिक बदलाव के लिए देशव्यापी संघर्ष शुरू किया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने संघवाद को कमजोर किया है, किसानों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की उपेक्षा की है और तेलंगाना से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है।

भाकपा राष्ट्रीय परिषद द्वारा बुलाए गए राष्ट्रव्यापी अभियान के हिस्से के रूप में काज़ीपेट में एक पदयात्रा का उद्घाटन करते हुए, श्रीनिवास राव ने कहा कि यह मार्च समाज के सभी वर्गों के लोगों से संवाद करने के लिए हनुमकोंडा जिले के कई गांवों एवं कस्बों को कवर करेगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानूनी गारंटी देने में नाकाम रही है।साथ ही, आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के तहत तेलंगाना से किए गए अहम वादों को भी पूरा नहीं किया गया है जिनमें बय्यारम इस्पात संयंत्र और मुलुगु जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना शामिल है।उन्होंने केंद्र पर सिंगरेनी खदान समेत सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों का निजीकरण करने की कोशिश करने और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया।भाकपा नेता ने जनता से पार्टी के विरोध अभियान में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की।भाकपा के कई राज्य और ज़िला स्तर के नेताओं ने उद्घाटन पदयात्रा में हिस्सा लिया।

विमान ईंधन में एथेनॉल मिलाने की योजना का दावा गलत: नायडू

नयी दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापू राम मोहन नायडू ने विमान ईंधन में एथेनॉल मिलाने की योजना के दावों को पूरी तरह गलत बताते हुए कहा है कि ऐसी बातों से हवाई यात्रियों में अनावश्यक चिंता पैदा होती है।

श्री नायडू ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि यह दावा ''पूरी तरह से झूठा और गैर-जिम्मेदाराना'' है कि सरकार की विमान ईंधन में एथेनॉल मिलाने की योजना है। उन्होंने कहा कि ऐसी किसी भी योजना का प्रस्ताव नहीं है।

उल्लेखनीय है कि मीडिया में इस तरह की खबरें आयी थीं कि सरकार ने विमान ईंधन में एथेनॉल मिलाने की अनुमति दे दी है। इसके बाद आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी सोशल मीडिया पर कहा था कि ऐसे ईंधन से विमान का इंजन कभी भी बंद हो सकता है और यात्रियों की जान का खतरा हो सकता है।

श्री नायडू ने स्पष्ट किया कि हरित विमान ईंधन एथेनॉल से अलग है। उन्होंने लिखा, ''एथेनॉल और हरित विमान ईंधन पूरी तरह अलग-अलग ईंधन हैं और इन्हें एक-दूसरे के समान नहीं माना जाना चाहिए। हरित विमान ईंधन एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित विमानन ईंधन है, जिसे अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन द्वारा मान्यता प्राप्त है और दुनिया भर में अपनाया गया है। यह कठोर परीक्षणों से गुजरता है और वैश्विक सुरक्षा के सख्त मानकों पर खरा उतरता है।'' नागरिक उड्डयन मंत्री ने यात्रियों की सुरक्षा को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि विमानन सुरक्षा से जुड़ी गलत जानकारी फैलाने से विमान से यात्रा करने वालों में अनावश्यक चिंता पैदा होती है।

सिंगरेनी कॉलोनी खूनी हत्याकांड का पर्दाफाश, पुलिस ने दबोचा

दिनदहाड़े कत्ल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सरूरनगर झील से बरामद हुआ हत्या का धारदार हथियार

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सैदाबाद थाना क्षेत्र की सिंगरेनी कॉलोनी में दिनदहाड़े हुए सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पुरानी रंजिश के चलते युवक की बेरहमी से हत्या की और सबूत मिटाने के लिए हत्या में इस्तेमाल चाकू सरूरनगर झील में फेंक दिया था। पुलिस ने तलाशी अभियान चलाकर चाकू बरामद कर लिया है।पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान 21 वर्षीय ऑटो-रिक्शा चालक इंद्रावत सुमन उर्फ एंज्रावत सुमन के रूप में हुई है। जांच में सामने आया कि आरोपी और मृतक मोहम्मद फसी अहमद आमेर के बीच लंबे समय से व्यक्तिगत विवाद चल रहा था। 4 अगस्त 2026 की सुबह दोनों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद आरोपी ने कथित रूप से चाकू से आमेर की गर्दन और सिर पर लगातार कई जानलेवा वार किए। गंभीर चोटों के कारण आमेर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से ऑटो-रिक्शा में फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी से बचने और अपराध के साक्ष्य नष्ट करने की नीयत से उसने हत्या में प्रयुक्त चाकू सरूरनगर झील में फेंक दिया।सैदाबाद पुलिस ने तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से घटना के समय पहने गए कपड़े, वारदात के बाद इस्तेमाल किया गया ऑटो-रिक्शा तथा एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। इसके बाद (हाइड्रा)आपदा प्रतिक्रिया बल की सहायता से सरूरनगर झील में तलाशी अभियान चलाकर हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया गया।

पुलिस ने सैदाबाद थाने में अपराध संख्या 258/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) में मामला दर्ज किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के सलाखों के पीछे भेज दिया गया ।

महज 3 घंटे में सुलझा 8 माह की मासूम अपहरण का मामला

मेडिपल्ली पुलिस ने बच्ची को सकुशल बचाया

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मल्काजगिरि पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत मेडिपल्ली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 8 माह की मासूम बच्ची के अपहरण के मामले का महज तीन घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर बच्ची को सकुशल बरामद करते हुए उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी महिला की पहचान नल्ला दुर्गा भवानी के रूप में हुई है। वह चौकीदार (वॉचमैन) का कार्य करती थी। आरोप है कि उसने मासूम बच्ची का अपहरण कर उसे कर्मनघाट क्षेत्र ले गई।

घटना की सूचना मिलते ही मेडिपल्ली पुलिस ने विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय सूचना तंत्र के आधार पर पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए तीन घंटे के भीतर आरोपी तक पहुंच बनाई और बच्ची को सुरक्षित बरामद कर लिया।

पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, आरोपी महिला ने व्यक्तिगत कारणों से इस वारदात को अंजाम दिया। मामले में आगे की जांच जारी है और अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

इस सफल अभियान के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मेडिपल्ली पुलिस टीम की तत्परता, तकनीकी दक्षता और पेशेवर कार्यशैली की सराहना करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया।

मासूम बच्ची के सकुशल मिलने से उसके परिजनों ने राहत की सांस ली, जबकि पुलिस की त्वरित कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने भी सराहना की।

मुख्यमंत्री रेड्डी के साथ कोई मतभेद नहीं: महेश कुमार गौड

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) अध्यक्ष महेश कुमार गौड ने गुरुवार को कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के साथ उनके अच्छे संबंध हैं और दोनों के बीच मतभेद का सवाल ही पैदा नहीं होता।

श्री गौड ने गांधी भवन में संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस पार्टी और सरकार के बीच कोई दरार नहीं है और रेवंत रेड्डी हमारी पार्टी के मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी की समन्वय समिति में सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों और निर्णय लेने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने पर चर्चा हुई और मुख्यमंत्री के लिए समिति के सामने हर मुद्दे का खुलासा करना जरूरी नहीं है।

श्री गौड ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता टी. हरीश राव का जिक्र करते हुए उनसे उन मंदिरों के दौरों के बारे में सफाई मांगी, जो उनके अनुसार तांत्रिक अनुष्ठानों से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने न तो श्री राव का अपमान किया और न ही उनके खिलाफ कोई झूठा प्रचार किया लेकिन वे इस बात पर कायम रहे कि श्री हरीश राव को उन दौरों का मकसद स्पष्ट करना चाहिए।

श्री गौड ने उन लोगों को चुनौती दी जो उनसे जुड़ी ऑडियो या वीडियो रिकॉर्डिंग होने का दावा करते हैं कि वे उन्हें सार्वजनिक करें। उन्होंने कहा कि वे और मुख्यमंत्री अपनी बातचीत में पूरी पारदर्शिता रखते हैं। उन्होंने कहा, अगर हिम्मत है, तो उन ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग को जारी करें। श्री गौड ने श्री राव द्वारा भेजे गए कानूनी नोटिस पर कहा कि वे कानूनी कार्रवाई से नहीं डरते और जरूरत पड़ने पर अदालत में मामले का सामना करेंगे। उन्होंने भाजपा नेताओं की टिप्पणियों को भी खारिज किया और उनके आरोपों को बेबुनियाद बताया।

ओडिशा के नैनी खदान से पहली बार सिंगरेनी तापीय उर्जा स्टेशन पहुंचा कोयला

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। ओडिशा की नैनी कोयला खदान से कोयले की पहली खेप गुरुवार को तेलंगाना के सिंगरेनी तापीय उर्जा स्टेशन (एसटीपीएस) पहुंच गयी। यह राज्य में बिजली उत्पादन बढ़ाने और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

पहली खेप में 59 डिब्बों के जरिए ओडिशा से 1,131 किलोमीटर की दूरी तय कर 4,000 टन उच्च गुणवत्ता वाला जी-10 श्रेणी का कोयला लाया गया। यह कोयला खदान 13 अगस्त 2015 को केंद्रीय कोयला मंत्रालय ने सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) को आवंटित की थी, लेकिन करीब नौ साल तक इसका उपयोग नहीं हो सका। वर्तमान राज्य सरकार ने इसके विकास में तेजी लाकर इसे शुरू कराया।

तेलंगाना सरकार ने इस उपलब्धि का श्रेय मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री तथा ऊर्जा मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के प्रयासों को दिया, जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से ओडिशा का दौरा करके वहां की सरकार, जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ चर्चा कर वैधानिक मंजूरियों को आगे बढ़ाया था।

नैनी खदान में कोयला उत्पादन का औपचारिक उद्घाटन 16 अप्रैल 2025 को हुआ था और अब पहली कोयला खेप तेलंगाना पहुँच चुकी है।

अमेरिका से एक वीडियो संदेश के माध्यम से सिंगरेनी प्रबंधन और श्रमिकों को बधाई देते हुए श्री विक्रमार्क ने पहली कोयला खेप के आगमन को एससीसीएल और तेलंगाना के ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक अवसर बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अतिरिक्त कोयला खदानें सुरक्षित करके और इसके संचालन को आधुनिक बनाकर सिंगरेनी को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने पहले ही ताडिचेरला-2 कोयला खदान हासिल कर ली है और हाल ही में एक नीलामी में मन्नुगुरी ब्लॉक भी जीता है। उन्होंने जोड़ा कि राज्य की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एससीसीएल को और अधिक कोयला खदानें प्राप्त करने में सरकार पूर्ण समर्थन देना जारी रखेगी।

श्री विक्रमार्क ने यह भी कहा कि सरकार भविष्य में उन्नत खनन तकनीकों को अपनाकर और महत्वपूर्ण तथा दुर्लभ मृदा खनिजों के निष्कर्षण में विविधता लाकर सिंगरेनी को एक वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी खनन कंपनी में बदलने का दृष्टिकोण रखती है।

नैनी कोयला खदान में करीब 340.78 मिलियन टन कोयले का अनुमानित भंडार है। इसकी सालाना उत्पादन क्षमता एक करोड़ टन है और यह करीब 36 साल तक संचालित हो सकती है। अधिकारियों के अनुसार, यहां से मिलने वाला उच्च गुणवत्ता वाला कोयला सिंगरेनी थर्मल पावर स्टेशन को लगातार ईंधन उपलब्ध कराएगा और तेलंगाना की दीर्घकालिक बिजली उत्पादन क्षमता को मजबूत करेगा।

डॉ. के.ए. पॉल ने मोदी एवं शाह से एफसीआरए विधेयक को वापस लेने की अपील की

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रजा शांति पार्टी के अध्यक्ष डॉ. के.ए. पॉल ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से प्रस्तावित विदेशी अंशदान (नियमन) संशोधन (एफसीआरए) विधेयक को वापस लेने की अपील की है। उनका कहना है कि इससे भारत की अर्थव्यवस्था, विदेशी निवेश और दुनिया भर में देश की छवि पर बुरा असर पड़ सकता है।

डॉ. पॉल ने एक वीडियो संदेश में कहा कि यह प्रस्तावित कानून भारत में विदेशी निवेश को रोकेगा। इसका सीधा असर देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), रोजगार के अवसरों और आर्थिक विकास पर पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि इस विधेयक का दुनिया भर के नेता और सरकारें विरोध करेंगी, इसलिए केंद्र सरकार को इस कदम पर फिर से विचार करना चाहिए।

डॉ. पॉल ने यह भी कहा कि इस कानून से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले उन संस्थानों पर बुरा असर पड़ेगा, जिन्हें विदेशों से आर्थिक मदद मिलती है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह विधेयक पारित हो जाता है, तो निवेशकों का भरोसा कम होगा और बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में अपना काम बढ़ाने से पीछे हटेंगी।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का उदाहरण देते हुए डॉ. पॉल ने श्री मोदी से नरम रुख अपनाने और इस प्रस्तावित कानून को वापस लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अगर यह विधेयक लागू होता है, तो भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा और आर्थिक भविष्य पर संकट आ सकता है।

पार्टी प्रमुख ने राजनीतिक दलों, युवाओं और आम नागरिकों से इस मुद्दे पर जागरूकता फैलाने की अपील की। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि इस बदलाव को लागू करने से पहले इससे जुड़े सभी लोगों के साथ खुलकर चर्चा करें। उन्होंने कहा कि वह अपनी चिंताओं को साझा करने और अन्य विकल्पों पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री से व्यक्तिगत तौर पर मिलने को भी तैयार हैं।

मोदी की एआई से बनायी परिवर्तित सामग्री मामले में प्राथमिकी पर दावे को लेकर भाजपा ने मुख्यमंत्री रेड्डी की आलोचना की

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाने वाली कथित तौर से एआई से बनायी गयी सामग्री के प्रसार को लेकर मेटा इंडिया के प्रमुख अरुण श्रीनिवास और कई सोशल मीडिया अकाउंट ऑपरेटरों के खिलाफ प्राथमिकियां दर्ज करने का श्रेय लेने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना की है।

श्री राव ने गुरुवार को एक बयान में दावा किया कि ये प्राथमिकियां तेलंगाना भाजपा नेताओं द्वारा साइबर अपराध पुलिस में भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत शिकायतों के आधार पर दर्ज की गयी थीं। कांग्रेस सरकार की इन प्राथमिकियों में कोई भूमिका नहीं है।

उन्होंने मुख्यमंत्री के कथित दावे पर सवालिया निशान लगाया। श्री राव ने ये मामले दर्ज होने के तुरंत बाद हैदराबाद साइबर अपराध के डीसीपी वी. अरविंद बाबू के तबादले पर भी स्पष्टीकरण मांगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों के बार-बार होने वाले तबादलों से राज्य प्रशासन के मनोबल और स्वतंत्रता पर असर पड़ रहा है।

भाजपा नेता ने कांग्रेस सरकार पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि यदि मामलों को देख रहे अधिकारी का तबादला कर दिया गया है, तो मुख्यमंत्री के पास प्राथमिकियों का श्रेय लेने का कोई औचित्य नहीं है।

भाजपा ने की धान खरीद में 500 करोड़ रुपये के कथित गबन की जांच की मांग

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तेलंगाना अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने सरकारी खरीद के लगभग करीब 500 करोड़ रुपये मूल्य के 90 हजार मीट्रिक टन धान के कथित गबन की तत्काल जांच कराने की मांग की है।

श्री राव ने गुरुवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को लिखे पत्र में धान खरीद में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए इस मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि धान खरीद व्यवस्था किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण सहायक तंत्र होने के साथ-साथ सार्वजनिक वितरण प्रणाली का भी अभिन्न हिस्सा है। उनका आरोप है कि सरकारी धान का किसी भी प्रकार का कथित दुरुपयोग या गबन न केवल सरकारी खजाने को भारी वित्तीय नुकसान पहुंचाएगा, बल्कि खरीद व्यवस्था पर किसानों के विश्वास को भी कमजोर करेगा। मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए श्री राव ने दावा किया कि कस्टम मिलिंग के लिए चावल मिलों को सौंपे गये हजारों टन धान का न तो भंडार में पता चल रहा है और न ही उसे चावल के रूप में सरकार को वापस किया गया है, जिससे राज्य को भारी नुकसान हुआ है। श्री राव ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए और जांच में दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध, उनके पद या प्रभाव की परवाह किए बिना, कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाये।उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए धान खरीद, परिवहन, भंडारण और कस्टम मिलिंग सहित पूरी खरीद प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में निगरानी, जवाबदेही और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की भी मांग की।

तेलंगाना सरकार 15 अगस्त से 1.05 करोड़ नये राशन कार्ड बांटना शुरू करेगी

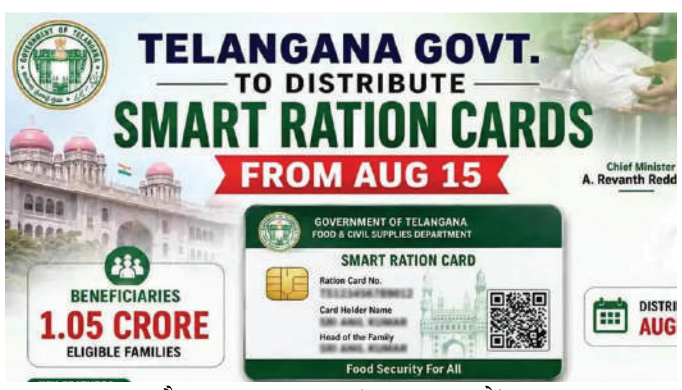

हैदराबाद, 06 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार पात्र गरीब परिवारों के लिए खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने की एक बड़ी पहल के तहत 15 अगस्त से पूरे राज्य में 1.05 करोड़ नये मंज़ूर किए गये लैमिनेटेड सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) राशन कार्ड बांटना शुरू करेगी।

इस कार्यक्रम की घोषणा करते हुए, सिंचाई और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी संगारेड्डी में औपचारिक रूप से वितरण की शुरुआत करेंगे, जबकि स्वतंत्रता दिवस पर अपराह्न दो बजे से शाम शाम बजे के बीच सभी 119 विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ ऐसे ही कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मंत्री ने कहा कि ज़िला प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि वे सुचारू वितरण सुनिश्चित करने के लिए राजस्व मंडल अधिकारियों (आरडीओ) के साथ समन्वय करें।

अधिकारियों को लाभार्थियों के सत्यापन, लैमिनेटेड राशन कार्ड की छपाई और वितरण केंद्रों पर व्यवस्थाओं के साथ-साथ जन-सुविधाओं और मीडिया कवरेज का काम पूरा करने का भी निर्देश दिया गया है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार गुरुवार को जारी इस कार्यक्रम को एक प्रतिष्ठित कल्याणकारी पहल बताते हुए श्री रेड्डी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हर नए पात्र परिवार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ मिले, जिससे पूरे तेलंगाना में खाद्य सुरक्षा और मजबूत हो सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.